RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

वर्ष :16 । अंक: 72 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 08 नवम्बर 2026(रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सत्ता की चौखट पर 'अग्निपरीक्षा' या सम्मान की बलि?

कुशीनगर में बीजेपी महिला मोर्चा की मीडिया प्रभारी के संगीन आरोपों से हड़कंप!

'संगठन के लिए सब लुटाया, फिर भी मांगी गई अनैतिक कीमत!' - पूनम जायसवाल के वीडियो और इंटरव्यू से यूपी राजनीति में मचा बवाल

निष्पक्ष जांच, महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा की रक्षा के लिए उठी तीखी आवाज; विरोधी खेमे में हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

कुशीनगर / लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसने सूबे के राजनीतिक गलियारों और सत्ताधारी दल के भीतर तक हड़कंप मचा दिया है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) महिला मोर्चा की जिला मीडिया प्रभारी पूनम जायसवाल का एक वीडियो और इंटरव्यू सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उन्होंने पार्टी संगठन के अंदर पद, जिम्मेदारी और सम्मान देने की पूरी प्रक्रिया पर ऐसे तीखे और गंभीर सवाल खड़े किए हैं, जिसने महिला कार्यकर्ताओं की सुरक्षा और सम्मान के दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं।

'पसीना बहाया, निजी पैसे खर्च किए... फिर भी मिला धोखा और अनैतिक दबाव!'

पूनम जायसवाल ने अपने इंटरव्यू में बेहद आक्रामक और दर्दभरे लहजे में अपनी आपबीती साझा की है। उनका स्पष्ट दावा है कि उन्होंने सालों तक संगठन को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर दिन-रात काम किया, रैलियों और कार्यक्रमों में अपना निजी पैसा तक पानी की तरह बहाया। लेकिन जब संगठन में उचित जिम्मेदारी और पद देने की बात आई, तो निष्ठा और समर्पण को दरकिनार कर दिया गया।

सबसे घातक आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि संगठन में आगे बढ़ने या पद पाने के लिए महिला कार्यकर्ताओं के सामने बेहद अनुचित और असंतोषजनक परिस्थितियां रखी जाती हैं। उनके इस बयान ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या राजनीति के गलियारों में महिलाओं का सम्मान केवल नारों तक सीमित है?

महिला सुरक्षा और संगठन के दावों पर करारा प्रहार

इस वीडियो के सामने आते ही केवल कुशीनगर ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की राजनीति में तूफान आ गया है। विपक्षी दलों से लेकर आम जनता तक यह सवाल पूछ रही है कि 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'महिला सशक्तिकरण' का नारा देने वाले राजनीतिक मंचों के पीछे का असल सच क्या यही है? हालांकि, इस पूरे मामले में प्रसारित वीडियो और बयानों की स्वतंत्र या आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। साथ ही, बीजेपी संगठन और संबंधित पदाधिकारियों की ओर से भी आधिकारिक जवाब का इंतजार किया जा रहा है। फिर भी, आरोपों की गंभीरता को देखते हुए मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध उच्चस्तरीय जांच की मांग जोर पकड़ रही है।

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल: अब किसकी जवाबदेही?

1. **निष्ठा बनाम सौदेबाजी:** क्या किसी राजनीतिक दल में सालों तक पसीना बहाने वाली महिला कार्यकर्ता की योग्यता का पैमाना सिर्फ निष्ठा नहीं हो सकता?

2. **चुप्पी कब टूटेगी?:** इतने गंभीर आरोप सामने आने के बाद संगठन के बड़े नेता और जिम्मेदार पदाधिकारी मौन क्यों हैं?



3. **निष्पक्ष जांच की गारंटी कौन देगा?:** क्या इस पूरे मामले की बिना किसी राजनीतिक दबाव के पारदर्शी जांच कराई जाएगी, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके?

यह मामला सिर्फ एक कार्यकर्ता के असंतोष का नहीं, बल्कि हर उस महिला के स्वाभिमान से जुड़ा है जो राजनीति में बदलाव की उम्मीद लेकर कदम रखती है। अब देखना यह होगा कि इस वायरल तूफान के बाद संगठन अपने अंदरूनी सिस्टम की सफाई करता है या मामले को दबाने की कोशिश होती है!

एसआईआर के विरोध में कोच्चि में उतरी कॉकरोच जनता पार्टी, प्रकाश राज और अभिजीत दीपके ने किया प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोच्चि। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को कोच्चि में प्रदर्शन किया। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और अभिनेता प्रकाश राज सहित बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी मार्च में शामिल हुए। मार्च मरीन ड्राइव से शुरू होकर राजेंद्र मैदान पहुंचा, जहां जनसभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों के खानपान, निजी रिश्तों और अब मतदान के अधिकारों को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी से वह डरने वाले नहीं हैं। उन्हें दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल या तमिलनाडु कहीं भी गिरफ्तार किया जाए, वह दोबारा लौटकर तिरंगा लेकर देशभर में जाएंगे। अभिनेता प्रकाश राज ने भी प्रदर्शनकारियों के साथ आजादी के नारे लगाए। उन्होंने महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर और जवाहरलाल नेहरू के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की नींव इन तीनों नेताओं के आदर्शों पर बनी है। उनके अनुसार, गांधी भारत की आत्मा, आंबेडकर उसकी रीढ़ और नेहरू उसका मस्तिष्क हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में लंबे समय तक रहने से कोई नेता इन महापुरुषों से बड़ा नहीं हो सकता। प्रदर्शनकारियों ने एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अपने विरोध को लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा मुद्दा बताया।



एक हजार करोड़ की कथित धोखाधड़ी में कारोबारी महेंद्र गोयनका की तलाश, परिवार सहित फरार होने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। करीब एक हजार करोड़ रुपये की संपत्तियों और कंपनियों के शेयरों से जुड़ी कथित धोखाधड़ी के मामले में कारोबारी महेंद्र गोयनका की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। कोलकाता हाईकोर्ट से गिरफ्तारी का नया वारंट जारी होने के बाद कोलकाता पुलिस शनिवार को गोयनका और उसके साथियों की तलाश में रायपुर पहुंची। पुलिस टीम ने आनंदम सिटी में दबिश दी, लेकिन आरोप है कि कारोबारी अपने परिवार सहित पहले ही फरार हो गया। पुलिस अब उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर जांच कर रही है। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में महेंद्र गोयनका, अभिषेक अग्रवाल, अशोक रैकवार, मनीष गोयनका, सुरेंद्र सिंह सलूजा और धनेश शिवहरे सहित महेंद्र गोयनका एंड संस तथा सुशील गोयनका एंड संस के नाम शामिल हैं। आरोपियों पर कंपनियों के शेयरों और संपत्तियों से जुड़े वित्तीय लेनदेन में धोखाधड़ी करने के आरोप हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को कोलकाता ले जाकर संबंधित अदालत में पेश किया जाना था, जहां पुलिस उनकी रिमांड मांगने वाली थी।

विधायक की पारिवारिक कंपनी से भी धोखाधड़ी का आरोप

वकील अमरेंद्र दास के मुताबिक, कोलकाता के बउबाजार थाने में दर्ज मामले में महेंद्र गोयनका पर कटनी के विधायक और मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री संजय पाठक की पारिवारिक कंपनी के साथ करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी का भी आरोप है। वकील का दावा है कि गोयनका के परिवार के हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के खिलाफ भी धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। कोलकाता के तीन से चार थानों में उनके खिलाफ शिकायतें दर्ज होने की बात कही गई है। उनके भाई और पत्नी पर भी विभिन्न कंपनियों में कथित अनियमितताओं और धोखाधड़ी के आरोप हैं।

कई दिनों तक हिरासत में रहने की भी चर्चा

वकील के अनुसार, कारोबारी जुलाई में भी 14 दिनों तक हिरासत में रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि फरार होने के बाद वह रायपुर में अलग-अलग स्थानों पर छिप रहा है और कुछ स्थानीय लोग उसे मदद पहुंचा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। फिलहाल कोलकाता पुलिस की कार्रवाई के बाद यह मामला फिर चर्चा में आ गया है। करीब एक हजार करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी, कई कंपनियों से जुड़े आरोप और अलग-अलग राज्यों तक फैले मामले की जांच में अब पुलिस के सामने मुख्य चुनौती कारोबारी और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करना है।

देश में हर साल 1.22 लाख करोड़ रुपये का खाना बर्बाद, महंगाई की मार झेल रही आम जनता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में एक ओर आम आदमी महंगाई से परेशान है, वहीं दूसरी ओर हर साल करीब 1.22 लाख करोड़ रुपये का खाद्य पदार्थ लोगों की थाली तक पहुंचने से पहले ही बर्बाद हो जाता है। क्लाइमेट ट्रेंड्स की रिपोर्ट के अनुसार, इसकी प्रमुख वजह फल-सब्जियों के सुरक्षित भंडारण के लिए शीतगृहों की कमी और मौसम में तेजी से हो रहे बदलाव हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के कुल ताजे कृषि उत्पादन का केवल 4 प्रतिशत हिस्सा ही शीतगृहों में सुरक्षित रखा जा पाता है। इसके चलते 30 से 40 प्रतिशत फल-सब्जियां बाजार या उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले खराब हो जाती हैं। वहीं, उचित भंडारण और परिवहन व्यवस्था नहीं होने से 5 से 6 प्रतिशत अनाज भी बर्बाद हो जाता है। खाद्य पदार्थों की यह बर्बादी सीधे आम आदमी की जेब पर असर डाल रही है। अनुमान है कि खाद्य महंगाई सितंबर के 7.74 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर में 8.20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। वहीं, खुदरा महंगाई दर भी 5.54 से बढ़कर 5.93 प्रतिशत होने की आशंका है। कम बारिश से फसलों और सब्जियों की आवक प्रभावित हुई है। प्याज के दाम वर्ष 2026 की शुरुआत से करीब 108 प्रतिशत बढ़ चुके हैं। दूध, मांस और अंडे भी महंगे हुए हैं। ऐसे में खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकने के लिए भंडारण और परिवहन व्यवस्था मजबूत करना जरूरी है। अन्यथा महंगाई का बोझ अंततः आम परिवारों की रसोई पर ही पड़ेगा।



पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट पर केंद्र और कर्नाटक सरकार आमने-सामने, 31.2% मिलाने का दावा खारिज

उपभोक्ताओं के माइलेज और जेब पर असर को लेकर बढ़ा विवाद, केंद्र की जांच में 893 नमूने मानकों पर खरे, तेल कंपनियों ने जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा को लेकर केंद्र सरकार और कर्नाटक सरकार के बीच विवाद गहरा गया है। कर्नाटक सरकार की ओर से पेट्रोल में 31.2 प्रतिशत तक इथेनॉल मिलाए जाने के आरोपों को पेट्रोलियम मंत्रालय ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। मंत्रालय का दावा है कि 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से लिए गए ई-20 पेट्रोल के सभी 893 नमूनों की जांच में इथेनॉल की मात्रा निर्धारित 19 से 20 प्रतिशत के बीच पाई गई। कर्नाटक से लिए गए 56 नमूनों में भी औसत मात्रा 19.30 प्रतिशत रही। हालांकि, इस विवाद ने नया मोड़ तब ले लिया जब इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने जांच प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े कर दिए। कंपनियों का आरोप है कि नमूने लेते समय उनके प्रतिनिधि मौजूद नहीं थे। उन्हें दोबारा मिलान के लिए नमूने भी नहीं दिए गए और पूरी प्रयोगशाला रिपोर्ट साझा नहीं की गई। कंपनियों



ने सरकारी प्रयोगशालाओं में दोनों पक्षों की मौजूदगी में संयुक्त जांच कराने की मांग की है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ई-20 अब 420 बन गया है और जनता की गाड़ी से पेट्रोल की चोरी हो रही है। कर्नाटक सरकार का दावा है कि सात जिलों से लिए गए 14 नमूनों में से 11 में इथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत से अधिक मिली। सरकार ने इससे वाहन चालकों को सालाना 1.01 लाख करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान भी जताया है। केंद्र ने इस नुकसान के आंकड़े को भी खारिज किया है। मंत्रालय के अनुसार, ई-20 के अनुरूप बनी गाड़ियों में माइलेज की कमी केवल 1 से 2 प्रतिशत, जबकि अन्य गाड़ियों में 3 से 6 प्रतिशत तक हो सकती है। अब सवाल केवल पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा का नहीं, बल्कि जांच की पारदर्शिता और आम वाहन चालक की जेब पर पड़ने वाले वास्तविक असर का भी है। संयुक्त और निष्पक्ष जांच ही इस विवाद पर भरोसेमंद तस्वीर सामने ला सकती है। इस पूरे विवाद में सबसे अहम पक्ष आम वाहन चालक है, जिसकी जेब पर पड़ने वाले असर को लेकर सरकारों और तेल कंपनियों के बीच अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। एक ओर केंद्र जांच के आंकड़ों के आधार पर पेट्रोल की गुणवत्ता को सही बता रहा है, वहीं दूसरी ओर कर्नाटक सरकार और तेल कंपनियां जांच के नतीजों तथा प्रक्रिया पर सवाल उठा रही हैं। सरकार को आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर पारदर्शी जांच करानी चाहिए और उसकी पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए,

सीबीएसई की 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी, 16 फरवरी 2027 से शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी कर दी है। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं 16 फरवरी 2027 से शुरू होंगी। विद्यार्थी विषयवार परीक्षा की तारीखें बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। इस बार कक्षा 10वीं में 26.5 लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे, जबकि कक्षा 12वीं में 19.8 लाख से अधिक विद्यार्थियों के शामिल होने का अनुमान है। इस तरह दोनों कक्षाओं को मिलाकर 46 लाख से अधिक विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा देंगे। बोर्ड ने इस बार परीक्षा शुरू होने से 101 दिन पहले ही समय-सारिणी जारी कर दी है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई की बेहतर योजना बनाने और विषयों के अनुसार तैयारी के लिए पर्याप्त समय देना है। पहले से परीक्षा कार्यक्रम उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को कठिन विषयों पर अधिक ध्यान देने, दोहराव करने और समय का उचित प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। बोर्ड की ओर से समय-सारिणी जारी होने के बाद अब विद्यार्थियों और अभिभावकों की नजर परीक्षा की तैयारियों पर रहेगी। विद्यार्थियों को सलाह है कि वे विषयवार परीक्षा तिथियों के अनुसार अध्ययन योजना बनाएं और नियमित अभ्यास के साथ तैयारी करें।

15 वर्षीय किशोरी से खेत में दुष्कर्म का आरोप, गांव का 20 वर्षीय युवक फरार

शौच के लिए गई थी किशोरी, चीखने पर मौके से भागा आरोपी; मां की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, तलाश में जुटी टीमें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एटा। जिले के पिलुआ थाना क्षेत्र के एक गांव में 15 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। खेत में शौच के लिए गई किशोरी के साथ गांव के ही 20 वर्षीय युवक श्यामसुंदर पर जबरन दुष्कर्म करने का आरोप है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने किशोरी की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना 4 नवंबर को दोपहर करीब 3 बजे की है। किशोरी खेत की ओर गई थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव के युवक ने उसे



पकड़ लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी के चीखने-चिल्लाने पर आरोपी वहां से भाग निकला। घर पहुंचने के बाद किशोरी ने अपनी मां को आपबीती बताई। इसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया और परिजनों ने पुलिस से शिकायत की। किशोरी के भाई ने भी पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसकी बहन दोपहर करीब 3:30 बजे खेत में शौच के लिए गई थी, जहां गांव के युवक ने उसके साथ गलत हरकत की। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अपर पुलिस अधीक्षक श्वेताभ पांडे ने शनिवार रात करीब 8 बजे बताया कि किशोरी की मां की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोनिया गांधी ने बताई अपनी जिंदगी की अनकही कहानी, 2004 में प्रधानमंत्री न बनने के फैसले पर भी किया खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सोनिया गांधी की नई किताब 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को प्रकाशित होने जा रही है। इसमें उन्होंने अपने जीवन के कई महत्वपूर्ण पहलुओं और राजनीतिक फैसलों पर खुलकर बात की है। किताब पर 'द हिंदू' को दिए साक्षात्कार में उन्होंने वर्ष 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले का जिक्र करते हुए बताया कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी नहीं चाहते थे कि वे प्रधानमंत्री बनें। सोनिया ने कहा कि लंबे समय तक दूसरे लोग उनकी कहानी लिखते और बताते रहे, लेकिन अब उन्होंने अपनी बात स्वयं रखने का फैसला किया है।

अहमदाबाद पुलिस आयुक्त ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ मनाई दिवाली, बांटी खुशियां और मिठाइयां

परिवार सहित नाराणपुरा के जीवन संध्या वृद्धाश्रम पहुंचे अनुपम सिंह गहलोत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। रोशनी और खुशियों के पर्व दीपावली पर अहमदाबाद पुलिस ने सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय सरोकारों की मिसाल पेश की। शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने अपने परिवार के साथ नाराणपुरा स्थित जीवन संध्या वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां रहने वाले बुजुर्गों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस दौरान पुलिस आयुक्त और उनके परिवार ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के साथ समय बिताया, उनका हालचाल जाना और दीपावली तथा नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बुजुर्गों को मिठाइयां बांटकर उनका



मुंह मीठा कराया। पुलिस आयुक्त को अपने बीच पाकर वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। बुजुर्गों ने भी उन्हें और उनके परिवार को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि दीपावली की असली रोशनी केवल दीपक जलाने से नहीं, बल्कि किसी के जीवन में खुशियों का उजाला फैलाने से होती है। समाज के उन बुजुर्गों को अपनापन और स्नेह देना जरूरी है, जिन्हें हमारे समय और साथ की आवश्यकता है। अहमदाबाद पुलिस की यह पहल उसके 'आपके साथ, आपके लिए' के संकल्प को भी दर्शाती है। कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारियों के बीच पुलिस अधिकारियों की इस तरह की सामाजिक भागीदारी ने त्योहार की खुशियों को एक अलग अर्थ दिया। खासकर ऐसे समय में, जब अधिकांश लोग अपने परिवारों के साथ उत्सव मनाते हैं, तब वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के अकेलेपन को कम करने का यह प्रयास सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय रिश्तों का संदेश देता है।



बिलीमोरा में प्लास्टिक की थोक दुकान में भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी। जिले के बिलीमोरा शहर में आज भीषण आग लगने की घटना सामने आई। शहर के मुख्य बाजार क्षेत्र में स्थित प्लास्टिक की एक थोक दुकान में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान में काले धुएं के गुबार और आग की ऊंची लपटें देखकर आसपास के व्यापारियों और स्थानीय लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इस आग में दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, बिलीमोरा स्थित प्लास्टिक के थोक कारोबार की दुकान में शुरुआती तौर पर बिजली के तारों में खराबी या किसी अन्य अज्ञात कारण से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। दुकान में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक का ज्वलनशील सामान, पैकिंग सामग्री और अन्य वस्तुओं का भंडार मौजूद था। इसी वजह से आग ने कुछ ही देर में भीषण रूप ले लिया। दुकान से अचानक धुआं और लपटें निकलती देखकर आसपास के दुकानदारों और रहवासियों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना तत्काल बिलीमोरा अग्निशमन केंद्र को दी गई। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी वाहनों के साथ मौके पर पहुंचे। आग आसपास की दुकानों और रिहायशी मकानों तक नहीं फैले, इसके लिए दमकलकर्मियों ने चारों तरफ से पानी की बौछार कर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अग्निशमन दल ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस घटना में राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

पार्किंग विवाद में टेक महिंद्रा के एशिया प्रमुख पर ताबड़तोड़ गोलीबारी, 15 में से 9 गोलियां लगीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पार्किंग जैसे मामूली विवाद ने दो पड़ोसियों के बीच हिंसक रूप ले लिया। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टेक महिंद्रा के एशिया प्रमुख परमजीत धनखड़ पर उनके ही पड़ोसी ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी। हमले में 15 में से 9 गोलियां लगने से परमजीत गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार, पार्किंग को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और विवाद हुआ था। इसी दौरान पड़ोसी ने हथियार निकालकर परमजीत धनखड़ पर लगातार गोलियां चला दीं। कुल 15 राउंड फायरिंग की गई, जिनमें से 9 गोलियां उन्हें लगीं। अचानक हुई गोलीबारी से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। हमले में परमजीत घटनास्थल पर ही गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग और परिजन उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें बचाने के लिए लगातार उपचार किया जा रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस का दल घटनास्थल पर पहुंचा और पूरे इलाके को घेर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर विवाद की वजह पार्किंग बताई जा रही है, लेकिन पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि हमले के पीछे कोई पुरानी रंजिश या अन्य कारण तो नहीं था। आईटी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी पर हुए इस हमले से कारोबारी जगत और आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। मामूली विवाद में गोलीबारी की इस घटना ने कानून-व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खोरज की 100 करोड़ रुपए की जमीन के मामले में हाईकोर्ट ने एफआईआर की रद्द, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

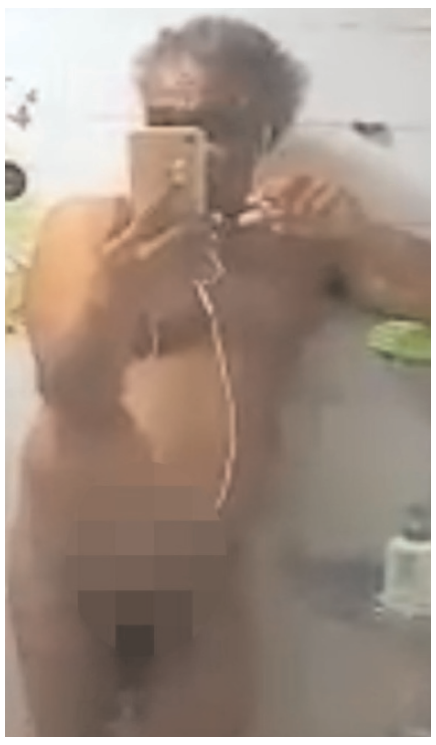
महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात के गांधीनगर जिले के खोरज गांव में गरीब ठाकोर परिवार की 100 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की जमीन से जुड़े मामले में नया मोड़ सामने आया है। गुजरात हाईकोर्ट ने इस मामले में दर्ज एफआईआर रद्द कर दी है। कांग्रेस ने इसे न्याय की जीत बताते हुए पुलिस तंत्र और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने राजीव गांधी भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में इस मामले को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। अमित चावड़ा ने कहा कि खोरज के गरीब ठाकोर परिवार की जमीन हड़पने के लिए बड़ा षड्यंत्र रचा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार की पीढ़ियों पुरानी जमीन को कम कीमत पर या जबरन हासिल करने के लिए उच्च पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर अदालज पुलिस थाने और स्थानीय अपराध शाखा के अधिकारियों ने मिलीभगत की। परिवार ने जमीन छोड़ने से इनकार किया तो उन्हें डराने और धमकाने का सिलसिला शुरू हो गया। हालात ऐसे बन गए कि परिवार को अपना घर छोड़कर कई महीनों तक अज्ञात स्थान पर रहना पड़ा। चावड़ा ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर, विधायक दिनेश ठाकोर और अमृतजी ठाकोर सहित कई नेता मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगने गए थे। लेकिन आरोप है कि 20 से 25 दिनों तक मुख्यमंत्री के पास गरीब परिवार की पीड़ा सुनने के लिए एक मिनट का समय भी नहीं मिला। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में इस तरह की घटना होने पर भी सवाल उठाए और पूछा कि जमीन विवाद में कथित रूप से शामिल अधिकारियों को किसका संरक्षण प्राप्त है।

जैन समाज में सागरचंद्र सागर विवाद से उबाल, वायरल चैट्स और कथित अनैतिक संबंधों के आरोपों ने खड़े किए गंभीर सवाल

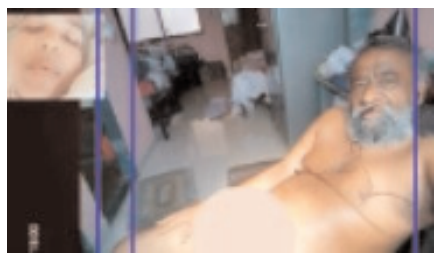
करोड़ों के दान का हिसाब और ट्रस्टियों की भूमिका भी जांच के घेरे में

धार्मिक समाज में बढ़ती नाराजगी, वायरल तस्वीरों, बातचीत और ऑडियो की फॉरेंसिक जांच की मांग;



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन





मंदसौर/पालिताणा। भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और सदाचार के सिद्धांतों पर आधारित जैन धर्म की प्रतिष्ठित परंपरा के सामने सागरचंद्र सागर से जुड़ा विवाद गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही कथित व्हाट्सएप चैट्स, ऑडियो रिकॉर्डिंग और तस्वीरों ने जैन समाज में व्यापक चर्चा और नाराजगी पैदा कर दी है। इन सामग्रियों के आधार पर कुछ महिलाओं और साध्वियों के साथ कथित अनुचित संबंधों तथा धार्मिक संस्थाओं के आर्थिक लेन-देन को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के मंदसौर से लेकर गुजरात के पालिताणा तक इस प्रकरण को लेकर निष्पक्ष जांच और सच्चाई सामने लाने की मांग जोर पकड़ रही है। इस विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू साधु जीवन की मर्यादा और धार्मिक संस्थाओं के प्रति श्रद्धालुओं का विश्वास है। हालांकि सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री की प्रामाणिकता अभी स्थापित नहीं हुई है। ऐसे में किसी भी आरोप को अंतिम सत्य मानने के बजाय उसकी स्वतंत्र और वैज्ञानिक जांच जरूरी है। सवाल यह भी है कि यदि वायरल सामग्री में छेड़छाड़ हुई है तो इसकी सच्चाई सामने आए और यदि आरोपों में तथ्य हैं तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई हो।

वायरल चैट्स और तस्वीरों की फॉरेंसिक जांच जरूरी

सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित बातचीत, तस्वीरों और ऑडियो रिकॉर्डिंग को लेकर जैन समाज के विभिन्न वर्गों में सवाल उठ रहे हैं। इनकी सत्यता जांचने के लिए डिजिटल फॉरेंसिक विशेषज्ञों से परीक्षण कराने की मांग की जा रही है। यह पता लगाना आवश्यक है कि सामग्री वास्तविक है या उसमें किसी प्रकार का संपादन, तकनीकी बदलाव अथवा कृत्रिम तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही मामले से जुड़ी महिलाओं और साध्वियों की पहचान, गोपनीयता और सम्मान की रक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

करोड़ों के दान और ट्रस्टों के हिसाब पर उठे सवाल

विवाद अब केवल व्यक्तिगत आरोपों तक सीमित नहीं रह गया है। धार्मिक संस्थाओं और तीर्थ क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले दान तथा उनके उपयोग को लेकर भी पारदर्शिता की मांग उठ रही है। ट्रस्टियों, प्रबंधकों और संबंधित पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल किए जा रहे हैं। मीडिया समन्वयक अभय चोपड़ा सहित संबंधित लोगों की भूमिका को लेकर भी निष्पक्ष पड़ताल की मांग सामने आई है। समाज के लोगों का कहना है कि धार्मिक कार्यों के लिए प्राप्त धन का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप हुआ है या नहीं, इसकी स्वतंत्र एजेंसी से जांच और वित्तीय ऑडिट होना चाहिए।

प्रवचनों के बहिष्कार की अपील, समाज में बढ़ती नाराजगी

मंदसौर में सागरचंद्र सागर के सार्वजनिक प्रवचन जारी रहने की खबरों के बीच कुछ धर्मप्रेमियों और समाज के जागरूक वर्गों ने ऐसे आयोजनों का बहिष्कार करने की अपील की है। उनका कहना है कि जब तक विवाद से जुड़े सवालों का संतोषजनक समाधान नहीं होता, तब तक धार्मिक मंचों की गरिमा और समाज की भावनाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।

समाज की प्रमुख मांगें

जैन समाज के विभिन्न वर्गों की ओर से पूरे मामले की समयबद्ध और निष्पक्ष जांच, वायरल डिजिटल सामग्री का फॉरेंसिक परीक्षण, संबंधित महिलाओं की सुरक्षा एवं गोपनीयता और धार्मिक ट्रस्टों के आर्थिक लेन-देन का स्वतंत्र ऑडिट कराने की मांग की जा रही है। साथ ही जांच में आरोप प्रमाणित होने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की मांग भी उठ रही है।

सबसे बड़ा सवालः आस्था का विश्वास कौन बहाल करेगा?

यह विवाद किसी एक व्यक्ति या संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि धार्मिक परंपराओं की विश्वसनीयता और श्रद्धालुओं के विश्वास से जुड़ा हुआ है। यदि आरोप निराधार हैं तो संबंधित पक्ष को तथ्यों और प्रमाणों के साथ स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं, यदि जांच में किसी प्रकार की अनैतिक गतिविधि या आर्थिक अनियमितता सामने आती है तो दोषियों को धार्मिक पद अथवा प्रतिष्ठा के आधार पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। जैन समाज आज जवाब चाहता है। आखिर वायरल सामग्री की सच्चाई क्या है? धार्मिक संस्थाओं के दान का हिसाब कितना पारदर्शी है? और इस पूरे विवाद में जिम्मेदार लोगों की भूमिका क्या रही है? इन सवालों का जवाब केवल निष्पक्ष जांच, प्रमाण और पारदर्शिता से ही मिल सकता है। आस्था की रक्षा के लिए अब आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि सच को सामने लाना सबसे बड़ी जरूरत है।

आडीनार चौराहे के पास बकरा चोरों की कार पलटी, अंदर मिले चोरी के बकरे और शराब की बोतलें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आडीनार। आडीनार चौराहे से मोहोलल की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर आज एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। तेज रफ्तार से जा रही एक संदिग्ध कार चालक के नियंत्रण से बाहर होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों और पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो अंदर का नजारा देखकर सभी हैरान रह गए। कार में चोरी किए गए बकरे और शराब की बोतलें मिलीं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संदिग्ध कार आडीनार चौराहे से मोहोलल की ओर तेज गति से जा रही थी। इसी दौरान मोहोलल मार्ग पर चालक ने वाहन से नियंत्रण



खो दिया और कार सड़क पर पलट गई। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के रहवासी और वहां से गुजर रहे वाहन चालक मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद कार में सवार संदिग्ध लोग वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने जब पलटी हुई कार के अंदर देखा तो पीछे के हिस्से में बंधे हुए बकरे मिले। आशंका जताई जा रही है कि ये बकरे चोरी करके ले जाए जा रहे थे। कार से शराब की बोतलें भी बरामद हुईं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार, उसमें मिले बकरों और शराब की बोतलों को जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अब बकरों के मालिक और उनके चोरी होने के स्थान का पता लगाने में जुटी है। साथ ही कार छोड़कर फरार हुए लोगों की पहचान की जा रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की जा रही है। आडीनार-मोहोलल मार्ग पर हुई इस घटना से पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

नवसारी के चिखली में खैर की लकड़ी की अवैध तस्करी पकड़ी, 2 टेम्पो सहित 2.35 लाख रुपये का माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नवसारी। जिले के चिखली क्षेत्र में वन विभाग ने अवैध गतिविधियों में लिप्त लकड़ी तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। खैर की कीमती लकड़ी की अवैध ढुलाई किए जाने की पुख्ता सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने छापेमारी कर दो टेम्पो में भरी लकड़ी का बड़ा जखीरा पकड़ा। विभाग ने करीब 2.35 लाख रुपये कीमत की खैर की लकड़ी और तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे दोनों वाहनों को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, चिखली वन विभाग की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग बिना अनुमति के खैर की कीमती



लकड़ी टेम्पो में भरकर दूसरे स्थान पर ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम ने निगरानी शुरू कर दी। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में गुजर रहे दो टेम्पो को रोककर उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दोनों वाहनों में अवैध रूप से भरी खैर की लकड़ी का बड़ा जखीरा मिला। जांच के दौरान वाहन चालकों या उनमें सवार लोगों के पास लकड़ी के परिवहन से संबंधित कोई वैध अनुमति-पत्र अथवा आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले। इसके बाद वन विभाग ने दोनों टेम्पो और लगभग 2.35 लाख रुपये बाजार मूल्य की लकड़ी जब्त कर ली। वन संपदा की चोरी और अवैध परिवहन के मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ वन संरक्षण कानून के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। उल्लेखनीय है कि खैर की लकड़ी काफी कीमती मानी जाती है। इसका उपयोग कत्था बनाने सहित विभिन्न औद्योगिक गतिविधियों में किया जाता है। इसी कारण इसकी अवैध कटाई और तस्करी की घटनाएं सामने आती रहती हैं।

अहमदाबाद के नरोड़ा स्मार्ट सिटी में पड़ोसी से विवाद के बाद युवक की निर्मम हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। नरोड़ा क्षेत्र स्थित स्मार्ट सिटी सोसायटी में हत्या की सनसनीखेज घटना सामने आई है। रिहायशी इलाके में हुई इस वारदात से स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पड़ोसियों या स्थानीय लोगों के बीच किसी सामान्य बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते उग्र हो गया और खूनी संघर्ष में बदल गया। घटना के विवरण के अनुसार, नरोड़ा स्मार्ट सिटी परिसर में व्यक्तिगत रंजिश या अचानक हुए विवाद के दौरान हमलावरों ने एक युवक पर धारदार हथियारों से लगातार वार कर दिए। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। उसकी हालत इतनी गंभीर थी कि अस्पताल पहुंचाने से पहले ही उसने घटनास्थल पर दम तोड़ दिया। वारदात के बाद सोसायटी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही नरोड़ा पुलिस थाने के निरीक्षक सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर घटनास्थल को सुरक्षित किया। अपराध शाखा और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की मदद से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

अहमदाबाद के शहरकोटडा में पीसीबी की छापेमारी, हाईप्रोफाइल जुआ अड्डे से 21 जुआरी पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पूर्वी क्षेत्र में शहरकोटडा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे एक जुआ अड्डे पर राज्य अपराध शाखा की निषेध अपराध शाखा (पीसीबी) की टीम ने छापेमारी कर 21 लोगों को पकड़ा है। अचानक हुई इस कार्रवाई से स्थानीय पुलिस महकमे में हलचल मच गई। पुलिस ने मौके से जुआ खेलने के उपकरण, दांव पर लगी नकदी और मोबाइल फोन सहित लाखों रुपये का सामान जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, पीसीबी की टीम को शहरकोटडा थाना क्षेत्र में एक स्थान पर बड़े पैमाने पर जुआ खेले जाने की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके आधार पर टीम ने अचानक छापा मारा। पुलिस के पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, टीम ने चारों ओर से घेराबंदी कर जुआ खेल रहे 21 लोगों को पकड़ लिया। जब्त सामान का विस्तृत विवरण सामने आना बाकी है।

करमसद-आणंद महानगरपालिका की कचरा डंपिंग साइट पर औचक जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। करमसद-आणंद महानगरपालिका क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था और कचरा निस्तारण की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। आणंद सेवासदन की सीमा में स्थित कचरा डंपिंग साइट पर अचानक जांच के लिए पहुंचने पर वहां की व्यवस्था को लेकर कई चौंकाने वाली बातें सामने आने का दावा किया गया है। डंपिंग साइट पर कचरे के निस्तारण और प्रसंस्करण की वास्तविक स्थिति जानने के उद्देश्य से यह स्थल निरीक्षण किया गया। डंपिंग साइट पर पहुंचने के बाद सबसे पहले मुख्य द्वार के पास स्थित वजन कांटे पर मौजूद कर्मचारियों से जानकारी मांगी गई। वहां मौजूद कर्मचारियों और अंदर बैठे एक युवक ने स्पष्ट रूप से कहा कि बिना पूर्व अनुमति किसी को भी अंदर प्रवेश नहीं दिया जा सकता। जब युवक से दोबारा अंदर जाने की अनुमति देने का आग्रह किया गया और उसके वरिष्ठ अधिकारी राव साहब से फोन पर बात कराई गई, तब भी बिना अनुमति प्रवेश नहीं देने की बात दोहराई गई। इसके बाद स्थायी समिति के अध्यक्ष से भी फोन पर संपर्क किया गया। उन्होंने भी औपचारिक प्रक्रिया के तहत अनुमति लेने की बात कही।

सूरत एसटी विभाग की दिवाली विशेष बस सेवा शुरू...

1500 से अधिक अतिरिक्त बसों का संचालन; स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया ने बस स्टेशन पहुंचकर यात्रियों से किया संवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। दिवाली के त्योहार पर रोजगार और शिक्षा के सिलसिले में सूरत में रहने वाले हजारों लोगों को अपने घर पहुंचाने के उद्देश्य से गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम के सूरत विभाग ने विशेष बस सेवा की व्यापक व्यवस्था की है। त्योहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सौराष्ट्र, उत्तर गुजरात और पंचमहल सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए 1500 से अधिक अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं। यह विशेष बस सेवा 4 नवंबर 2026 की शाम 5 बजे से शुरू हो चुकी है और 8 नवंबर 2026 तक लगातार जारी रहेगी। इसका उद्देश्य श्रमिकों, रत्न कलाकारों और नौकरीपेशा लोगों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है। यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया ने सूरत एसटी बस स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष बस सेवा की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया और अधिकारियों से यात्रियों की सुरक्षा, सुविधाओं तथा परिवहन व्यवस्था की जानकारी ली। मंत्री स्वयं बस में पहुंचे और यात्रा कर रहे यात्रियों से आत्मीयता के साथ बातचीत की। उन्होंने यात्रियों से सफर के अनुभव, बस स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं और बसों के समय पर संचालन को लेकर प्रतिक्रिया प्राप्त की। अपने घरों की ओर जा रहे श्रमिकों और परिवारों को उन्होंने दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की। इस अवसर पर मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया ने नागरिकों से विशेष बस सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा



कि त्योहार के समय किसी भी नागरिक को अपने परिवार तक पहुंचने में परेशानी न हो, इसके लिए राज्य सरकार और परिवहन निगम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। निगम के अधिकारी और कर्मचारी दिन-रात यात्रियों की सेवा में जुटे हुए हैं। मंत्री ने इस व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का आभार जताते हुए कहा कि सरकार और परिवहन निगम के संयुक्त प्रयासों से हजारों लोग अपने परिवार के साथ दिवाली मना सकेंगे। विशेष बसों के संचालन से सूरत में रहने वाले रत्न कलाकारों, श्रमिकों और नौकरीपेशा वर्ग में खुशी का माहौल है।

दिवाली पर ऑनलाइन खरीदारी के दौरान सक्रिय हुए साइबर ठग, एक छोटी सी चूक से खाली हो सकता है बैंक खाता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिवाली खुशियों, रोशनी और खरीदारी का त्योहार है। इस दौरान बाजारों में खरीदारी के साथ-साथ ऑनलाइन खरीदारी का चलन भी तेजी से बढ़ जाता है। ऑनलाइन खरीदारी मंचों पर मिलने वाली आकर्षक छूट, नकद वापसी और विशेष पेशकश का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। लेकिन त्योहारों के इस माहौल में साइबर ठग भी सक्रिय हो जाते हैं। वे लोगों की खरीदारी की जल्दबाजी और आकर्षक छूट पाने की इच्छा का फायदा उठाकर ठगी की वारदातों को अंजाम देते हैं। थोड़ी सी लापरवाही से लोगों की मेहनत की कमाई पलभर में उनके बैंक खाते से निकल सकती है। त्योहारों के मौसम में साइबर अपराधी ठगी के लिए कई तरीके अपनाते हैं। इनमें सबसे आम तरीका नामी ऑनलाइन खरीदारी वेबसाइटों जैसी दिखने वाली नकली वेबसाइट तैयार करना है। ये वेबसाइटें देखने में असली जैसी लगती हैं, लेकिन इनके इंटरनेट पते में एक-दो अक्षरों का अंतर होता है। जल्दबाजी में लोग इस अंतर को पहचान नहीं पाते और अपनी निजी तथा बैंकिंग जानकारी साझा कर देते हैं। इसी तरह व्हाट्सऐप और सामाजिक माध्यमों पर दिवाली की विशेष छूट, मुफ्त उपहार, महंगा मोबाइल फोन या सोने का सिक्का जीतने जैसे संदेश भेजे जाते हैं। इन संदेशों के साथ संदिग्ध लिंक भी दिए जाते हैं। कई बार इन पर क्लिक करने से मोबाइल में हानिकारक सॉफ्टवेयर पहुंच सकता है या निजी जानकारी चोरी होने का खतरा पैदा हो सकता है। साइबर ठग नकली ग्राहक सेवा प्रतिनिधि बनकर भी लोगों को निशाना बनाते हैं। वे फोन करके कहते हैं कि आपका सामान भेजने का आदेश रद्द हो गया है, पार्सल रोक दिया गया है या धनवापसी के लिए एक विशेष प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद वे लोगों से मोबाइल में स्क्रीन साझा करने वाले अनुप्रयोग डाउनलोड करवाते हैं। ऐसा करने पर मोबाइल की गतिविधियों और निजी जानकारी तक उनकी पहुंच हो सकती है। कई बार महंगे मोबाइल फोन, लैपटॉप और नामी कंपनियों के कपड़ों को बेहद कम कीमत पर देने का लालच दिया जाता है। ऐसी वेबसाइटों पर केवल पहले से भुगतान करने का विकल्प दिया जाता है। भुगतान करने के बाद न तो सामान मिलता है और न ही वेबसाइट या विक्रेता से संपर्क हो पाता है। ऑनलाइन ठगी में केवल पैसे का नुकसान ही नहीं होता, बल्कि बैंक खाते की जानकारी, क्रेडिट और डेबिट कार्ड नंबर, व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारी तथा अन्य गोपनीय विवरण भी अपराधियों के हाथ लग सकते हैं। इन जानकारियों का दुरुपयोग आगे आर्थिक धोखाधड़ी और दूसरे अपराधों में किया जा सकता है। साइबर ठगी से बचने के लिए सबसे पहले किसी भी वेबसाइट से खरीदारी करने से पहले उसके इंटरनेट पते की अच्छी तरह जांच करें। केवल वेबसाइट पर ताला या सुरक्षित कनेक्शन का संकेत देखकर उसे पूरी तरह भरोसेमंद न मानें, बल्कि उसका सही पता और आधिकारिक स्रोत भी जांचें।

चार महीने से लापता युवक का नहीं मिला सुराग, रापर के परिवार की दिवाली बदली मातम में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रापर। कच्छ जिले के रापर क्षेत्र से एक युवक पिछले चार महीनों से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता है। इतने लंबे समय बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिलने से परिवार की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। एक ओर जहां देशभर में लोग दिवाली का त्योहार खुशियों और उत्साह के साथ मना रहे हैं, वहीं इस परिवार के लिए त्योहार का समय भी चिंता, इंतजार और पीड़ा के बीच गुजर रहा है। घर-घर में दिवाली के दीपक जल रहे हैं, लेकिन लापता युवक के घर में बेटे की सलामती को लेकर चिंता छाई हुई है। माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य पिछले चार महीनों से उसकी तलाश में भटक रहे हैं।



परिवार को अब भी उम्मीद है कि उनका बेटा सुरक्षित लौटकर घर आएगा। जानकारी के अनुसार, रापर क्षेत्र का यह युवक अचानक लापता हो गया था। उसके गायब होने के बाद परिजनों ने पुलिस थाने में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई और उसकी तलाश शुरू करने की मांग की। हालांकि, चार महीने बीत जाने के बावजूद युवक के बारे में कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। इससे परिवार की बेचैनी और बढ़ गई है। परिजन बेटे की एक झलक पाने और उसकी कुशलक्षेम जानने के लिए पुलिस थाने से लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय तथा विभिन्न सरकारी विभागों और अधिकारियों के कार्यालयों तक चक्कर लगा रहे हैं। परिवार का कहना है कि लगातार प्रयास करने के बाद भी उन्हें अब तक कोई संतोषजनक जवाब या राहत देने वाली खबर नहीं मिली है। दिवाली जैसे त्योहार पर भी परिवार की निगाहें घर के दरवाजे पर टिकी हैं।

खाना बनाने को लेकर विवाद ने लिया खूनी रूप, पत्नी ने रिटायर्ड फौजी पति की सीने में चाकू घोंपकर की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के नरोडा इलाके में घरेलू विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। खाना बनाने और घरेलू खर्चों को लेकर पति-पत्नी के बीच हुई कहासुनी इतनी बढ़ गई कि गुस्से में पत्नी ने रसोई से सब्जी काटने वाला चाकू उठाकर रिटायर्ड फौजी पति के सीने में घोंप दिया। गंभीर चोट लगने से पति की मौत हो गई। मृतक की पहचान दिलीपभाई सोमाजी खराड़ी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी पत्नी निर्मला को गिरफ्तार कर हत्या का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, दिलीपभाई नरोडा स्मार्ट सिटी-2 में पत्नी निर्मला के साथ रहते थे। वे सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद जीएमडीसी में ठेके पर चालक के रूप में कार्यरत थे। उनके पिता सोमाजी राजकोट में सहायक पुलिस उपनिरीक्षक (एएसआई) के पद पर सेवाएं दे चुके हैं और वर्तमान में सेवानिवृत्त हैं। पुलिस जांच के अनुसार, दिलीपभाई और निर्मला के बीच पिछले करीब एक साल से आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था। गुरुवार, 5 नवंबर की रात भी दोनों के बीच खाना बनाने को लेकर कहासुनी शुरू हुई। खाने में क्या बनाया और यह व्यंजन क्यों बनाया, इसी बात पर विवाद बढ़ गया।



सुप्रीम कोर्ट से तहलका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को बड़ा झटका, 10 साल की सजा पर रोक लगाने की याचिका खारिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/दिल्ली। देश के चर्चित दुष्कर्म मामलों में शामिल तरुण तेजपाल प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। अदालत ने तहलका पत्रिका के पूर्व प्रधान संपादक तरुण तेजपाल की 10 साल की जेल की सजा पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी। जूनियर महिला सहकर्मी से दुष्कर्म के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा सुनाई गई सजा के खिलाफ तेजपाल ने सुप्रीम कोर्ट में राहत की मांग की थी। नवंबर 2013 में गोवा के एक पांच सितारा होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तरुण तेजपाल पर अपनी ही कंपनी में कार्यरत एक जूनियर महिला सहकर्मी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा था। इस मामले ने देशभर में काफी चर्चा बटोरी थी। वर्ष 2021 में निचली अदालत ने तरुण तेजपाल को आरोपों से बरी कर दिया था। हालांकि, बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को रद्द करते हुए उन्हें 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ तरुण तेजपाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और सजा पर रोक लगाने की मांग की। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मामले से जुड़े दस्तावेजों और साक्ष्यों पर विचार किया। पीड़िता को भेजे गए माफी वाले ईमेल, संदेशों और अन्य भौतिक साक्ष्यों को भी ध्यान में रखा गया। अदालत ने मामले की गंभीरता और उपलब्ध साक्ष्यों को देखते हुए इस स्तर पर सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से तरुण तेजपाल को फिलहाल सजा से राहत नहीं मिली है। उनकी याचिका खारिज होने के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा सुनाई गई 10 साल की सजा पर रोक लगाने की मांग स्वीकार नहीं की गई। देश के चर्चित दुष्कर्म मामलों में शामिल तरुण तेजपाल प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। अदालत ने तहलका पत्रिका के पूर्व प्रधान संपादक तरुण तेजपाल की 10 साल की जेल की सजा पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी।

धनतेरस पर यात्रियों से जबरन वसूली करने वाले 3 किन्नर गिरफ्तार, गीतामंदिर बस स्टेशन पर बसों में घुसकर कर रहे थे वसूली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के प्रमुख गीतामंदिर एसटी बस स्टेशन पर यात्रियों से जबरन वसूली और दबंगई का मामला सामने आया है। धनतेरस के अवसर पर यात्रियों से शगुन के नाम पर रुपये मांगने और विरोध करने पर उन्हें धमकाने के आरोप में पुलिस ने तीन किन्नरों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि तीनों बसों को रुकवाकर खिड़कियों के रास्ते अंदर घुस जाते थे और यात्रियों से जबरन रुपये वसूलते थे। पुलिस की कार्रवाई के बाद अब तीनों को दीपावली जेल में बितानी पड़ सकती है। जानकारी के अनुसार, दीपावली के त्योहार के चलते गीतामंदिर बस स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ थी। बड़ी संख्या में लोग अपने घर जाने के लिए बसों का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान किन्नरों का एक समूह वहां पहुंचा और धनतेरस तथा त्योहार के शगुन के नाम पर यात्रियों से जबरन रुपये मांगने लगा। आरोप है कि जब कुछ यात्रियों ने इसका विरोध किया तो तीनों ने दबंगई दिखाते हुए बसों की खिड़कियों से अंदर प्रवेश किया और यात्रियों के साथ बहस तथा धमकी देकर उनके बटुए और जेब से रुपये निकालने की कोशिश की। बसों के अंदर इस तरह की जबरन वसूली से यात्रियों में भय का माहौल बन गया। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। बस स्टेशन पर मौजूद अन्य लोगों और यात्रियों ने भी इस व्यवहार का विरोध किया, लेकिन आरोप है कि तीनों अपनी हरकतों से बाज नहीं आए। मामले की गंभीरता को देखते हुए गीतामंदिर क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बस के अंदर यात्रियों से कथित तौर पर जबरन वसूली कर रहे तीनों किन्नरों को घेरकर पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर पुलिस थाने पहुंचाया गया। पुलिस ने उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई



शुरू कर दी है। त्योहारों के दौरान यात्रियों को परेशान कर जबरन रुपये वसूलने की इस घटना पर पुलिस की कार्रवाई से बस स्टेशन पर लोगों को राहत मिली है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी को भी कानून हाथ में लेने और आम नागरिकों को डराकर वसूली करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मणिनगर में दुकान बेचकर 1.10 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी क्षेत्र मणिनगर में अचल संपत्ति के कारोबार से जुड़ी 1.10 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। मणिनगर स्थित तक्षशिला क्रेस्ट नामक आवासीय इमारत के भूतल पर बनी एक दुकान को लेकर बिल्डर भाइयों पर व्यापारी के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। शिकायत के अनुसार, दुकान पर निजी वित्त कंपनी का कर्ज होने के बावजूद बिल्डरों ने यह बात छिपाकर व्यापारी को दुकान बेच दी। आरोप है कि सौदे को पूरा करने के लिए निजी वित्त कंपनी का फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र भी तैयार किया गया। मामले में मणिनगर पुलिस ने बिल्डर भाइयों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित व्यापारी ने तक्षशिला क्रेस्ट इमारत के भूतल पर स्थित दुकान खरीदने के लिए बिल्डर भाइयों से सौदा किया था। आरोप है कि बिल्डरों ने व्यापारी को भरोसा दिलाया कि दुकान पूरी तरह कर्जमुक्त है और उस पर किसी प्रकार का कानूनी या आर्थिक विवाद नहीं है। इसके बाद व्यापारी से अलग-अलग चरणों में कुल 1.10 करोड़ रुपये ले लिए गए। व्यापारी को किसी तरह का संदेह न हो, इसके लिए कथित तौर पर निजी वित्त कंपनी का फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र तैयार किया गया। इसी प्रमाण पत्र के आधार पर दुकान का पंजीकृत विक्रय दस्तावेज भी बनवा दिया गया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब बिल्डर पूरी आवासीय इमारत और संपत्ति पर ली गई परियोजना ऋण की किस्तें चुकाने में असफल रहे। इसके बाद निजी वित्त कंपनी ने कानूनी कार्रवाई करते हुए भूतल पर स्थित संबंधित दुकान को सील कर दिया। अपनी रकम देकर खरीदी गई दुकान पर अचानक ताला और सील देखकर व्यापारी हैरान रह गया। इसके बाद उसने निजी वित्त कंपनी और पंजीयक कार्यालय में दस्तावेजों की जानकारी जुटाई। जांच में कथित तौर पर सामने आया कि बिल्डर की ओर से दिया गया अनापत्ति प्रमाण पत्र फर्जी था और दुकान पर पहले से ही वित्तीय बोझ मौजूद था। खुद के साथ 1.10



करोड़ रुपये की धोखाधड़ी होने की जानकारी मिलने पर व्यापारी ने मणिनगर पुलिस थाने में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बिल्डर भाइयों के खिलाफ कथित रूप से फर्जी दस्तावेज तैयार करने, विश्वासघात और धोखाधड़ी सहित अन्य आरोपों में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कथित फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेजों को जांच के लिए अपने कब्जे में लिया है। दस्तावेजों की वास्तविकता की पड़ताल के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला और बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञों की सहायता लेने की बात भी सामने आई है।

सीकर में 82 वर्षीय प्रॉपर्टी कारोबारी हनीट्रैप का शिकार, 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने के आरोप में युवती सहित 4 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सीकर। राजस्थान के सीकर शहर में 82 वर्षीय प्रॉपर्टी कारोबारी को कथित तौर पर हनीट्रैप में फंसाकर 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवती ने बुजुर्ग को अपने जाल में फंसाया और बाद में तस्वीरों तथा वीडियो के आधार पर उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी युवती सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, सीकर शहर में संपत्ति की खरीद-बिक्री का काम करने वाले 82 वर्षीय बुजुर्ग को गिरोह ने योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया। आरोप है कि गिरोह में शामिल युवती ने बातचीत के जरिए बुजुर्ग से संपर्क बढ़ाया और उन्हें अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद कथित तौर पर उन्हें एकांत स्थान पर बुलाकर तस्वीरें और वीडियो बनाए गए। इन्हीं तस्वीरों और वीडियो के आधार पर आरोपियों ने उन्हें बदनाम करने तथा झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर मानसिक दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोपियों ने बदनामी का डर दिखाकर बुजुर्ग से 10 लाख रुपये की मांग की। अचानक इस तरह की परेशानी सामने आने से बुजुर्ग तनाव में आ गए। आखिरकार उन्होंने पुलिस थाने पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीकर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी निगरानी, दूरभाष विवरण और मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया। जांच के बाद पुलिस ने कथित हनीट्रैप गिरोह का खुलासा करते हुए एक युवती सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में यह भी जानकारी सामने आने की बात कही जा रही है कि गिरोह पहले भी बुजुर्गों और आर्थिक रूप से संपन्न लोगों को निशाना बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करता था। हालांकि, इस संबंध में अन्य पीड़ितों और पुराने मामलों की पुष्टि के लिए पुलिस जांच कर रही है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा क्या अन्य लोगों को भी इसी तरह निशाना बनाया गया है। इस मामले के सामने आने के बाद सीकर क्षेत्र में हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने मामले की आगे की जांच जारी रखी है।

करमसद-आणंद महानगरपालिका की डंपिंग साइट पर गड़बड़ी के आरोप, आम लोगों और मीडिया के प्रवेश पर रोक से उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। करमसद-आणंद महानगरपालिका क्षेत्र की डंपिंग साइट पर कथित अनियमितताओं को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। आणंद सेवासदन की सीमा में स्थित इस डंपिंग साइट पर आम नागरिकों और मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर रोक होने की बात कही जा रही है। वहीं, आरोप है कि कबाड़ से भरे टेंपो और अन्य वाहनों को बिना किसी रोकटोक के अंदर जाने दिया जा रहा है। इस स्थिति ने डंपिंग साइट के संचालन और वहां की व्यवस्था को लेकर संदेह पैदा कर दिया है। जानकारी के अनुसार, जब डंपिंग साइट पर जाकर वहां की वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास किया गया तो मुख्य द्वार पर तैनात कर्मचारियों ने अनुमति का हवाला देते हुए अंदर जाने से रोक दिया। कर्मचारियों की ओर से सुरक्षा और नियमों का हवाला दिया गया। हालांकि, इस दौरान यह सवाल उठाया गया कि यदि आम नागरिकों और मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर प्रतिबंध है तो कबाड़ से भरे टेंपो और अन्य वाहनों को अंदर जाने की अनुमति किस आधार पर दी जा रही है? क्या इन वाहनों के प्रवेश के लिए कोई विशेष व्यवस्था है और इसकी निगरानी कौन करता है? डंपिंग साइट पर लगे कचरा प्रसंस्करण संयंत्रों को लेकर भी सवाल खड़े किए गए हैं। आरोप है कि वहां स्थापित मशीनें बंद पड़ी हैं और उनका नियमित संचालन नहीं हो रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि प्रसंस्करण मशीनें बंद हैं तो प्रतिदिन आने वाले कचरे का निपटारा किस तरह किया जा रहा है। कचरे के निपटारे से जुड़े सरकारी रिकॉर्ड, मशीनों के संचालन और खर्च किए जा रहे सरकारी धन की भी जांच किए जाने की मांग उठ रही है। इस पूरे मामले में यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि डंपिंग साइट पर प्रवेश को लेकर बनाए गए नियम सभी पर समान रूप से लागू किए जा रहे हैं या नहीं। यदि आम लोगों और मीडिया के लिए प्रवेश प्रतिबंधित है तो वहां आने-जाने वाले वाहनों की जांच और उनके प्रवेश का रिकॉर्ड सार्वजनिक होना चाहिए। हालांकि, भ्रष्टाचार, मिलीभगत या आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों की स्वतंत्र जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सुरेंद्रनगर में करोड़ों की लागत से बन रहा आइकॉनिक रोड बना परेशानी का कारण, एक साल से अधिक समय बाद भी काम अधूरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। शहर में विकास कार्यों की गति और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के पहले महत्वाकांक्षी 60 फीट आइकॉनिक रोड का निर्माण कार्य एक साल से अधिक समय बीतने के बाद भी अधूरा पड़ा है। करोड़ों रुपये की लागत से बनाए जा रहे इस महत्वपूर्ण मार्ग का काम धीमी गति से चलने के कारण स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण कार्य पूरा नहीं होने से लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार, सुरेंद्रनगर शहर के व्यस्त और प्रमुख 60 फीट क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से युक्त आइकॉनिक रोड बनाने की घोषणा के बाद बड़े स्तर पर निर्माण कार्य शुरू किया गया था। हालांकि, एक साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सड़क का काम पूरा नहीं हो पाया है।

दिवाली से पहले नडियाद में पुलिस का पैदल गश्त अभियान, बाजारों में घूमकर असामाजिक तत्वों को दी चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। दीपावली के त्योहार के दौरान शहर और आसपास के क्षेत्रों में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए खेडा जिला पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था तेज कर दी है। जिला पुलिस अधीक्षक विजय पटेल के निर्देश और मार्गदर्शन में नडियाद टाउन पुलिस की ओर से शहरभर में सघन पैदल गश्त अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य नागरिकों को बिना किसी भय के त्योहार मनाने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखना है। दीपावली के अवसर पर नडियाद के मुख्य बाजारों, व्यापारिक परिसरों, सोने-चांदी और कपड़ों की दुकानों सहित भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में चोरी, जेबकतरी, पर्स छीनने और महिलाओं से छेड़छाड़ जैसी घटनाओं की आशंका को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। नडियाद टाउन पुलिस थाने के निरीक्षक, उपनिरीक्षक और अन्य पुलिसकर्मी प्रमुख मार्गों तथा बाजारों में पैदल गश्त करते नजर आए। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने बाजारों में घूमकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान व्यापारियों और राहगीरों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। पुलिस की ओर से असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों और सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग करने वालों पर कड़ी नजर रखने का संदेश भी दिया गया। खेडा जिला पुलिस अधीक्षक विजय पटेल के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान के माध्यम से पुलिस ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने और आम नागरिकों को परेशान करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की सक्रिय गश्त से बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नागरिकों में भरोसा बढ़ा है।



गुजरात में नकली घी-पनीर और चीज बेचने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया ने खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, बोले- खाद्य गुणवत्ता और स्वच्छता में गुजरात बनेगा देश का आदर्श राज्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। दीपावली के त्योहार को देखते हुए गुजरात सरकार ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के कारोबार पर शिकंजा कसने की तैयारी तेज कर दी है। नकली घी, एनालॉग पनीर, चीज, बटर और अन्य मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पानशेरिया ने शनिवार को सूरत से राज्यभर के खाद्य एवं औषधि विभाग तथा सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय वर्चुअल समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति या कारोबारी को बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में मंत्री ने खाद्य एवं औषधि विभाग की सालभर की कार्रवाई और उपलब्धियों की सराहना करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नागरिकों को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। नकली घी के साथ एनालॉग पनीर, चीज, बटर, टमाटर सॉस, आम के रस और पाम ऑयल का इस्तेमाल कर नकली खाद्य सामग्री तैयार करने वाली कंपनियों और इकाइयों के खिलाफ विभाग पहले से ही कानूनी कार्रवाई कर रहा है।

मंत्री ने विशेष रूप से उन उत्पादों पर चिंता जताई, जिन्हें प्लास्टिक के रैपर पर केवल 'घी' लिखकर बाजार में बेचा जाता है, जबकि उनमें पाम ऑयल जैसे पदार्थों का इस्तेमाल होता है। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे उत्पादकों के खिलाफ कानूनी मामले दर्ज करने और सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिलावट के इस कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए विभाग को पूरी सतर्कता के साथ काम करना होगा। बैठक में होटल, रेस्टोरेंट और फूड स्ट्रीट पर स्वच्छता के निर्धारित मानकों तथा मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का कड़ाई से पालन कराने पर जोर दिया गया। माल की सील खोलकर अवैध रूप से हेराफेरी करने वालों के खिलाफ पुलिस के सहयोग से प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए। स्वास्थ्य मंत्री ने विश्वास जताया कि स्वच्छता और खाद्य गुणवत्ता के मामले में गुजरात आने वाले समय में पूरे देश के लिए आदर्श बनेगा। सरकार के अभियान से बाजार में शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में खाद्य एवं औषधि विभाग की नमूना जांच और दंडात्मक कार्रवाई की समीक्षा के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने तथा आपातकालीन सेवाओं को अधिक व्यवस्थित करने पर भी चर्चा हुई। इसमें स्वास्थ्य विभाग के क्षेत्रीय उपनिदेशक, मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी और खाद्य एवं औषधि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।



रिजर्व पुलिस लाइन्स सिरोही में हुआ संपर्क एवं समस्या समाधान कार्यक्रम, पेंशन, यात्रा भत्ता और आरजीएचएस से जुड़े मुद्दों पर की गई बात

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याओं के समाधान पर हुई चर्चा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। रिजर्व पुलिस लाइन्स सिरोही में शनिवार को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए समस्या समाधान एवं संपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक अजय सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के सेवा लाभों और कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र कुमार ने भी अपने विचार रखे। पुलिस अधिकारी एवं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारी कल्याण संस्थान के जिलाध्यक्ष गोप सिंह देवड़ा सहित संस्थान के सदस्य मौजूद रहे। गोप सिंह देवड़ा सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक और राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित अधिकारी हैं। कार्यक्रम के दौरान दीपावली स्नेह मिलन और पौधारोपण का आयोजन भी किया गया। इसके बाद गोप सिंह देवड़ा और संस्थान के सदस्यों ने पेंशन प्रकरणों, यात्रा भत्ता, आरजीएचएस और सेवा से जुड़े अन्य लाभों पर चर्चा की। इस दौरान सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को सामने रखा गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों से संपर्क बनाए रखना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करना रहा।

आलासन सरपंच चुनाव की मतगणना पर विवाद, आठवें दिन भी जारी रही भूख हड़ताल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। उम्मेदाबाद पंचायत समिति की आलासन ग्राम पंचायत में सरपंच चुनाव की मतगणना को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। दोबारा मतगणना और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर प्रत्याशी प्रकाश कंवर के पति करण सिंह की भूख हड़ताल शनिवार को आठवें दिन भी जारी रही।



ग्रामीणों ने धरना स्थल पर सद्बुद्धि यज्ञ कर चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध जताया और इसे आलासन के लोगों की काली दीपावली बताया। शनिवार सुबह करीब 11 बजे धरना स्थल पर एक घंटे तक सद्बुद्धि यज्ञ किया गया। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। यज्ञ के बाद धरना स्थल के चारों ओर काली पट्टियां बांधकर विरोध दर्ज कराया गया। ग्रामीणों ने मतगणना की निष्पक्ष जांच और दोबारा गिनती कराने की मांग दोहराई। करण सिंह का आरोप है कि चुनाव में उनकी पत्नी प्रकाश कंवर को रात करीब दो बजे दो मतों से विजयी घोषित किया गया था। इसके बाद रकमा देवी पक्ष की मांग पर दोबारा मतगणना हुई, जिसमें रकमा देवी को एक मत से विजयी घोषित कर दिया गया। उनका दावा है कि कुल 3127 मत पड़े थे, जबकि दूसरी मतगणना में 3125 मतपत्र ही मिले। उन्होंने भाजपा नेता पुखराज वीराना पर भी मतगणना में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। वहीं, रकमा देवी के पति जोगराज राज पुरोहित ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि पूरी मतगणना अधिकारियों की मौजूदगी में हुई थी। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी और प्रकाश कंवर पक्ष की ओर से मतगणना करवाई गई, जिसमें कोई गड़बड़ी नहीं हुई।

भीनमाल में सन टू ह्यूमन का दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल। शहर में शनिवार को सन टू ह्यूमन की ओर से दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में परम आकाश कन्हैयालाल खंडेलवाल ने कहा कि दीपावली पर घरों, दुकानों और कार्यालयों की सफाई के साथ मन के विकारों को दूर करना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार के कारण मन में मानसिक कचरा जमा होता है। इन विकारों को दूर कर शरीर को कूड़ेदान नहीं, बल्कि भगवान का मंदिर बनाना चाहिए। दीपावली पर दीप जलाने और बाहरी सजावट के साथ आत्मशुद्धि का संकल्प भी लेना चाहिए। समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकरलाल मसूरिया, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष जयरूप माली, पार्षद महेंद्र जीनगर, दिनेश परमार, राव विक्रम सिंह, कोलचंद सोनी, जोगाराम चौधरी, मीठालाल जांगिड़, ओमप्रकाश अग्रवाल, अशोक मेहता, पारस घांची, नारायण जांगिड़ और दिनेश बोहरा सहित कई नागरिक एवं महिला-पुरुष उपस्थित रहे।



आबूरोड के सांतपुर में सूखी झाड़ियों में लगी आग, ग्रामीणों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। सांतपुर गांव के आईटीआई मार्ग स्थित रेबारी वास में शनिवार को सूखी झाड़ियों में अचानक आग लग गई। तेज हवा के कारण आग तेजी से बस्ती की ओर फैलने लगी। आग और धुएं का गुबार देखकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों ने बाल्टियों और उपलब्ध संसाधनों से पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग को बस्ती तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। रेबारी वास में कई पशु बाड़ों में बंधे हुए थे। आग बस्ती तक पहुंचने पर पशुओं और आसपास के घरों को नुकसान होने की आशंका थी। ग्रामीणों की तत्परता और सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

गहलोत का सीएम भजनलाल पर पलटवार, बोले- मुझसे नहीं तो प्रदेश की जनता से मांगें माफी, व्यक्तिगत टिप्पणी से पहुंची पीड़ा

जोधपुर में मुख्यमंत्री के बयान पर पूर्व सीएम ने जताई नाराजगी, भाजपा की रैली में 400-500 लोगों की भीड़ जुटने पर कसा तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। राजस्थान की सियासत में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री की ओर से जोधपुर में की गई टिप्पणी पर गहलोत ने तीखा पलटवार करते हुए कहा कि उनके खिलाफ जिस तरह की व्यक्तिगत भाषा का इस्तेमाल किया गया, उससे उन्हें गहरी पीड़ा हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से माफी की मांग करते हुए कहा कि यदि वे उनसे माफी नहीं मांगना चाहते तो कम से कम प्रदेश की जनता से माफी मांगें। गहलोत ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने राजनीतिक मर्यादाओं को पीछे छोड़ते हुए व्यक्तिगत टिप्पणी की है। शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में गहलोत ने मुख्यमंत्री के बयान को विस्फोटक बताते हुए कहा कि संभव है किसी ने उन्हें पर्ची दे दी हो या वे भावावेश में बोल गए हों। उन्होंने कहा कि पहले भी मुख्यमंत्री से आरोपों को तथ्यों के आधार पर साबित करने या माफी मांगने की बात कही थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति से इस तरह की टिप्पणी की उम्मीद नहीं थी।

भाजपा की रैली में भीड़ कम होने पर भी साधा निशाना

गहलोत ने भाजपा की हालिया जोधपुर रैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि रैली में मुश्किल से 400-500 लोग ही जुटे होंगे। उनके अनुसार, भाजपा नेतृत्व की नाराजगी अपनी रैली में कम भीड़ जुटने को लेकर थी, लेकिन उसका गुस्सा मुख्यमंत्री ने उन पर निकाल दिया। उन्होंने भाजपा की यात्राओं पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि इनके आयोजन से व्यापारियों और आम लोगों को परेशानी होती है।

परिवार को राजनीति से दूर रखने की दी सलाह

गहलोत ने शिखर अग्रवाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने पहले भी मुख्यमंत्री को सलाह दी थी कि परिवार को राजनीति से दूर रखें और सभी वर्गों को साथ लेकर चलें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद बड़ी जिम्मेदारी वाला होता है और इस पद पर बैठे व्यक्ति को सभी का विश्वास बनाए रखना चाहिए।



पुराने आरोपों का भी किया जिक्र

अपने लंबे राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए गहलोत ने कहा कि वे 1980 में सांसद बने थे और इंदिरा गांधी तथा राजीव गांधी की सरकारों में मंत्री रहे। उस समय भी होटल, ग्रेनाइट फैक्ट्री और मुंबई में फ्लैट को लेकर उन पर आरोप लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि तीन बार मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रहने के दौरान भी उन्हें ऐसे आरोपों का सामना करना पड़ा, लेकिन वे इनसे घबराने वाले नहीं हैं।



फेयरमाउंट होटल को लेकर किया कटाक्ष

जयपुर के फेयरमाउंट होटल को लेकर भी गहलोत ने व्यंग्य किया। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें इस होटल का मालिक तक बता देते हैं, जबकि उसमें उनका एक नया पैसा भी नहीं लगा है। उनके परिचितों की होटलें जरूर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री और राज्यपाल किसी भी राजनीतिक दल से हों, उनका व्यक्तिगत सम्मान किया जाना चाहिए। सरकार की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन राजनीतिक विरोध और व्यक्तिगत टिप्पणी के बीच मर्यादा बनी रहनी चाहिए।

पाली में दीपावली की रौनक चरम पर, बाजारों में उमड़ा खरीदारों का सैलाब; 4 हजार रुपए किलो की मिठाई भी बनी आकर्षण

काजू कतली से लेकर हनी ड्राईफ्रूट बर्फी तक की बढ़ी मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। दीपावली के दीपोत्सव से पहले पाली शहर का बाजार शनिवार को रोशनी, रौनक और खरीदारी के उत्साह से सराबोर नजर आया। सुबह से ही मिठाई और नमकीन की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ने लगी। कहीं परिवारों के साथ लोग दीपावली की मिठाइयां खरीदते दिखे तो कहीं शहर के प्रसिद्ध हलुए के लिए ग्राहकों को इंतजार करना पड़ा। त्योहार की बढ़ती मांग का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बाजार में 4 हजार रुपए किलो तक की मिठाइयां उपलब्ध हैं। वहीं, पूजन सामग्री, दीपक और सजावटी सामान की दुकानों पर भी खूब खरीदारी हो रही है।



महंगी मिठाइयों से लेकर शुगर फ्री विकल्पों तक बढ़ी मांग

मिठाई विक्रेता राजूभाई मेड़तिया के अनुसार दीपावली पर काजू कतली और सूखे मेवों से तैयार मिठाइयों की मांग सबसे अधिक रहती है। बाजार में पिस्ता लोज जैसी विशेष मिठाई 4 हजार रुपए प्रति किलो तक बिक रही है। वहीं, मिठाई विक्रेता कमल सिंह राजपुरोहित ने बताया कि बदलती पसंद के साथ शुगर फ्री मिठाइयों की मांग भी बढ़ी है। हनी ड्राईफ्रूट बर्फी, हनी गुलकंद, मेवा मैजिक और गुलकंद अफसाना जैसी मिठाइयां ग्राहकों को खूब पसंद आ रही हैं। इस बार बाजार में नमकीन की करीब 100 तरह की वैरायटी उपलब्ध है। मिठाइयों की खपत सामान्य दिनों के मुकाबले लगभग दोगुनी हो जाती है। इसी वजह से कई बड़े मिठाई विक्रेता दीपावली से तीन दिन पहले ही समोसे और मिर्ची बड़े जैसे नमकीन आइटम बनाना बंद कर देते हैं, ताकि मिठाइयों की मांग पूरी करने पर ध्यान दिया जा सके।

10 से 100 रुपए तक में पूजन सामग्री

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन की तैयारियां भी बाजार में साफ दिखाई दे रही हैं। शहर की सड़कों के किनारे अस्थायी दुकानें सज गई हैं, जहां 10 से 100 रुपए तक में पूजन सामग्री उपलब्ध है। लोग लक्ष्मी पूजन के लिए आवश्यक सामग्री के साथ फल और अन्य पूजन सामग्री की खरीदारी भी कर रहे हैं।

मिट्टी के दीपकों से रोशन होंगे घर-आंगन

इस बार इलेक्ट्रिक दीपकों और आकर्षक सजावटी रोशनी के साथ मिट्टी के पारंपरिक दीपकों की भी मांग बनी हुई है। बाजार में मिट्टी से बने अलग-अलग आकार और डिजाइन के दीपक ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। लोग आधुनिक सजावट के साथ पारंपरिक दीपावली का रंग भी बनाए रखना चाहते हैं। मिट्टी के दीपकों की खरीदारी बढ़ने से इन्हें बनाने और बेचने वाले कारीगरों के चेहरों पर भी त्योहार की खुशी दिखाई दे रही है।

दीपावली पर गांव पहुंचा 20 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, 20 महीने से चल रहा था फरार

डीएसटी टीम ने खोखरिया की सरहद में दबिश देकर मांगीलाल विश्नोई को पकड़ा, हनुमानगढ़ जंक्शन के एनडीपीएस मामले में पुलिस को थी तलाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जोधपुर ग्रामीण पुलिस की जिला विशेष टीम (डीएसटी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के मामले में 20 महीने से फरार चल रहे 20 हजार रुपए के इनामी आरोपी मांगीलाल विश्नोई को गिरफ्तार किया है। आरोपी दीपावली के त्योहारी सीजन में अपने पैतृक गांव आया हुआ था। इसकी पुख्ता सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। डीएसटी प्रभारी शंकर कड़वा ने बताया कि 6 नवंबर 2026 को टीम के हेड कांस्टेबल मदनलाल मीणा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना हनुमानगढ़ जंक्शन के एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में वांछित 20 हजार रुपए का इनामी आरोपी मांगीलाल विश्नोई अपने पैतृक गांव आया हुआ है। सूचना के आधार पर सउनि श्रवणकुमार भंवरिया के नेतृत्व में डीएसटी टीम ने खोखरिया की सरहद में दबिश दी। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर मांगीलाल पुत्र गुमानाराम विश्नोई निवासी खोखरिया, हाल निवासी थाना कापरड़ा, जिला जोधपुर को दस्तयाब कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अग्रिम अनुसंधान के लिए थाना हनुमानगढ़ जंक्शन पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले 20 महीने से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक पंकज यादव के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वर कड़ेला के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई।



एलआईसी को मृतक बीमाधारक के परिवार को देने होंगे 8.48 लाख रुपए, उपभोक्ता आयोग ने सुनाया फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को मृतक बीमाधारक के परिवार को शेष बीमा राशि 8 लाख 48 हजार 589 रुपए ब्याज सहित अदा करने के आदेश दिए हैं। आयोग के पीठासीन अधिकारी घनश्याम यादव ने मामले की सुनवाई के बाद यह निर्णय सुनाया।जानकारी के अनुसार, सांचौर निवासी स्वर्गीय पुरुषोत्तम खत्री की पत्नी गोमतीदेवी और बेटों अनिल कुमार व विशाल कुमार ने एलआईसी के खिलाफ उपभोक्ता आयोग में परिवाद पेश किया था। परिवाद में बताया गया कि पुरुषोत्तम खत्री ने 4 अगस्त 2019 को 16 लाख रुपए की बीमित राशि वाली जीवन बीमा पॉलिसी ली थी। इसके लिए उन्होंने 1 लाख 680 रुपए का प्रीमियम जमा करवाया था। 13 अगस्त 2024 को अहमदाबाद में किडनी और लीवर में संक्रमण के चलते पुरुषोत्तम खत्री का निधन हो गया। इसके बाद परिजनों ने एलआईसी में बीमा क्लेम पेश किया, लेकिन कंपनी ने पुरानी बीमारी का हवाला देते हुए पूरी बीमा राशि का भुगतान नहीं किया। एलआईसी ने केवल 7 लाख 51 हजार 411 रुपए ही दिए। पूरी बीमा राशि नहीं मिलने पर परिजनों ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। मामले की सुनवाई के बाद आयोग ने एलआईसी को शेष 8 लाख 48 हजार 589 रुपए ब्याज सहित परिवार को भुगतान करने के आदेश दिए।

जयपुर के कारीगरों ने रचा रामायण के आभूषणों का अद्भुत संसार, 150 से ज्यादा शिल्पकारों ने तैयार किए 4500 गहने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

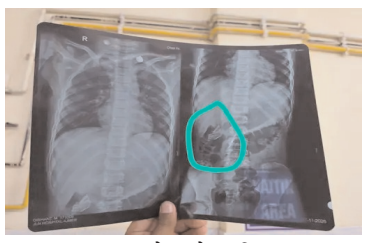
जयपुर। भारतीय संस्कृति, पौराणिक कथाओं और पारंपरिक आभूषण कला का भव्य संगम फिल्म 'रामायण' में देखने को मिल रहा है। फिल्म में भगवान श्रीराम का राजसी मुकुट, माता सीता के कुंडल और रावण के भव्य आभूषण दर्शकों के बीच खास आकर्षण बने हुए हैं। इन आभूषणों की सबसे खास बात यह है कि इन्हें राजस्थान की राजधानी जयपुर में तैयार किया गया है। इस विशाल परियोजना को पूरा करने में करीब 18 महीने लगे और 150 से अधिक कुशल कारीगरों ने मेहनत कर 4500 से ज्यादा आभूषणों का संग्रह तैयार किया। इस काम की शुरुआत केवल आभूषण बनाने से नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को समझने से हुई। करीब 25 आभूषण डिजाइनरों ने प्राचीन मंदिरों, ऐतिहासिक कलाकृतियों, पारंपरिक गहनों और अलग-अलग क्षेत्रों की शिल्प परंपराओं का गहन अध्ययन किया। उद्देश्य था कि फिल्म में दिखाई देने वाले आभूषण केवल भव्य न लगें, बल्कि उनके माध्यम से पात्रों के व्यक्तित्व, सामाजिक स्थिति और उस कालखंड की सांस्कृतिक पहचान भी सामने आए। फिल्म के लिए तैयार किए गए आभूषणों में हर पात्र की अलग पहचान रखी गई। भगवान राम के आभूषणों में मर्यादा, शालीनता और राजसी गरिमा को प्रमुखता दी गई, जबकि माता सीता के गहनों में पारंपरिक भारतीय स्त्री सौंदर्य और सांस्कृतिक कोमलता का समावेश किया गया। वहीं रावण के आभूषणों को उसके सामर्थ्य, वैभव और प्रभावशाली व्यक्तित्व के अनुरूप भव्य रूप दिया गया। इस परियोजना की सबसे दिलचस्प विशेषता भगवान राम और माता सीता के वनवास से जुड़े आभूषण हैं। वनवास के प्रसंग में पात्रों की जीवनशैली और परिस्थितियों को वास्तविक दिखाने के लिए सोने-चांदी के बजाय लकड़ी के आभूषण तैयार किए गए। इसका उद्देश्य राजसी जीवन से दूर वन में रहने के दौरान उनके पहनावे और आभूषणों में स्वाभाविक बदलाव दिखाना था। फिल्म के आभूषणों में भारतीय कला और क्षेत्रीय शिल्प परंपराओं की विविधता को भी स्थान दिया गया है। मुकुट, कुंडल, हार, बाजूबंद और अन्य आभूषणों की बनावट में अलग-अलग ऐतिहासिक शैलियों की झलक दिखाई देती है। इस तरह जयपुर के कारीगरों ने केवल गहने नहीं बनाए, बल्कि भारतीय पारंपरिक आभूषण कला को बड़े पर्दे पर एक नया मंच दिया है। करीब 4500 आभूषणों का यह संग्रह भारतीय शिल्पकारों की कल्पनाशीलता, धैर्य और बारीक कारीगरी का उदाहरण है। इस परियोजना ने एक बार फिर जयपुर की उस पहचान को रेखांकित किया है, जिसके लिए यह शहर देश-विदेश में प्रसिद्ध है।

अजमेर में सुतली बम के धमाके से चार बच्चे घायल, स्टील का गिलास फटकर बच्चे के पेट में घुसा टुकड़ा

डेढ़ घंटे चला ऑपरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

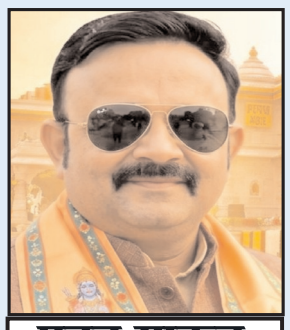
अजमेर। दिवाली के दौरान पटाखे जलाने में लापरवाही चार बच्चों पर भारी पड़ गई। अलवर गेट थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 11 बजे सुतली बम फोड़ने के दौरान हुए जोरदार धमाके में चार बच्चे घायल हो गए। बच्चों ने सुतली बम के ऊपर स्टील का गिलास रख दिया था। धमाके के साथ गिलास के टुकड़े आसपास खड़े बच्चों को जा लगे। हादसे में आठ वर्षीय दिशांत के पेट में स्टील का करीब डेढ़ सेंटीमीटर का टुकड़ा घुस गया, जबकि 10 वर्षीय प्रज्ञा के शरीर पर गहरा कट लग गया। घायलों को परिजन तत्काल जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने दिशांत का करीब डेढ़ घंटे तक ऑपरेशन कर पेट में फंसा स्टील का टुकड़ा बाहर निकाला। अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. अमित यादव के अनुसार बच्चे की हालत फिलहाल ठीक है, लेकिन एहतियात के तौर पर उसे चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।



वहीं प्रज्ञा के घाव पर पांच से छह टांके लगाने के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। प्रज्ञा ने बताया कि कॉलोनी के बच्चे एक साथ पटाखे जला रहे थे। इसी दौरान एक बच्चे ने सुतली बम के ऊपर स्टील का गिलास रख दिया। बम जलाने के बाद वह पीछे हट गया, जबकि अन्य बच्चे पास ही खड़े रहे। कुछ ही देर में हुए धमाके से गिलास टूट गया और उसके टुकड़े बच्चों को जा लगे। सूचना मिलने पर अलवर गेट थाना प्रभारी नरेंद्र जाखड़ पुलिस दल के साथ अस्पताल पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार हादसे में चार बच्चे घायल हुए हैं, जिनमें दो को गंभीर चोटें आई हैं।



दिवाली: अंधेरे से रोशनी की ओर हमेशा चलने वाला सफर और आज के समय में हमारी ज़िम्मेदारी



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आसमान में चमकते पटाखों की रोशनी, आंगन में कलात्मक रूप से सजी रंगोली और हर घर की चौखट पर जलता एक छोटा सा दीया सिर्फ़ एक त्योहार का जश्न नहीं है, बल्कि ये इंसानियत के अंधेरे से रोशनी की ओर कभी न खत्म होने वाले और हमेशा चलने वाले सफर की जीती-जागती निशानी हैं। दिवाली सिर्फ़ भारतीय संस्कृति का सबसे बड़ा या सबसे पॉपुलर त्योहार ही नहीं है, बल्कि यह आत्मनिरीक्षण, अंदरूनी एनर्जी, सामाजिक मेलजोल और ज़बरदस्त पॉजिटिविटी का भी एक बड़ा त्योहार है। खासकर गुजरात की रंगीन और बिज़नेस वाली ज़मीन पर दिवाली का उत्साह हमेशा से ही काफी अनोखा और यादगार रहा है। बिज़नेस की दुनिया की पाटिया पूजा से लेकर घरों और आंगनों की रोशनी तक, गुजरात के हर कोने में एक नया जोश और उत्साह देखने को मिलता है।

वैदिक काल से ही हमारे शास्त्रों में कहा गया है - 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' यानी हे प्रभु! हमें अंधेरे से रोशनी की ओर ले चलो। यह मंत्र सिर्फ़ एक आम प्रार्थना नहीं है, बल्कि यह हमारे पूरे जीवन का एक गहरा नज़रिया है। अगर हम अपने मन से अज्ञानता, नफ़रत, जलन, निराशा और स्वार्थ के गहरे अंधेरे को दूर कर सकें और अपने दिलों में ज्ञान, प्यार, उम्मीद, सेवा और दान के दीये जला सकें,

तभी हमारी सच्ची दिवाली सार्थक होगी। भगवान श्री राम के अयोध्या आने की पौराणिक कहानी हमें एक बड़ा संदेश देती है कि चाहे कितनी भी मुश्किल परिस्थिति या संकट क्यों न आ जाए, आखिर में जीत सत्य, न्याय और धर्म की ही होती है। चौदह साल के वनवास और अनगिनत संघर्षों और मुश्किलों के बाद जब अयोध्या के नागरिकों ने घी के दीये जलाकर राम का स्वागत किया, तो यह सिर्फ़ एक शहर का त्योहार नहीं था, बल्कि यह लोगों के दिलों में चमकी खुशी और आस्था की चमक थी। आज के मॉडर्न और ऑटोमेटेड युग में जब हम दिवाली बड़े धूमधाम से मनाते हैं, तो कुछ गंभीर और ज्वलंत सवालों पर गहराई से सोचना भी उतना ही ज़रूरी हो गया है। क्या हमारा जश्न सिर्फ़ दिखावे या सोशल मीडिया तक सीमित होता जा रहा है? क्या हम इस त्योहार के नाम पर प्रकृति और पर्यावरण के प्रति लापरवाह और क्रूर होते जा रहे हैं? आज की दिवाली में शोर और हवा का प्रदूषण खतरनाक रूप से बढ़ रहा है, जो हमारे अपने परिवार और बच्चों की सेहत के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। एक जागरूक और ज़िम्मेदार नागरिक के तौर पर, हमें अब पटाखों के भारी धुएं और प्रदूषण से मुक्त, साफ़, ग्रीन और सात्विक दिवाली की ओर बढ़ना होगा। असली खुशी पटाखों की आवाज़ में नहीं है जो हमारे कान के पर्दे फाड़ देती है, बल्कि किसी कमज़ोर, गरीब या ज़रूरतमंद के चेहरे पर थोड़ी सी खुशी और मुस्कान लाने में है।

गुजरातियों के लिए दिवाली का महत्व इसलिए भी कई गुना बढ़ जाता है क्योंकि यह त्योहार हमारे लिए विक्रम संवत के नए साल से भी जुड़ा है। नया साल सिर्फ़ कैलेंडर में बदलाव नहीं है, बल्कि नए संकल्प लेने, पुराने मतभेदों को भुलाकर रिश्ते सुधारने, बही-खातों की पूजा करने और बिज़नेस में नई शुरुआत करने का मौका है। हमारे बिज़नेस भाई 'शुभ-लाभ' और 'लाभ पंचम' के पवित्र दिनों में पूजा करते हैं और नए बही-खाते शुरू करते हैं, जो बिज़नेस में ईमानदारी, सच्चाई और पारदर्शिता का प्रतीक हैं। यह अद्भुत परंपरा हमें सिखाती है कि पिछले साल की गलतियों से सीखकर आने वाले भविष्य को कैसे उज्जवल और खुशहाल बनाया जाए। इस पवित्र दिवाली पर, आइए हम सब यह पक्का इरादा करें कि अपने ज्ञान, कर्म, वाणी और व्यवहार से हम समाज के किसी भी अंधेरे कोने में ज्ञान की रोशनी फैला पाएंगे और मदद कर पाएंगे। अगर हम अपने आस-पड़ोस या समाज में किसी बेसहारा और लाचार इंसान की ज़िंदगी में खुशियों का दीया जला पाएं, तभी हमारी यह दिवाली सच में सफल और सार्थक होगी। 'पाको गुजरात' परिवार की तरफ से, मैं आप सभी सम्मानित पाठकों और नागरिकों को दिवाली और नए साल के पावन मौके पर दिल से बधाई देना चाहता हूं! मेरी दिल से दुआ है कि यह आने वाला नया साल आप सभी के लिए खुशियां, शांति, सेहत, अपार समृद्धि और लगातार तरक्की लाए! अंततः दिवाली का वास्तविक अर्थ केवल घरों, बाजारों और गलियों को रोशन करना नहीं, बल्कि अपने विचारों, संस्कारों और कर्मों से समाज को प्रकाशमान बनाना है। समय के साथ त्योहार मनाने के तरीके बदल सकते हैं, लेकिन इसके मूल संदेश प्रेम, सद्भाव, सत्य, सेवा और भाईचारे की चमक कभी फीकी नहीं पड़नी चाहिए। आइए, इस दिवाली हम केवल अपने घरों में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी खुशियों के दीप जलाएं।

प्रकृति की रक्षा करें, रिश्तों में मिठास घोलें, जरूरतमंदों का सहारा बनें और नई पीढ़ी को त्योहारों की वास्तविक सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत से जोड़ें। यही हमारी परंपराओं का सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के प्रति सच्ची जिम्मेदारी होगी। जब हर मन में आशा, हर घर में शांति और हर चेहरे पर मुस्कान होगी, तभी दीपावली का प्रकाश वास्तव में पूरे समाज को आलोकित करेगा।

सत्ता की कुर्सी से अदालत तक: क्या भ्रष्टाचार के आरोपों ने नेतन्याहू की राजनीतिक पारी पर लगा दिया विराम?



इजराइल की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां सत्ता का संघर्ष केवल प्रधानमंत्री की कुर्सी तक सीमित नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और कानून के शासन की परीक्षा भी बन गया है। बेंजामिन नेतन्याहू, जिन्होंने इजराइल के इतिहास में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया, आज भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के गंभीर आरोपों से घिरे हैं। विपक्ष के बहुमत जुटाने के दावों के बीच यदि सत्ता परिवर्तन होता है तो यह केवल एक सरकार का जाना नहीं, बल्कि इजराइली राजनीति में एक बड़े अध्याय का अंत भी हो सकता है।

नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे तीन प्रमुख मामले इस पूरे विवाद के केंद्र में हैं। महंगे उपहार लेने, मीडिया कवरेज को प्रभावित करने और एक दूरसंचार कंपनी को कथित अनुचित लाभ पहुंचाने जैसे आरोपों ने उनकी राजनीतिक छवि को लगातार चुनौती दी है। हालांकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि अदालत ने अब तक उन्हें दोषी घोषित नहीं किया है। लोकतंत्र में किसी व्यक्ति को आरोपों के आधार पर अपराधी नहीं माना जा सकता, लेकिन प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति से नैतिक जवाबदेही की अपेक्षा कहीं अधिक होती है। इस प्रकरण का सबसे चिंताजनक पहलू न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के कथित प्रयास हैं। यदि किसी प्रधानमंत्री ने अपने मुकदमे की सुनवाई टालने के लिए सुरक्षा एजेंसियों पर दबाव बनाया है, तो यह केवल व्यक्तिगत बचाव का मामला नहीं, बल्कि संस्थाओं की स्वतंत्रता से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। न्यायपालिका और जांच एजेंसियां सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहें, तभी लोकतंत्र में आम नागरिक का भरोसा कायम रह सकता है। गाजा युद्ध के दौरान नेतन्याहू की राजनीतिक और सैन्य रणनीतियों को लेकर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना हुई। युद्ध में भारी संख्या में फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत ने इजराइल की सरकार को कठघरे में खड़ा किया। विपक्ष का आरोप रहा कि युद्ध के कारण प्रधानमंत्री के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों से जनता का ध्यान हट गया। हालांकि, युद्ध और मुकदमों के बीच सीधे संबंध का निष्कर्ष निकालना आसान नहीं है, लेकिन यह सवाल जरूर उठता है कि क्या राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध जैसी परिस्थितियों का इस्तेमाल घरेलू राजनीतिक संकट से बचने के लिए किया जा सकता है? राष्ट्रपति से माफी की मांग ने इस विवाद को और गंभीर बना दिया है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में क्षमादान का अधिकार संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा हो सकता है, लेकिन जब यह अधिकार किसी प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति के मामले में सामने आता है तो निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कानून सभी के लिए समान होना चाहिए। प्रधानमंत्री होना किसी को विशेष कानूनी संरक्षण देने का आधार नहीं बन सकता। इजराइल के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि सत्ता परिवर्तन हो या न हो, न्यायिक प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष बनी रहे। विपक्ष को भी केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि संस्थागत सुधार और जवाबदेही के लिए अपनी भूमिका निभानी होगी। नेतन्याहू दोषी हैं या निर्दोष, इसका फैसला अदालत को करना है, राजनीतिक दलों या जनभावनाओं को नहीं। लेकिन एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह सिद्धांत भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि कोई नेता इतना शक्तिशाली नहीं होना चाहिए कि कानून उसके सामने कमजोर पड़ जाए। सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता ही किसी राष्ट्र की असली ताकत होती है। इजराइल की इस राजनीतिक उठापटक से दुनिया के हर लोकतंत्र को यही सबक लेना चाहिए।

सोना-चांदी की कीमतों में मामूली तेजी, लेकिन ऊंचे स्तर से बड़ी गिरावट ने बदला बाजार का रुख



सोने-चांदी का बाजार इन दिनों उतार-चढ़ाव के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां मामूली तेजी और बड़ी गिरावट दोनों एक साथ बाजार की तस्वीर बयां कर रही हैं। नवंबर के पहले सप्ताह में दोनों कीमती धातुओं के भाव में बढ़ोतरी जरूर हुई, लेकिन इस तेजी को बाजार में मजबूत वापसी का संकेत मानना जल्दबाजी होगी। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि जनवरी में अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने के बाद सोना और चांदी अब भी काफी नीचे कारोबार कर रहे हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, नवंबर के पहले सप्ताह में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,398 रुपये बढ़कर करीब 1.41 लाख रुपये पहुंच गया। इसी तरह एक किलोग्राम चांदी की कीमत में 1,524 रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह करीब 1.83 लाख रुपये पर पहुंच गई। इससे पहले 30 अक्टूबर को सोना लगभग 1.40 लाख और चांदी 1.81 लाख रुपये पर थी। आंकड़े बताते हैं कि हालिया तेजी सीमित है और बाजार अभी भी बड़े उतार-चढ़ाव के प्रभाव से बाहर नहीं निकल पाया है। इस वर्ष सोने और चांदी की कीमतों में आई तेजी ने बाजार में काफी उत्साह पैदा किया था। 31 दिसंबर 2025 को चांदी करीब 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो 29 जनवरी को बढ़कर 3.86 लाख रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। इसके बाद कीमतों में भारी गिरावट आई और चांदी करीब दो लाख रुपये सस्ती हो गई।

सोने की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। वर्ष के अंतिम दिन 1.33 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रहने वाला सोना 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। इसके बाद इसमें करीब 35 हजार रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि कीमती धातुओं में तेजी के दौरान ऊंचे भाव पर खरीदारी करने वालों को बाद में नुकसान या लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। सोने-चांदी की कीमतों में अंतर केवल अंतरराष्ट्रीय बाजार की हलचल से तय नहीं होता। परिवहन, सुरक्षा, स्थानीय मांग, पुराने भंडार की खरीद कीमत और आभूषण कारोबारियों की नीतियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एक शहर से दूसरे शहर तक सोना पहुंचाने में परिवहन और सुरक्षा पर होने वाला खर्च अंतिम कीमत को प्रभावित करता है। दक्षिण भारत में सोने की खपत अधिक होने के कारण वहां बड़े स्तर पर खरीदारी होती है, लेकिन अधिक मांग का अर्थ हमेशा ग्राहकों को कम कीमत मिलना नहीं होता। स्थानीय आभूषण कारोबारी संगठन भी मांग और आपूर्ति के अनुसार भाव निर्धारित करने में भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा कारोबारियों के पास उपलब्ध पुराने भंडार की खरीद कीमत भी बिक्री दर को प्रभावित करती है। यही कारण है कि अलग-अलग शहरों में सोने-चांदी के भाव में अंतर देखने को मिलता है। कीमती धातुओं में आई गिरावट आम ग्राहकों के लिए खरीदारी का अवसर हो सकती है, लेकिन केवल कम कीमत देखकर सोना या चांदी खरीदना उचित नहीं है। सोना खरीदते समय उसकी शुद्धता की जांच सबसे जरूरी है। ग्राहकों को भारतीय मानक ब्यूरो का हॉलमार्क लगा हुआ प्रमाणित सोना ही खरीदना चाहिए। हॉलमार्क से सोने की शुद्धता और उसकी श्रेणी की जानकारी मिलती है। इसके साथ ही खरीदारी के दिन बाजार भाव, आभूषण का वास्तविक वजन और उस पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क की जानकारी भी लेनी चाहिए। 24, 22 और 18 कैरेट सोने के भाव अलग-अलग होते हैं। इसलिए केवल दुकानदार द्वारा बताए गए कुल मूल्य पर भरोसा करने के बजाय अलग-अलग विश्वसनीय माध्यमों से भाव की तुलना करना जरूरी है। चांदी खरीदते समय भी उसकी शुद्धता का प्रमाण लेना चाहिए। चुंबक, बर्फ, गंध और सफेद कपड़े से रगड़ने जैसे घरेलू परीक्षण शुरुआती संकेत दे सकते हैं, लेकिन ये शुद्धता की पक्की गारंटी नहीं हैं। प्रमाणित जांच और बिल ही खरीदारी को अधिक सुरक्षित बनाते हैं। सोने-चांदी की मौजूदा स्थिति एक महत्वपूर्ण संकेत देती है कि कीमती धातुओं का बाजार हमेशा एक दिशा में नहीं चलता। कुछ दिनों की तेजी को बड़ी तेजी की शुरुआत मान लेना और गिरावट को स्थायी सस्तेपन का संकेत समझना दोनों ही जोखिम भरे फैसले हो सकते हैं। आम उपभोक्ताओं के लिए आभूषण खरीदते समय जरूरत, बजट और शुद्धता को प्राथमिकता देना बेहतर है, जबकि निवेश करने वालों को एकमुश्त बड़ी रकम लगाने के बजाय बाजार की चाल और अपनी आर्थिक क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए। चांदी का अपने सर्वोच्च भाव से करीब दो लाख रुपये नीचे आना और सोने का लगभग 35 हजार रुपये सस्ता होना बताता है कि ऊंचे भाव पर खरीदारी करने से पहले बाजार की दिशा समझना कितना जरूरी है। फिलहाल नवंबर के पहले सप्ताह की मामूली तेजी बाजार में स्थिरता लौटने का पक्का संकेत नहीं है। ऐसे में ग्राहकों और निवेशकों दोनों के लिए सबसे समझदारी भरा रास्ता है कि वे चमक-दमक और तेजी के माहौल से प्रभावित होने के बजाय सही जानकारी, प्रमाणित शुद्धता और सोच-समझकर लिए गए फैसलों को महत्व दें।

रील की सनक या इंसानियत का अंतिम संस्कार! अब हिंसा भी मनोरंजन का साधन बन गई?

सोशल मीडिया पर कुछ सेकंड की प्रसिद्धि पाने की चाह इंसान को किस हद तक अंधा कर सकती है, इसकी एक खौफनाक तस्वीर दक्षिण कोलकाता से सामने आई है। यहां कथित तौर पर कुछ युवकों ने एक किशोर की आंखों पर पट्टी बांधी, उस पर पेट्रोल डाला और फिर आग लगा दी। हैरानी की बात यह है कि इस पूरी दरिंदगी को कैमरे में रिकॉर्ड भी किया गया। आशंका है कि आरोपी इस अमानवीय हरकत का वीडियो बनाकर सामाजिक माध्यमों पर चर्चित होना चाहते थे। यानी अब प्रसिद्धि पाने के लिए मेहनत, हुनर और रचनात्मकता की जरूरत नहीं रह गई है! किसी की जिंदगी को आग के हवाले कर दो, कैमरा चालू रखो और उम्मीद करो कि वीडियो पर खूब प्रतिक्रियाएं आएंगी। शायद यही कुछ लोगों के लिए मनोरंजन और लोकप्रियता का नया पैमाना बनता जा रहा है। पुलिस के अनुसार, घटना 27 अक्टूबर की है। किशोर घर लौट रहा था, तभी आरोपियों ने उसे रास्ते में रोककर लेनिन नगर में एक तालाब के पास ले गए। उसकी आंखों पर पट्टी बांधी और सिर पर हेलमेट पहनाया। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ क्रूरता की। वीडियो में एक आरोपी स्कूटर के भंडारण स्थान से पेट्रोल की बोतल निकालकर किशोर पर पेट्रोल डालता दिखाई देता है। इसके बाद माचिस की तीली जलाकर उस पर फेंक दी जाती है। देखते ही देखते किशोर आग की लपटों में घिर जाता है और जान बचाने के लिए भागता नजर आता है। किशोर के सीने और पेट पर जलने की चोटें आई हैं। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई गई है और अस्पताल में उपचार जारी है। परिवार ने हमले के पीछे 500 रुपये के पुराने आर्थिक विवाद को वजह बताया है। परिवार का कहना है कि किशोर ने करीब छह महीने पहले लिए गए पैसे लौटा दिए थे। पुलिस इस पहलू के साथ अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है। मामले में दो नाबालिगों समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना का सबसे डरावना पहलू केवल किशोर को आग लगाना नहीं, बल्कि उस हिंसा को कैमरे में कैद करना भी है। आखिर कैसी मानसिकता है, जिसमें किसी की चीखें मनोरंजन और किसी की जलती हुई देह लोकप्रियता पाने का माध्यम बन जाती है? क्या कुछ लोगों के लिए दूसरे की पीड़ा अब केवल एक दृश्य बनकर रह गई है? सामाजिक माध्यमों पर प्रसिद्ध होने की होड़ ने पहले ही दिखावे, झूठे साहस और खतरनाक करतबों को बढ़ावा दिया है। अब यदि किसी की जान जोखिम में डालना भी प्रसिद्धि पाने का तरीका बनने लगे तो यह केवल कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं, बल्कि सामाजिक सोच के पतन का संकेत है। विडंबना देखिए, जिस कैमरे का इस्तेमाल ज्ञान, प्रतिभा, कला और अच्छे संदेशों को दुनिया तक पहुंचाने के लिए होना चाहिए, उसी कैमरे के सामने कुछ लोग इंसानियत को जलते हुए देखने लगे हैं। कुछ पलों की चर्चा और कुछ आभासी प्रतिक्रियाओं के लिए किसी की जिंदगी दांव पर लगाना किसी भी सूरत में मनोरंजन नहीं हो सकता। समाज को यह समझना होगा कि हर दृश्य सामग्री नहीं होती, हर हरकत मनोरंजन नहीं होती और हर प्रसिद्धि सम्मान नहीं होती। जिस लोकप्रियता की नींव किसी मासूम की चीखों और जलते शरीर पर रखी जाए, वह उपलब्धि नहीं, अपराध और संवेदनहीनता का प्रमाण है।

आज का राशिफल

(रविवार) 08 नवम्बर 2026

मेष — रुके हुए कार्यों में गति आएगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, लेकिन पैसों के मामले में अनावश्यक खर्चों से बचें।

वृषभ — जल्दबाजी में बड़े फैसले न लें, धैर्य से काम लें। पुराने निवेशों की समीक्षा का समय है। शाम तक परिस्थितियां आपके अनुकूल होंगी।

मिथुन — करियर और व्यवसाय में नए अवसर प्राप्त होंगे। विदेश या पुराने संपर्कों से धन लाभ के योग बन रहे हैं। मानसिक भ्रम से बचें।

कर्क — पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। कार्यक्षेत्र में मेहनत रंग लाएगी। सेहत का विशेष ध्यान रखें और भावुक होकर आर्थिक फैसले लेने से बचें।

सिंह — दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी रह सकती है, इसलिए वाणी पर संयम रखें। दोपहर के बाद धन लाभ और करियर में पद-प्रतिष्ठा बढ़ने के योग हैं।

कन्या — परिश्रम अधिक रहेगा, लेकिन नतीजे संतोषजनक मिलेंगे। बिजनेस में नए पार्टनर पर तुरंत भरोसा न करें, बजट के हिसाब से काम करें।

तुला — मान-सम्मान और आय में वृद्धि के अच्छे योग हैं। कार्यस्थल पर कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। वित्तीय फैसलों में थोड़ी सावधानी बरतें।

वृश्चिक — आर्थिक लाभ और व्यापार विस्तार के संकेत हैं। दोपहर से पहले जरूरी सरकारी या व्यावसायिक काम निपटाना फायदेमंद रहेगा।

धनु — प्रबंधन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। वरिष्ठों और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। व्यक्तिगत खर्चों पर थोड़ा नियंत्रण रखें।

मकर — कामकाज का दबाव बना रह सकता है। संपत्ति से जुड़े मामलों और कागजी कार्रवाई में थोड़ी तेजी आएगी। जल्दबाजी में सौदे न करें।

कुंभ — पुरानी समस्याओं का समाधान मिलेगा और सेहत में सुधार होगा। दोपहर बाद धार्मिक या सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मीन — शुरुआत में सुस्ती या थकान महसूस हो सकती है। दोपहर के बाद बिजनेस और नौकरी में स्थितियां आपके पक्ष में रुख करेंगी।

भारत ने रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4 रन से हराया, कोहली ने रचा इतिहास

रोहित शर्मा ने भी तोड़ा शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड, गुरनूर बरार की घातक गेंदबाजी से 134 रन पर सिमटी न्यूजीलैंड



वेलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 4 रन से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। मैच में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने व्यक्तिगत उपलब्धियों के जरिए नए कीर्तिमान बनाए, वहीं तेज गेंदबाज गुरनूर बरार की धारदार गेंदबाजी न्यूजीलैंड पर भारी पड़ी। इस मुकाबले की सबसे बड़ी उपलब्धि विराट कोहली के नाम रही। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया। कोहली की यह उपलब्धि उनके लंबे और शानदार क्रिकेट करियर में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ने जैसी है। रोहित शर्मा ने भी छक्कों के मामले में पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने मुकाबले में दो छक्के लगाए और न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 51 छक्कों के साथ नया रिकॉर्ड बनाया। अफरीदी ने इस टीम के विरुद्ध 50 छक्के लगाए थे। भारतीय गेंदबाजों में गुरनूर बरार सबसे प्रभावशाली रहे। उन्होंने 30 रन देकर चार विकेट हासिल किए। न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भारतीय तेज गेंदबाज का यह दूसरा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। इस मामले में जवागल श्रीनाथ पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने 2003 में ऑकलैंड में 23 रन देकर चार विकेट लिए थे। भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड की पूरी टीम 41 ओवर में महज 134 रन पर सिमट गई। घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड का यह अब तक का सबसे कम एकदिवसीय स्कोर रहा। इससे पहले 1994 में ऑकलैंड में न्यूजीलैंड की टीम 142 रन पर सिमटी थी। मुकाबले की शुरुआत भी बारिश के कारण प्रभावित हुई। निर्धारित समय से एक घंटे की देरी से शुरू हुए मैच को 50 ओवर के बजाय 47-47 ओवर का कर दिया गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन बना लिए थे, तभी दोबारा बारिश शुरू हो गई। इसके बाद मुकाबला आगे नहीं खेला जा सका और डकवर्थ-लुईस नियम के आधार पर भारत को चार रन से विजेता घोषित किया गया। मैच के दौरान भारतीय तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल के बीच मैदान पर तीखी बहस भी देखने को मिली। इस घटनाक्रम ने मुकाबले का रोमांच और बढ़ा दिया। कुल मिलाकर भारतीय टीम ने बारिश, दबाव और लगातार गिरते विकेटों के बीच जीत हासिल कर अपनी मजबूती दिखाई। इस जीत ने भारतीय टीम के आत्मविश्वास को और मजबूत किया है। हालांकि बारिश के कारण मुकाबला अपने निर्धारित समय और पूरे रोमांच के साथ समाप्त नहीं हो सका, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने जिस तरह न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को तहस-नहस किया, उसने मैच का रुख काफी हद तक भारत के पक्ष में कर दिया था। खासतौर पर गुरनूर बरार का प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने दबाव के बीच जिम्मेदारी संभालते हुए न्यूजीलैंड के चार महत्वपूर्ण विकेट झटके और अपनी गेंदबाजी क्षमता का परिचय दिया। दूसरी ओर, विराट कोहली और रोहित शर्मा की उपलब्धियों ने इस मुकाबले को रिकॉर्डों के लिहाज से भी यादगार बना दिया। कोहली ने एक बार फिर साबित किया कि बड़े मुकाबलों में अनुभव और निरंतरता कितनी महत्वपूर्ण होती है, जबकि रोहित के छक्कों का नया कीर्तिमान उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। हालांकि भारतीय बल्लेबाजी को लेकर कुछ सवाल जरूर उठे, क्योंकि लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने सात विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में टीम प्रबंधन के लिए मध्यक्रम की स्थिरता और दबाव में बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान देना जरूरी होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली यह जीत केवल दो अंकों की उपलब्धि नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में मुकाबला अपने पक्ष में करने की भारतीय टीम की क्षमता का भी संकेत है।

गाजियाबाद में 15 वर्षीय बेटे ने की पिता की हत्या, पढ़ाई को लेकर डांटने पर बना लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के लोनी क्षेत्र में पारिवारिक विवाद ने एक दर्दनाक घटना का रूप ले लिया। आशियाना सिटी स्थित बुध बाजार में शनिवार देर रात 15 वर्षीय नाबालिग बेटे पर अपने ही पिता की हत्या करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि पिता द्वारा पढ़ाई नहीं करने पर डांटने और मारपीट करने से नाराज बेटे ने रात में उस समय वारदात को अंजाम दिया, जब पिता घर में सो रहे थे। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया, वहीं इलाके में भी सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान इरफान अहमद (58) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को दिन के समय इरफान अहमद और उनके 15 वर्षीय बेटे के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। बताया गया है कि इरफान अपने बेटे की पढ़ाई को लेकर नाराज थे। इसी बात पर उन्होंने बेटे को डांटा और उसके साथ मारपीट भी की थी। विवाद के दौरान पिता ने बेटे को धमकी भी दी थी। दिन में हुए इस घटनाक्रम के बाद दोनों के बीच तनाव बना हुआ था। आरोप है कि देर रात जब इरफान घर में सो रहे थे, तभी उनके नाबालिग बेटे ने धारदार हथियार से उन पर हमला कर दिया। हमले में इरफान गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल इरफान को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना फैलते ही आसपास के क्षेत्र में चर्चा का माहौल बन गया। जिस परिवार में दिन में पिता-पुत्र के बीच सामान्य घरेलू विवाद हुआ था, उसी विवाद के बाद रात में इतनी गंभीर वारदात हो जाने से लोग हैरान हैं। घटना ने परिवार के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी झकझोर दिया है।



दिल्ली से बिहार जा रही यात्रियों से भरी बस की ट्रक से आमने-सामने टक्कर, 3 की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कुशीनगर। दीपावली के मौके पर दिल्ली से बिहार जा रही यात्रियों से भरी एक बस उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। पटहेरवा थाना क्षेत्र के लबनिया गांव के पास बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग घायलों की मदद के लिए पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, बस दिल्ली से यात्रियों को लेकर बिहार जा रही थी। इसी दौरान लबनिया गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में 2 पुरुषों और एक बच्ची की मौत हो गई। वहीं, आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल 2 यात्रियों की हालत नाजुक होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। वहीं, घायल बच्ची का उपचार कुशीनगर मेडिकल कॉलेज में जारी है। मृतकों में से एक की पहचान बिहार के मोतिहारी निवासी के रूप में हुई है, जबकि अन्य मृतकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मृतकों की पहचान और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। कुशीनगर मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक डॉ. राजन गुप्ता ने बताया कि हादसे में कुल 3 लोगों की मौत हुई है। 2 गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जबकि एक बच्ची का उपचार कुशीनगर मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। स्थानीय निवासी दिवाकर ने भी बताया कि क्षेत्र की एक बच्ची हादसे में घायल हुई है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है। घटना के बाद से घायलों के परिजनों में चिंता का माहौल है।



परिवार ने लगाया जिंदा जलाकर हत्या का आरोप, ग्रामीणों ने लगाया जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में तीन दिन से लापता एक युवक का अधजली हालत में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सरधुआ थाना क्षेत्र के अर्की गांव में 6 नवंबर को युवक का शव गांव से कुछ दूरी पर झाड़ियों में पड़ा मिला। मृतक की पहचान शिव नरेश प्रजापति के रूप में हुई है, जो बीते 3 नवंबर से लापता था। शव की हालत देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। परिवार का आरोप है कि युवक के साथ पहले मारपीट की गई और इसके बाद उसे जलाकर मार दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने सरधुआ से अर्की जाने वाले रास्ते पर जाम लगाकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। परिजनों के अनुसार, 3 नवंबर की शाम शिव नरेश ने घर पर खाना खाया था। इसके बाद वह मोबाइल चला रहा था। परिवार के अन्य सदस्य रात में सो गए। अगली सुबह जब परिजन उठे तो शिव नरेश घर पर मौजूद नहीं था। इसके बाद परिवार के लोगों ने आसपास के इलाकों और रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। लगातार तलाश के बावजूद जानकारी नहीं मिलने पर परिजनों ने सरधुआ थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। परिवार का आरोप है कि गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने के बावजूद पुलिस ने युवक की तलाश में गंभीरता नहीं दिखाई। इसी बीच 6 नवंबर को गांव से कुछ दूरी पर झाड़ियों में शिव नरेश का शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान की। शव की हालत देखकर परिवार ने हत्या की आशंका जताते हुए आरोप लगाया कि युवक को पहले बेरहमी से पीटा गया और फिर झाड़ियों में ले जाकर जलाकर मार दिया गया। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शव मिलने के बाद नाराज परिजन और ग्रामीण सड़क पर बैठ गए। उन्होंने सरधुआ से अर्की जाने वाले मार्ग पर जाम लगाकर पुलिस के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। ग्रामीणों की मांग थी कि मामले का जल्द खुलासा किया जाए और घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए।



सागर में अवैध विस्फोटक का बड़ा जखीरा बरामद, मैगजीन संचालक के घर पेटियों में मिला एक्सप्लोसिव; पुलिस की छापेमारी से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में अवैध विस्फोटक सामग्री के भंडारण से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। बहेरिया थाना क्षेत्र की कर्रापुर चौकी के अंतर्गत ग्राम मझुआ में पुलिस ने मैगजीन संचालक दुलीचंद पटेल के आवासीय परिसर पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में व्यावसायिक विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। तलाशी के दौरान परिसर में पेटियों के अंदर रखी विस्फोटक सामग्री मिली। पुलिस को आशंका है कि इसका भंडारण और बिक्री नियमों के विरुद्ध की जा रही थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मझुआ स्थित मैगजीन संचालक दुलीचंद पटेल के आवासीय परिसर में बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी हुई है। सूचना में परिसर से कथित रूप से अवैध भंडारण और बिक्री किए जाने की बात भी सामने आई थी। इसके बाद बहेरिया थाना पुलिस ने सूचना को गंभीरता से लेते हुए मौके पर पहुंचकर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस टीम ने परिसर में रखी पेटियों की जांच की तो उनमें व्यावसायिक उपयोग में आने वाली विस्फोटक सामग्री मिली। बरामदगी के बाद पुलिस ने सामग्री से संबंधित जानकारी जुटाने और उसके दस्तावेजों का सत्यापन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस को तलाशी के दौरान अलग-अलग कंपनियों और अलग-अलग लॉट की विस्फोटक सामग्री मिलने की जानकारी सामने आई है। बरामद सामग्री में एटीएमएम से संबंधित पेटियां और एक इंच मोटर वाले छोटे आकार के विस्फोटक भी शामिल बताए गए हैं। अलग-अलग कंपनियों और लॉट की सामग्री मिलने के बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इनकी खरीद कहां से की गई थी और इन्हें किस उद्देश्य से परिसर में रखा गया था। पुलिस बरामद सामग्री से जुड़े लॉट नंबर, कंपनी के विवरण और अन्य अभिलेखों का मिलान कर रही है। जांच के आधार पर यह भी पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि सामग्री को निर्धारित स्थान पर रखा गया था या किसी अन्य जगह उसका भंडारण किया जा रहा था। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बरामद सामग्री सामान्य आतिशबाजी या दीपावली के दौरान इस्तेमाल होने वाले पटाखों की श्रेणी में नहीं आती। यह व्यावसायिक विस्फोटक सामग्री है, जिसका उपयोग विभिन्न निर्माण कार्यों और अन्य परियोजनाओं में चट्टानों या कठोर सतहों को तोड़ने के लिए की जाने वाली ब्लास्टिंग में किया जाता है। ऐसे विस्फोटकों का भंडारण और उपयोग निर्धारित नियमों तथा अनुमति के तहत ही किया जाना आवश्यक होता है। इसी कारण पुलिस अब यह जांच कर रही है कि बरामद सामग्री के संबंध में आवश्यक अनुमति और दस्तावेज मौजूद थे या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि बड़ी मात्रा में ऐसी सामग्री का अनधिकृत भंडारण सुरक्षा की दृष्टि से गंभीर विषय है। इस मामले में मैगजीन संचालक दुलीचंद पटेल के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, प्रकरण दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। जांच के दौरान दो अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं। हालांकि, इन लोगों की भूमिका को लेकर अभी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उनका बरामद विस्फोटक सामग्री से क्या संबंध है और क्या वे इसके भंडारण, आपूर्ति या कथित बिक्री से जुड़े हुए थे।



गाजियाबाद की वसुंधरा पुलिस चौकी में जोरदार धमाका, टूटे खिड़कियों के शीशे, दीवार में आई दरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में शुक्रवार रात एक पुलिस चौकी के अंदर हुए जोरदार धमाके ने पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा दिया। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली वसुंधरा पुलिस चौकी में अचानक हुए विस्फोट से चौकी की खिड़कियों के दो शीशे टूट गए और एक दीवार में भी हल्की दरार आ गई। धमाका इतना तेज था कि आसपास के क्षेत्र में भी इसकी आवाज सुनाई दी। घटना के समय चौकी में एक उपनिरीक्षक मौजूद थे। वहीं, सामान पहुंचाने आया एक युवक भी वहां मौजूद था, जो टूटे हुए कांच की चपेट में आने से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 9 बजे चौकी के पीछे उस स्थान पर अचानक धमाका हुआ, जहां कबाड़ वाहनों को खड़ा किया जाता है। विस्फोट के बाद चौकी में लगे शीशे टूटकर बिखर गए। दीवार में दरार आने से घटना की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। कुछ ही देर में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास की गतिविधियों और घटनास्थल की परिस्थितियों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम और बम निरोधक दस्ते को भी मौके पर बुलाया गया। टीमों ने चौकी के अंदर और पीछे के हिस्से का बारीकी से निरीक्षण किया। घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य और नमूने एकत्र किए गए, जिन्हें जांच के लिए आगरा भेजा गया है। इसके अलावा खुफिया विभाग के अधिकारी भी मामले की जांच में जुटे हुए हैं। शुरुआती जांच में विस्फोट का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। इंदिरापुरम के सहायक पुलिस आयुक्त सूर्यबली मौर्य ने बताया कि धमाका किस वस्तु या कारण से हुआ, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच में यह विस्फोट वातानुकूलन यंत्र के संपीडक में खराबी के कारण हुआ प्रतीत नहीं हो रहा है। इसी वजह से पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। बम निरोधक दस्ते की टीम भी शुरुआती निरीक्षण में विस्फोट की प्रकृति और उसके कारण की पुष्टि नहीं कर सकी है। इस घटना को इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि विस्फोट किसी सुनसान स्थान पर नहीं, बल्कि पुलिस चौकी के अंदर हुआ है। वसुंधरा पुलिस चौकी के दोनों ओर सड़क है, जो इंदिरापुरम और गाजियाबाद के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ती है। इसके ठीक ऊपर दिल्ली से राजनगर की ओर जाने वाला ऊंचा मार्ग भी बना हुआ है। इस कारण यहां दिनभर वाहनों और लोगों की आवाजाही बनी रहती है। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास निगरानी कैमरे नहीं होने की बात भी सामने आई है।



राजगढ़ में आवारा कुत्ते का आतंक... 6 घंटे के भीतर 26 लोगों को काटा, बाजार आने-जाने वालों में दहशत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

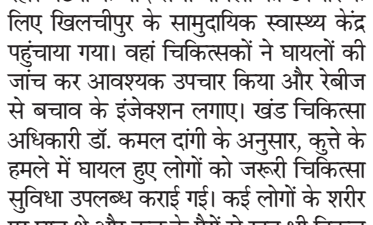
राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में शुक्रवार को एक आवारा कुत्ते ने जमकर आतंक मचाया। कुत्ते ने महज 6 घंटे के भीतर 26 लोगों को काटकर घायल कर दिया। दोपहर करीब 12 बजे से शाम 6 बजे तक कुत्ता बाजार में घूमता रहा और रास्ते से गुजरने वाले लोगों पर लगातार हमला करता रहा। अचानक हो रहे इन हमलों से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। कोई खरीदारी करने बाजार पहुंचा था तो कोई अपने काम से दोपहिया वाहन लेकर निकल रहा था। इसी दौरान कुत्ते ने कई लोगों को अपना निशाना बना लिया। एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित लोगों के अनुसार, कुत्ता अचानक राह चलते लोगों पर झपटता था। उसने ज्यादातर लोगों के पैरों पर हमला किया। कुछ लोगों को गहरे घाव भी आए, जबकि कई घायलों के पैरों से खून निकलने लगा। कुत्ता सड़क से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों के पीछे भी दौड़ता था और मौका मिलते ही उन्हें काट लेता था। लगातार हमलों के कारण बाजार में आने-जाने वाले लोग सतर्क हो गए। कई लोगों ने कुत्ते से बचने के लिए अपना रास्ता बदल लिया। बाजार में खरीदारी करने आए लोगों और स्थानीय दुकानदारों में भी डर का माहौल बना रहा। घटना के बाद सभी घायलों को उपचार के लिए खिलचीपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने घायलों की जांच कर आवश्यक उपचार किया और रेबीज से बचाव के इंजेक्शन लगाए। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. कमल दांगी के अनुसार, कुत्ते के हमले में घायल हुए लोगों को जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। कई लोगों के शरीर पर घाव थे और कुछ के पैरों से खून भी निकल रहा था। चिकित्सकों ने सभी को आवश्यक उपचार देने के साथ संक्रमण से बचाव के लिए निर्धारित इंजेक्शन लगाए। एक ही कुत्ते द्वारा कुछ घंटों के भीतर 26 लोगों को घायल किए जाने की घटना ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कुत्ते को नहीं पकड़ा गया तो वह दोबारा किसी अन्य व्यक्ति पर हमला कर सकता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बाजार में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने इस संबंध में प्रशासन से शिकायत भी की है। पीड़ितों ने मुख्यमंत्री सहायता शिकायत व्यवस्था पर भी अपनी शिकायत दर्ज कराई है। लोगों का आरोप है कि लगातार हमलों की जानकारी देने के बावजूद कुत्ते को पकड़ने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना है कि त्योहार के समय बाजार में लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में खुलेआम घूम रहा आक्रामक कुत्ता किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। ग्रामीणों और व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द कुत्ते को पकड़ने की व्यवस्था की जाए और बाजार क्षेत्र में घूम रहे आवारा कुत्तों को लेकर भी उचित कदम उठाए जाएं। लोगों का सवाल है कि जब एक कुत्ता लगातार कई घंटों तक लोगों पर हमला कर रहा था, तब उसे पकड़ने के लिए तत्काल व्यवस्था क्यों नहीं की गई।



खरगोन में कार ने बाइक सवार को फुटबॉल की तरह उछाला, CCTV में कैद हुआ खौफनाक हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वह हवा में उछलकर सड़क पर दूर जा गिरा। टक्कर की तीव्रता इतनी अधिक थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं कार को भी काफी नुकसान पहुंचा। इस पूरी घटना का दृश्य घटनास्थल के पास लगे निगरानी कैमरे में कैद हो गया। हादसे में बाइक सवार मोईन गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद कार चालक और उसमें सवार अन्य लोग मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, हादसा जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर खलटांका पुलिस चौकी क्षेत्र के निमरानी में हुआ। बताया जा रहा है कि मोईन अपनी बाइक से राष्ट्रीय राजमार्ग पर जा रहा था। इसी दौरान वह सड़क पर बाईं ओर मुड़ने लगा। तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित हो गई और मोईन उछलकर सड़क पर जा गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने जब दुर्घटना का दृश्य देखा तो वे तत्काल घायल की मदद के लिए पहुंचे। प्रत्यक्ष घटनाक्रम के अनुसार, कार की टक्कर से बाइक के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद सड़क पर दोनों वाहन क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़े रहे। दुर्घटना का दृश्य इतना गंभीर था कि आसपास के लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना तत्काल खलटांका पुलिस चौकी को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की। मोईन को सबसे पहले धामनोद अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार किया। हालांकि, उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए इंदौर रेफर कर दिया। फिलहाल युवक का इंदौर में इलाज कराया जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी चिंतित हैं और उसके स्वास्थ्य को लेकर जानकारी जुटा रहे हैं। दुर्घटना के बाद सबसे गंभीर बात यह सामने आई कि कार चालक और उसमें सवार अन्य लोग घायल युवक की मदद के लिए मौके पर नहीं रुके। टक्कर के बाद सभी लोग कार लेकर फरार हो गए। दुर्घटना में कार भी क्षतिग्रस्त हुई है, ऐसे में पुलिस आसपास के क्षेत्रों में ऐसी कार की तलाश कर रही है, जिसके अगले हिस्से में टक्कर से नुकसान हुआ हो। पुलिस निगरानी कैमरे में कैद दृश्य के आधार पर वाहन की पहचान करने और उसके चालक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। घटना का निगरानी कैमरे में कैद दृश्य सामने आने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस आसपास के मार्गों और संभावित आवाजाही वाले रास्तों की जानकारी जुटा रही है, ताकि फरार वाहन का पता लगाया जा सके। साथ ही दुर्घटना के समय सड़क पर वाहनों की आवाजाही और बाइक सवार की दिशा से जुड़े तथ्यों की भी जांच की जा रही है। मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिट्टू सहगल ने बताया कि दुर्घटना को लेकर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। टक्कर मारने वाली कार की तलाश की जा रही है। निगरानी कैमरे में मिले दृश्य के आधार पर कार और उसमें सवार लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।



घर के बाहर स्कूटर खड़ी करते समय अचानक गिरे वरिष्ठ अधिवक्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के गुना में वरिष्ठ अधिवक्ता लोकेंद्र श्रीमाल के अचानक निधन का मामला सामने आया है। घर के बाहर स्कूटर खड़ी करते समय वे अचानक जमीन पर गिर पड़े। यह पूरी घटना घर के दरवाजे पर लगे निगरानी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। बताया जा रहा है कि उन्हें अचानक हृदयाघात हुआ, जिसके कारण कुछ ही पलों में उनकी मृत्यु हो गई। घटना इतनी अचानक हुई कि आसपास मौजूद लोगों और परिजनों को संभलने का अवसर तक नहीं मिला। इस दुखद घटना का दृश्य सामने आने के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, लोकेंद्र श्रीमाल अपने घर पहुंचे थे और बाहर स्कूटर खड़ी कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ा और वे जमीन पर गिर पड़े। घर के बाहर लगे कैमरे में उनकी यह पूरी गतिविधि दर्ज हो गई। घटना के बाद परिजन और आसपास मौजूद लोग तुरंत उनकी सहायता के लिए पहुंचे। उन्हें बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। प्रारंभिक जानकारी में उनके निधन का कारण हृदयाघात बताया जा रहा है। लोकेंद्र श्रीमाल गुना के वरिष्ठ अधिवक्ता थे। उनके अचानक निधन की खबर से जिला न्यायालय परिसर और अधिवक्ता समुदाय में शोक की लहर फैल गई। उनके परिचितों और सहयोगियों के लिए यह खबर बेहद दुखद रही। घर के बाहर सामान्य रूप से स्कूटर खड़ी करने पहुंचे लोकेंद्र श्रीमाल के साथ कुछ ही क्षणों में ऐसी घटना हो जाएगी, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। निगरानी कैमरे में रिकॉर्ड हुआ घटनाक्रम इस बात को दिखाता है कि किस तरह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे जमीन पर गिर पड़े। इस दुखद घटना के बीच परिवार ने ऐसा निर्णय लिया, जिससे दो अन्य लोगों के जीवन में नई उम्मीद जग सकती है। परिजनों के अनुसार, लोकेंद्र श्रीमाल ने अपने जीवनकाल में नेत्रदान करने का संकल्प लिया था। उनके निधन के बाद परिवार ने उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी कराई। इससे दो दृष्टिबाधित लोगों को दृष्टि मिलने की उम्मीद है। परिवार के इस निर्णय की सराहना की जा रही है। अपने प्रियजन को खोने के गहरे दुख के बीच परिजनों ने उनके संकल्प को पूरा कर समाज के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। नेत्रदान के माध्यम से लोकेंद्र श्रीमाल मृत्यु के बाद भी दो लोगों के जीवन में रोशनी लाने का माध्यम बनेंगे। लोकेंद्र श्रीमाल का अचानक निधन उनके परिवार, मित्रों, परिचितों और अधिवक्ता समुदाय के लिए अपूरणीय क्षति है। एक ओर उनके जाने से परिवार में शोक है, वहीं दूसरी ओर उनके नेत्रदान के संकल्प ने दो जरूरतमंद लोगों के जीवन में नई आशा जगाई है।



रेलवे इंजीनियर 45 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार, ठेकेदार के 30 कर्मचारियों को काम



महानगर मेट्रो ब्यूरो

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी में रेलवे विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को 45 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है। पश्चिम मध्य रेलवे के न्यू कटनी जंक्शन पर पदस्थ वरिष्ठ अनुभाग अभियंता अजयवीर सिंह पर ठेकेदार के 30 कर्मचारियों को काम से नहीं हटाने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की जबलपुर स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद जाल बिछाया और कथित तौर पर रिश्वत की रकम लेते ही अधिकारी को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को विशेष न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 12 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अजयवीर सिंह न्यू कटनी जंक्शन पर वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (विद्युत-यांत्रिक) के पद पर तैनात थे। आरोप है कि उन्होंने ठेकेदार शशांक कुशवाहा के 30 कर्मचारियों को काम पर बनाए रखने के बदले प्रति कर्मचारी 1,500 रुपये की मांग की थी। इस हिसाब से कुल 45 हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। ठेकेदार ने अधिकारी की इस कथित मांग को लेकर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद जांच एजेंसी ने मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने से संबंधित आरोपों की पुष्टि होने पर अधिकारी को पकड़ने की योजना बनाई गई। इसके लिए स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में कार्रवाई की तैयारी की गई और शिकायतकर्ता पक्ष को निर्धारित रकम उपलब्ध कराई गई। 5 नवंबर की रात कटनी पुलिस लाइन में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया। शिकायतकर्ता के पिता तेजराम कुशवाहा को रिश्वत की रकम के रूप में 500 रुपये के 90 नोट दिए गए थे। जैसे ही उन्होंने 45 हजार रुपये की यह रकम अजयवीर सिंह को सौंपी, पहले से तैयार टीम ने मौके पर दबिश देकर उन्हें पकड़ लिया। इस कार्रवाई के दौरान स्वतंत्र गवाह भी मौजूद थे। एजेंसी ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की। गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की टीम आरोपी अजयवीर सिंह को जबलपुर लेकर पहुंची। वहां उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। इसके बाद उसे विशेष न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

दोस्त की 20 साल की बेटी से शादी की जिद, इनकार पर 47 साल के शख्स ने उठाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां 47 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति संदीप अपने दोस्त की 20 वर्षीय बेटी से शादी करना चाहता था। युवती के इनकार करने के बाद उसने फैक्ट्री परिसर में आत्मघाती कदम उठा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस को मौके से एक पत्र भी मिला है, जिसमें संदीप ने युवती से दोस्ती टूटने को अपनी मौत की वजह बताया है। हालांकि, युवती ने पुलिस को बताया कि उसका संदीप के साथ कोई रिश्ता नहीं था। मृतक की पहचान संदीप के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर का रहने वाला था। उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। पुलिस के अनुसार, संदीप अक्सर अपने एक दोस्त के घर आता-जाता था। इसी दौरान उसकी पहचान दोस्त की बेटी से हुई। युवती दिल्ली के वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में बर्तन बनाने वाली एक फैक्ट्री में काम करती थी और दिल्ली में अकेली रहती थी। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, संदीप युवती को अक्सर फोन करता था। हालांकि, कुछ समय से युवती ने उससे बातचीत करना बंद कर दिया था। बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर संदीप परेशान था। गुरुवार को वह दिल्ली पहुंचा और शुक्रवार को पेट्रोल लेकर युवती की फैक्ट्री पहुंच गया। वहां उसने युवती के सामने शादी करने की इच्छा जताई, लेकिन युवती ने इससे इनकार कर दिया। पुलिस के अनुसार, युवती के शादी से इनकार करने के बाद संदीप ने खुद को आग लगा ली। घटना के समय फैक्ट्री में मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत सहायता के लिए कदम उठाया। उन्होंने आग बुझाने के बाद संदीप को उपचार के लिए दीपचंद बंधु अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। पुलिस को संदीप द्वारा छोड़ा गया एक पत्र भी मिला है। इसमें उसने दावा किया कि युवती ने उससे दोस्ती खत्म कर ली थी और इसी बात को उसने अपनी मौत की वजह बताया। दूसरी ओर, युवती ने पुलिस को स्पष्ट किया कि संदीप के साथ उसका कोई रिश्ता नहीं था। पुलिस दोनों पक्षों से मिली जानकारी और मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।



दिल्ली उच्च न्यायालय से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को राहत, कृत्रिम तस्वीरें और वीडियो हटाने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से दायर मुकदमे में अंतरिम राहत देते हुए सोशल मीडिया मंचों से कथित आपत्तिजनक पोस्ट हटाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से तैयार किए गए कथित रूप से भ्रामक चित्रों और वीडियो के साथ-साथ आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया खातों पर प्रकाशित मानहानिकारक सामग्री के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा, गरिमा और व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की थी। यह मामला न्यायमूर्ति मनोज जैन की एकल पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। मुख्यमंत्री की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता समीर रोहतगी ने अदालत में दलील दी कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई तस्वीरें और वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं। उनके अनुसार, इन सामग्री में मुख्यमंत्री को कथित तौर पर शराब विक्रेता, फेरीवाले और सामान पहुंचाने वाले कर्मचारी के रूप में दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सामग्री से मुख्यमंत्री की सार्वजनिक छवि, प्रतिष्ठा और गरिमा प्रभावित हो रही है। मुख्यमंत्री के वकील ने अदालत को बताया कि यदि मामले की तत्काल सुनवाई नहीं हुई और आवश्यक अंतरिम निर्देश जारी नहीं किए गए तो कथित आपत्तिजनक सामग्री का प्रसार और बढ़ सकता है। उन्होंने दलील दी कि कुछ राजनीतिक दलों से जुड़े सत्यापित सोशल मीडिया खातों के माध्यम से भी ऐसी सामग्री साझा की जा रही है। यदि इसे समय रहते नहीं रोका गया तो बड़ी संख्या में लोग इसे देख और साझा कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में बाद में मिलने वाली कानूनी राहत का प्रभाव सीमित रह सकता है। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए सोशल मीडिया से संबंधित आपत्तिजनक पोस्ट हटाने का निर्देश दिया। इस आदेश का उद्देश्य ऐसी सामग्री के लगातार प्रसार को रोकना और मुकदमे के अंतिम निर्णय तक मुख्यमंत्री को तत्काल राहत उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री की ओर से दायर मुकदमे में केवल मौजूदा पोस्ट हटाने की मांग ही नहीं की गई है, बल्कि कृत्रिम रूप से तैयार किए गए चित्रों और वीडियो को बनाने तथा प्रसारित करने पर स्थायी रोक लगाने की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि ऐसी सामग्री और उसकी सभी उपलब्ध प्रतियों को हटाया जाए, ताकि उसका आगे प्रसार न हो सके। इसके साथ ही सामग्री तैयार करने और साझा करने वाले अज्ञात लोगों की पहचान करने की मांग भी की गई है।



दिल्ली पुलिस ने 50 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में मुख्य आरोपी को दबोचा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। में साइबर ठगी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें जालसाजों ने कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारी की पहचान और तस्वीर का इस्तेमाल कर संस्थान के अकाउंटेंट से 50 लाख रुपये ठग लिए। ठग ने खुद को वरिष्ठ अधिकारी बताकर अकाउंटेंट को संदेश भेजा और तत्काल रुपये हस्तांतरित करने के लिए कहा। अधिकारी की पहचान पर भरोसा करते हुए अकाउंटेंट ने बताई गई रकम बैंक खाते में भेज दी। हालांकि, शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ की साइबर इकाई ने तेजी से कार्रवाई करते हुए ठगी की पूरी रकम बैंक खाते में रुकवा दी। साथ ही मामला दर्ज होने के महज दो दिन के भीतर मुख्य आरोपी को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में एक शैक्षणिक संस्था के सचिव की ओर से शिकायत दी गई थी। यह संस्था दिल्ली के नरेला क्षेत्र में एक महाविद्यालय का संचालन करती है। शिकायत में बताया गया कि साइबर ठगों ने संस्था के एक वरिष्ठ अधिकारी की पहचान और तस्वीर का गलत इस्तेमाल करते हुए कॉलेज के अकाउंटेंट को निशाना बनाया। आरोपी ने संदेश भेजकर खुद को अधिकारी के रूप में प्रस्तुत किया और तत्काल 50 लाख रुपये हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। अकाउंटेंट ने इसे वरिष्ठ अधिकारी का आदेश समझकर रकम भेज दी। शिकायत के आधार पर 27 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ की आईएफएसओ इकाई में इलेक्ट्रॉनिक प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद पुलिस ने बैंक लेनदेन से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू की। शुरुआती पड़ताल में पता चला कि ठगी की रकम एक बैंक में संचालित एन.एस. ट्रेडर्स नामक फर्म के खाते में भेजी गई थी। पुलिस ने संबंधित बैंक खाते और उसमें हुए लेनदेन की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस ने बैंक खाते के स्वामी और फर्म के मालिक की पहचान की। यह खाता गाजियाबाद के लोनी निवासी 33 वर्षीय नौशाद के नाम से जुड़ा पाया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने उसकी तलाश शुरू की और 29 अक्टूबर को गाजियाबाद से उसे गिरफ्तार कर लिया। इस तरह प्राथमिकी दर्ज होने के दो दिन के भीतर पुलिस मुख्य आरोपी तक पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान आरोपी ने इस वारदात में अन्य लोगों की भूमिका से जुड़ी जानकारी भी दी है।



तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को पीछे से मारी जोरदार टक्कर, घायल को सड़क पर छोड़कर फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का एक मामला सामने आया है। इचलकरंजी क्षेत्र के कबनूर चौक पर तेज रफ्तार टाटा पंच कार ने बाइक सवार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक ने मौके पर रुककर घायल की मदद करना भी उचित नहीं समझा और उसे सड़क पर छोड़कर कार सहित फरार हो गया। इस पूरी घटना का घटनाक्रम पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। घटना का दृश्य सामने आने के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और वाहन चालकों की जिम्मेदारी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे इचलकरंजी-कबनूर मार्ग पर हुई। खोतवाड़ी निवासी सुशांत शेवाले अपनी बाइक से इस मार्ग से गुजर रहे थे। जब वह कबनूर चौक के पास पहुंचे, उसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रही टाटा पंच कार ने उनकी



बाइक को टक्कर मार दी। बताया गया है कि कार शिरढोण निवासी आशिष माणगावे की थी। अचानक पीछे से हुई टक्कर के कारण बाइक सवार संभल नहीं सके और सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों का ध्यान घायल बाइक सवार की ओर गया। लेकिन कार चालक ने वाहन रोककर उनकी स्थिति जानने या उन्हें अस्पताल पहुंचाने का प्रयास नहीं किया। इसके बजाय वह घटनास्थल से फरार हो गया। दुर्घटना में घायल सुशांत शेवाले को उपचार के लिए ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद घायल को तत्काल सहायता देने के बजाय चालक के मौके से चले जाने को लेकर नाराजगी जताई जा रही है। इस दुर्घटना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। कैमरे में कार और बाइक के बीच हुई टक्कर के साथ-साथ दुर्घटना के बाद कार चालक के वहां से निकलने का घटनाक्रम भी कैद हुआ है। इस दृश्य के सामने आने से दुर्घटना से जुड़े घटनाक्रम की जांच में पुलिस को मदद मिल सकती है। हालांकि, मामले में पुलिस की जांच के बाद ही दुर्घटना की पूरी परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी। घटना के संबंध में शिवाजीनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और कार चालक के मौके से चले जाने के मामले में आगे क्या कार्रवाई की जानी है। सीसीटीवी में दर्ज दृश्य भी जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इस घटना ने इचलकरंजी-कबनूर मार्ग पर सड़क सुरक्षा की व्यवस्था और वाहन चालकों की लापरवाही को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय स्तर पर इस मार्ग पर पहले भी दुर्घटनाएं होने की जानकारी सामने आती रही है। बीते सितंबर में इसी रास्ते पर सड़क के से बचने की कोशिश के दौरान एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। उस हादसे में 16 वर्ष के दो छात्र गंभीर रूप से घायल हुए थे। लगातार सामने आ रही दुर्घटनाओं के कारण इस मार्ग पर सुरक्षित आवागमन को लेकर चिंता जताई जा रही है। स्थानीय लोगों के लिए यह घटना एक बार फिर सड़क पर सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की जरूरत को रेखांकित करती है। तेज गति से वाहन चलाना न केवल चालक बल्कि सड़क पर चल रहे दूसरे लोगों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। दुर्घटना होने पर घायल व्यक्ति को तत्काल सहायता मिलना भी जरूरी है। फिलहाल पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी में दर्ज घटनाक्रम के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट में नाम जुड़ने के मामले में नया मोड़, शिकायतकर्ता को और सबूत देने की मिली परमिशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से जुड़े मतदाता सूची विवाद में दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने नया आदेश दिया है। अदालत ने शिकायतकर्ता अधिवक्ता विकास त्रिपाठी को मामले में अतिरिक्त दस्तावेज और सबूत पेश करने की अनुमति दे दी है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद जोशी की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर को निर्धारित की है। शिकायतकर्ता की ओर से अदालत में और दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा गया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया। यह मामला सोनिया गांधी का नाम भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से पहले मतदाता सूची में दर्ज होने के आरोपों से जुड़ा है। शिकायतकर्ता अधिवक्ता विकास त्रिपाठी का आरोप है कि सोनिया गांधी का नाम वर्ष 1980 में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल किया गया था, जबकि उन्होंने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता प्राप्त की थी। शिकायत के अनुसार, वर्ष 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया और वर्ष 1983 में दोबारा जोड़ दिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि नाम



दोबारा शामिल किए जाने के समय भी सोनिया गांधी को भारतीय नागरिकता प्राप्त नहीं हुई थी। इसी आधार पर उन्होंने अदालत में शिकायत दर्ज कराकर मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में सितंबर 2026 में सत्र न्यायालय ने पहले दिए गए मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को निरस्त कर दिया था। इससे पहले मजिस्ट्रेट अदालत ने सोनिया गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था। शिकायतकर्ता ने इस फैसले को सत्र न्यायालय में चुनौती दी थी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने अपील स्वीकार करते हुए कहा था कि पहले दिया गया आदेश पर्याप्त कारणों पर आधारित नहीं था और उसमें एक अप्रमाणित छायाप्रति दस्तावेज पर भरोसा किया गया था। सत्र न्यायालय ने मामले को दोबारा विचार के लिए मजिस्ट्रेट अदालत में भेज दिया था। साथ ही संबंधित पुलिस अधिकारी से स्थिति रिपोर्ट मंगाने और उसका पक्ष सुनने के बाद कारण सहित नया आदेश पारित करने के निर्देश दिए थे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि शिकायत पर नए सिरे से विचार करने की जिम्मेदारी मजिस्ट्रेट अदालत की होगी। मामले में सोनिया गांधी की ओर से इन आरोपों का विरोध किया गया है। उनकी ओर से आरोपों को राजनीति से प्रेरित, निराधार और गलत तथ्यों पर आधारित बताया गया है। उनका पक्ष है कि नागरिकता से जुड़े मामलों का अधिकार केंद्र सरकार के अधीन है, जबकि मतदाता सूची तैयार करने और उसका रखरखाव करने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है। उन्होंने शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों के समर्थन में पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत नहीं किए जाने की बात भी कही है। अदालत की ओर से शिकायतकर्ता को अतिरिक्त दस्तावेज पेश करने की अनुमति मिलने के बाद अब मामले में आगे की सुनवाई 18 नवंबर को होगी। इस दौरान शिकायतकर्ता की ओर से प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज और पुलिस की स्थिति रिपोर्ट महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि, अदालत के ताजा आदेश का अर्थ यह नहीं है।

दिवाली से पहले महाराष्ट्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, झेप्टो-ब्लिंकिट समेत 105 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दिवाली के त्योहार से पहले महाराष्ट्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। राज्यभर में चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले 105 खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। इस कार्रवाई में छोटे प्रतिष्ठानों के साथ-साथ कई चर्चित खाद्य ब्रांड और ऑनलाइन सामान पहुंचाने वाली कंपनियों के प्रतिष्ठान भी शामिल हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने 4 और 5 नवंबर को राज्यभर में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया था। इस दौरान खाद्य पदार्थों के भंडारण, गुणवत्ता और कारोबार से जुड़ी निर्धारित शर्तों की जांच की गई। निरीक्षण के बाद नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर अलग-अलग प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अकेले मुंबई में 28 खाद्य कारोबारियों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। कार्रवाई की जद



में झेप्टो के वर्ली स्थित प्रतिष्ठान और ब्लिंकिट का संचालन करने वाली ब्लिंक कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड भी आई है। इसके अलावा बिरयानी बाय किलो, टॉसिन पिज्जा के वर्ली स्थित प्रतिष्ठान और जंबो बर्गर जैसे खाद्य प्रतिष्ठानों पर भी विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग ने केवल लाइसेंस निलंबित करने तक ही कार्रवाई सीमित नहीं रखी, बल्कि गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर राज्य के 7 प्रतिष्ठानों को पूरी तरह बंद करने का आदेश भी जारी किया है। इनमें पुणे के 3, अमरावती के 2 तथा मुंबई और कोंकण क्षेत्र के एक-एक प्रतिष्ठान शामिल हैं। मुंबई के बोरीवली स्थित राजधानी बिरयानी सेंटर को खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के नियमों का उल्लंघन पाए जाने के बाद बंद करने का आदेश दिया गया है। प्रशासन की ओर से की गई इस कार्रवाई का उद्देश्य खाद्य पदार्थों की बिक्री और आपूर्ति से जुड़े नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। इसी अभियान के तहत नागपुर के कामठी मार्ग स्थित डी-मार्ट के प्रतिष्ठान पर भी कार्रवाई की गई। यहां लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन पाए जाने पर परिष्कृत सोयाबीन तेल जब्त किया गया। अधिकारियों ने राज्यभर में 69 से अधिक प्रतिष्ठानों से 1 करोड़ 35 लाख रुपये से ज्यादा मूल्य का खाद्य भंडार जब्त किया है। अधिकारियों को संदेह है कि जब्त किए गए खाद्य पदार्थ असुरक्षित या मिलावटी हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर विभाग की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है। प्रतिबंधित खाद्य उत्पादों के खिलाफ चलाए गए अभियान में 3 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 2 वाहनों को भी जब्त किया गया। यह कार्रवाई दर्शाती है कि विभाग खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से ले रहा है।

पति से झगड़ा हुआ तो पत्नी गुस्सा हो गई... घर से निकलकर झील में लगा दी छलांग, रेस्क्यू टीम ने तुरंत बचाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में शुक्रवार रात एक ऐसी घटना सामने आई, जिसमें समय रहते की गई बचाव कार्रवाई से 32 वर्षीय महिला की जान बचा ली गई। पति के साथ हुए विवाद के बाद परेशान होकर अमरावती से ठाणे पहुंची महिला तलाव पाली झील में चली गई। घटना के समय झील के आसपास तैनात जीवनरक्षक कर्मियों की नजर उस पर पड़ गई। उन्होंने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया और महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शुक्रवार 6 नवंबर की रात करीब 9:20 बजे हुई। महिला तलाव पाली झील के पास पहुंची थी। कुछ ही देर बाद वह झील के पानी में चली गई। उस समय वहां तैनात जीवनरक्षक कर्मियों ने उसे देख लिया और बिना समय गंवाए बचाव कार्य शुरू कर दिया। उनकी तत्परता के चलते महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों में भी हलचल मच गई थी। हालांकि, बचावकर्मियों ने स्थिति को संभालते हुए महिला को समय पर सहायता उपलब्ध कराई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, महिला महाराष्ट्र के अमरावती की



रहने वाली है। पति के साथ विवाद होने के बाद वह काफी परेशान थी। इसी विवाद के बाद वह अमरावती से ठाणे पहुंची थी। अधिकारियों ने बताया कि महिला मानसिक तनाव से गुजर रही थी। हालांकि, पति-पत्नी के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था, इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी पता नहीं चल पाया है कि महिला ठाणे कब पहुंची थी और वहां किसके पास आई थी। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि महिला मूल रूप से अमरावती की रहने वाली है और पति के साथ हुए विवाद के बाद ठाणे आई थी। वह काफी तनाव में थी। घटना के बाद बचावकर्मियों ने महिला को झील से बाहर निकालकर उसकी स्थिति की जांच की। अधिकारियों के मुताबिक, महिला को किसी तरह की चोट नहीं आई थी और उसे सुरक्षित बचा लिया गया। बचाव अभियान पूरा होने के बाद महिला को नौपाड़ा पुलिस के हवाले कर दिया गया। फिलहाल पुलिस उससे पूरे घटनाक्रम के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला अमरावती से ठाणे किन परिस्थितियों में पहुंची थी और घटना से पहले उसके साथ क्या कुछ हुआ था। पति-पत्नी के बीच हुए विवाद की वजह भी जांच का विषय है। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। त्योहारों और व्यस्त दिनचर्या के बीच सार्वजनिक स्थानों पर तैनात बचावकर्मियों की सतर्कता इस घटना में महत्वपूर्ण साबित हुई। तलाव पाली झील के पास मौजूद जीवनरक्षक दल ने समय रहते स्थिति को पहचान लिया और तत्काल सहायता पहुंचाई। यदि उनकी नजर महिला पर नहीं पड़ती, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। फिलहाल महिला सुरक्षित है और पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जानकारी जुटा रही है।

शरद पवार ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज, चेस्ट इंफेक्शन का चल रहा था इलाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। 85 वर्षीय शरद पवार की तबीयत में सुधार होने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें घर जाने की अनुमति दे दी। उन्हें सीने में संक्रमण, खांसी और सांस से जुड़ी परेशानी के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उनकी हालत स्थिर बनी हुई थी और चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा था। अब अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उनका आगे का उपचार घर पर ही जारी रहेगा। चिकित्सकों के अनुसार, शरद पवार उपचार पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उनकी सेहत में लगातार सुधार हो रहा था। स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का निर्णय लिया। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उनके स्वास्थ्य से जुड़े सभी जरूरी पहलुओं पर लगातार नजर रखी गई। चिकित्सकों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर थी और उपचार का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा था। शरद पवार को सबसे पहले 2 नवंबर को पुणे के रुबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। उस समय उन्हें खांसी और सीने में दर्द की शिकायत थी। चिकित्सकों ने उनकी आवश्यक जांच की और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए कुछ समय तक निगरानी में रखा। जांच के बाद उनकी हालत स्थिर बताई गई थी। इसके बाद 4 नवंबर को उन्हें रुबी हॉल क्लिनिक से छुट्टी दे दी गई। पुणे से मुंबई पहुंचने के बाद उन्हें आगे की जांच और उपचार के लिए ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने जांच के दौरान सीने और सांस से संबंधित संक्रमण की जानकारी दी। उन्हें ब्रोंकाइटिस जैसी परेशानी भी थी। इसके बाद विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार शुरू किया गया। अस्पताल में उनके स्वास्थ्य की स्थिति पर लगातार नजर रखी गई और दवाओं के माध्यम से संक्रमण तथा सांस से जुड़ी परेशानी को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। ब्रीच कैंडी अस्पताल में शरद पवार का उपचार चिकित्सक प्रतीत समदानी की देखरेख में चल रहा था। चिकित्सक ने बताया कि शरद पवार को स्थिर स्वास्थ्य स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दी गई है। उन्हें ब्रोंकाइटिस का दौरा और सीने में संक्रमण हुआ था, लेकिन अब दोनों समस्याओं में सुधार हो रहा है। चिकित्सकों ने सलाह दी है कि उनका उपचार घर पर भी जारी रखा जाए और स्वास्थ्य को लेकर जरूरी सावधानियां बरती जाएं। 85 वर्ष की उम्र को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें कुछ अतिरिक्त निर्देश भी दिए हैं। अस्पताल से छुट्टी मिलने का अर्थ यह नहीं है कि उपचार पूरी तरह समाप्त हो गया है, बल्कि अब उनकी सेहत की निगरानी और जरूरी चिकित्सा व्यवस्था घर पर ही जारी रहेगी।



मतदाता सूची से कटे नाम जुड़वाने के लिए चुनाव आयोग ने दिया एक और मौका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर हो गए हैं, उनके लिए चुनाव आयोग ने एक और राहत भरा फैसला लिया है। आयोग ने ऐसे मतदाताओं को दोबारा अपना नाम जुड़वाने का अवसर देने के निर्देश जारी किए हैं, जिनके गणना प्रपत्र जारी होने के बावजूद वापस जमा नहीं हो पाए थे। इस फैसले से दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड के मतदाताओं को लाभ मिल सकेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा उन लोगों के लिए है, जिनका नाम पहले मतदाता सूची में दर्ज था, लेकिन विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान किसी कारण से हट गया या प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया। दरअसल, विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान कुछ मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे नामांकन वाली श्रेणी में रखा गया था। इन श्रेणियों को संक्षेप में एएसडीडी कहा जाता है। ऐसे मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र जारी किए गए थे, लेकिन कई मामलों में ये प्रपत्र वापस प्राप्त नहीं हुए। इसके कारण संबंधित लोगों के नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जा सके। अब चुनाव आयोग ने ऐसे मतदाताओं को दोबारा अवसर देने का फैसला किया है, ताकि वास्तविक मतदाताओं को केवल प्रक्रिया संबंधी कारणों से मतदान के अधिकार से वंचित न रहना पड़े। आयोग के निर्देशों के अनुसार, बूथ स्तरीय अधिकारी ऐसे मतदाताओं तक दोबारा पहुंच सकते हैं। इसके अलावा संबंधित व्यक्ति दावा-आपत्ति की प्रक्रिया के दौरान भी अपना आवेदन देकर नाम शामिल कराने की मांग कर सकता है। हालांकि, यह सुविधा उन लोगों को नहीं मिलेगी, जिनका नाम कभी भी मतदाता सूची में दर्ज नहीं रहा है। आयोग का यह निर्णय केवल उन मतदाताओं के लिए है, जिनके नाम पहले सूची में मौजूद थे और पुनरीक्षण के दौरान बाहर हो गए। इस फैसले के पीछे दिल्ली में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर उठे सवालों को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण से पहले करीब 1 करोड़ 45 लाख मतदाता दर्ज थे। 31 अगस्त को जारी प्रारूप मतदाता सूची में लगभग 97 लाख 53 हजार नाम शामिल किए गए। इस तरह करीब 47 लाख 57 हजार नाम प्रारूप सूची से बाहर रह गए। इतनी बड़ी संख्या में नाम शामिल नहीं होने के बाद प्रक्रिया को लेकर सवाल उठने लगे थे। सर्वोच्च न्यायालय ने 29 अक्टूबर को दिल्ली में पुनरीक्षण की प्रक्रिया में जल्दबाजी को लेकर सवाल उठाए थे। इसके अगले ही दिन चुनाव आयोग ने संबंधित प्रक्रिया की समयसीमा बढ़ाने का निर्णय लिया था। बिहार में भी विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटने को लेकर राजनीतिक विवाद हुआ था। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि कई जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि कुछ ऐसे लोगों को अनुपस्थित या स्थानांतरित बता दिया गया।



बिड़लासॉफ्ट को मिले नए सीईओ व एमडी

नई दिल्ली ।

बिड़ला समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी बिड़लासॉफ्ट ने अपने शीर्ष नेतृत्व में अहम बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को अनुभवी माधवन हरिहरन को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया। हरिहरन 8 दिसंबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह अंगन गुहा का स्थान लेंगे, जो अब विप्रो में अमेरिका-2 रणनीतिक बाजार इकाई का नेतृत्व करने जा रहे हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक, माधवन हरिहरन ने पहले बिड़लासॉफ्ट में समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने रणनीतिक प्राथमिकताएं तय करने और कंपनी के प्रदर्शन में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाई थी। बिड़लासॉफ्ट की चेयरपर्सन अमिता बिड़ला ने कहा कि समूह में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाओं और कारोबारी बदलाव लाने की उनकी क्षमता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है।

अगले हफ्ते विदेशी निवेश, कच्चे तेल और महंगाई पर रहेगी निवेशकों की नजर

विदेशी निवेशकों की बंपर खरीदारी और ब्रेंट क्रूड में भारी गिरावट से बाजार में ऐतिहासिक तेजी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में संवत 2082 के आखिरी कारोबारी हफ्ते में जोरदार तेजी देखने को मिली, जहां निफ्टी करीब 8.6 फीसदी चढ़कर 25,030.35 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में करीब 8.8 फीसदी और बैंक निफ्टी में करीब 8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने प्रमुख सूचकांकों को लगातार सातवें सत्र में मजबूती प्रदान की। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की धमाकेदार वापसी हुई, जिन्होंने कुल 45,960 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह दस हफ्तों की लगातार बिकवाली के बाद आया एक बड़ा बदलाव है, जो निवेशकों के बदलते रुख का संकेत देता है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान 24,197 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। बाजार की इस तेजी को कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट से भी सहारा मिला। ब्रेंट क्रूड 12 फीसदी से ज्यादा गिरकर 97-98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिसका मुख्य कारण अमेरिका में सकारात्मक संकेतों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदें रहीं। कच्चे तेल की यह गिरावट भारत के लिए राहत की बात है, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत पर दबाव कम हो सकता है। तकनीकी रूप से बाजार मजबूत स्थिति में है, निफ्टी अपने सभी महत्वपूर्ण एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले हफ्ते की तेज बढ़त के बाद बाजार में कुछ समय के लिए उतार-चढ़ाव या मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है।

लाभांश की बहार- अगले हफ्ते 67 कंपनियों के शेयर देंगे लाभांश

9 से 13 नवंबर के बीच निवेशकों को कमाई का मौका

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक शानदार अवसर बन रहा है। 9 से 13 नवंबर के बीच कुल 67 कंपनियां अपने शेयरों को पूर्व-लाभांश करने जा रही हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया, ओएनजीसी और ऑरोबिंदो फार्मा जैसी कई दिग्गज कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को आकर्षक लाभांश का तोहफा देंगी। इस लाभांश बहार में बायर क्रॉपसाइंस सबसे ज्यादा 90 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने वाली है। सप्ताह की शुरुआत 9 नवंबर को डाबर इंडिया (3.50 रुपए) सहित कुछ कंपनियों के शेयरों के पूर्व-लाभांश होने के साथ होगी। इसके बाद, 11 नवंबर को ऑरोबिंदो फार्मा (7रुपए) और डॉ. लाल पैथलैब्स (5 रुपए) समेत कुल 19 कंपनियां सूची में शामिल होंगी। 12 नवंबर को हिंदुस्तान यूनिलीवर, बायर क्रॉपसाइंस, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के शेयर भी पूर्व-लाभांश हो जाएंगे। वहीं 13 नवंबर को ग्रेट ईस्टर्न शिपिंगसमेत सबसे अधिक कंपनियां लाभांश बांटेंगी। जानकारों के अनुसार, लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को पूर्व-लाभांश तिथि से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदना चाहिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर खरीदारी करने वाले निवेशक लाभांश के हकदार नहीं होते हैं। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि केवल लाभांश के लिए निवेश करने के बजाय, कंपनी की आर्थिक स्थिति, शेयर का मूल्यांकन और भविष्य की विकास संभावनाओं का भी आकलन करना महत्वपूर्ण है।

नवंबर की धमाकेदार शुरुआत! शेयर बाजार ने दिखाया दम,निवेशक मालामाल

सेंसेक्स 81,000 और निफ्टी 25,000 के पार, सप्ताहभर में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

मुंबई ।

नवंबर 2026 का पहला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने अभूतपूर्व तेजी दर्ज करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के परिणाम और विदेशी निवेशकों की मजबूत खरीदारी के दम पर पूरे सप्ताह बाजार में शानदार रौनक देखने को मिली, जिससे निवेशकों का उत्साह चरम पर रहा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को धमाकेदार रही, जब अमेरिकी-ईरान वार्ता में सफलता की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को शुरुआती तेजी दी।

सेंसेक्स 1,233 अंक से अधिक चढ़कर 75,692.78 पर और निफ्टी 387.70 अंक की बढ़त के साथ 23,440.80 पर बंद हुआ।

मंगलवार और बुधवार को भी यह तेजी बरकरार रही। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के सकारात्मक परिणामों खासकर डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा ब्लू स्वीप के संकेत तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारी निवेश ने बाजार के माहौल को पूरी तरह बदल दिया। कच्चे तेल की कीमतों में



लगातार नरमी ने भी बाजार को सहारा दिया, जिससे बुधवार को सेंसेक्स 77,219.65 और निफ्टी 23,911.70 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार में रिकॉर्ड-तोड़ उछाल देखने को मिली, जब सेंसेक्स 2,000 से अधिक अंक चढ़कर 79,310.01 पर और निफ्टी 24,536.60 पर बंद हुआ। अमेरिकी चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की हार से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के अनुमानों ने भी बाजार को अतिरिक्त बल दिया। धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को भी तेजी का सिलसिला जारी रहा और भारतीय शेयर बाजार ने एक नया इतिहास रच दिया।

अब बायोमेट्रिक, वोटर आईडी होगा पहचान का नया आधार

पशुपालन और डेयरी मंत्री ने दिए संकेत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार अपनी विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों की पहचान और भुगतान के लिए आधार कार्ड की जगह बायोमेट्रिक पहचान और वोटर आईडी (ई पिक) नंबर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने इस संबंध में संकेत दिए हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला या आधिकारिक नियम जारी नहीं किया है। पंचायती राज मंत्रालय की कार्यशाला में मंत्री सिंह ने कहा कि अब भुगतान का आधार केवल आधार कार्ड नहीं रहेगा। उन्होंने आधार बनाने की सुलभ प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए लाभार्थियों की पहचान के लिए अन्य विकल्पों पर विचार की आवश्यकता जताई। उनका कहना था कि आधार कार्ड आसानी से बन जाते हैं, जिससे वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने में चुनौती आ सकती है। वर्तमान में पीएम किसान, पीएम आवास योजना और वृद्धावस्था पेंशन जैसी कई सरकारी योजनाओं में पहचान व भुगतान के लिए आधार का उपयोग होता है। मंत्री के बयान के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि नई व्यवस्था किन योजनाओं में और कब लागू होगी। हालांकि, सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है। इसलिए, जब तक कोई आधिकारिक घोषणा न हो, लाभार्थियों को अपने आधार संबंधी दस्तावेजों में कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं है और मौजूदा नियमों के अनुसार ही उन्हें योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने जुटाए 632 करोड़

छोटे शहरों के निवेशकों ने दिखाई मजबूत दिलचस्पी

नई दिल्ली ।

कार्नेलियन म्यूचुअल फंड की पहली स्कीम, कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए निवेशकों से 632 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय संग्रह किया है। 30 अक्टूबर 2026 को बंद हुए इस एनएफओ को देशभर के निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहरों से आई 45 फीसदी भागीदारी ने खासा ध्यान आकर्षित किया है, जो लंबी अवधि के निवेश के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। फंड हाउस के अनुसार, इस एनएफओ को कुल 30,562 आवेदन मिले, जिनमें से प्रत्येक का औसत आकार करीब 2.07 लाख रुपये रहा। लगभग 21 फीसदी आवेदन सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के लिए मिले, जो निवेशकों के लंबी अवधि के निवेश रुझान को रेखांकित करता है। इस एनएफओ में देश के सभी राज्यों के निवेशकों ने हिस्सा लिया और इसे 275 शहरों के 1,430 वितरकों का समर्थन मिला।

निवेशकों को यूनिट का आवंटन 5 नवंबर 2026 को किया गया है, जबकि स्कीम में 9 नवंबर 2026 से दोबारा खरीद-बिक्री शुरू हो जाएगी। निवेशकों से मिले अच्छे रिस्पॉन्स पर, फंड हाउस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का आकार बढ़ाने के बजाय निवेश प्रक्रिया की गुणवत्ता बनाए रखने को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि खासकर स्मॉलकैप सेगमेंट में टिकाऊ विकास की क्षमता वाली कंपनियों की पहचान के लिए गहन मूल्यांकन और सही वैल्यूएशन



अहम हैं। इस रणनीति के तहत, स्कीम ने स्मॉलकैप सेगमेंट में निवेश संबंधी लचीलापन बनाए रखने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की अधिकतम एयूएम सीमा तय की है। इस सीमा तक पहुंचने के बाद नए एकमुश्त निवेश और दूसरी स्कीमों से स्विच के जरिए आने वाले निवेश बंद हो जाएंगे, जबकि एसआईपी के जरिए निवेश जारी रहेगा। फंड हाउस के संस्थापक और चेयरमैन के अनुसार, भारत में आर्थिक बदलाव के दौर में उभरते कारोबार, नए क्षेत्रों और खास कारोबारी मॉडल वाली कंपनियों में निवेश के बड़े अवसर हैं, जिनमें से कई भविष्य में बाजार की अग्रणी कंपनियां बन सकती हैं। यह ओपन-एंडेड स्कीम अपनी कुल एयूएम का 65 से 100 फीसदी हिस्सा स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े निवेश विकल्पों में लगाएगी।

एनएसई, ऑगमोंट के ईजीआर खंड में पहले दिन 33 करोड़ से अधिक का कारोबार

निवेशकों को डीमैट के जरिए भौतिक सोना रखने व लेने का विकल्प

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने एकीकृत स्वर्ण मंच ऑगमोंट के साथ मिलकर शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद (ईजीआर) में लाइव कारोबार शुरू किया। इस नए वित्तीय उत्पाद को निवेशकों ने शानदार प्रतिक्रिया दी, पहले ही दिन इसमें 33.11 करोड़ रुपए के सफल सौदे हुए। यह भारत में भौतिक सोने को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को कुल 2,27,444 अनुबंधों का कारोबार हुआ, जिनका कुल मूल्य 33.11 करोड़ रुपए रहा। कारोबार के दौरान कीमतें 1,450.50 रुपए से 1,465 रुपए प्रति 100 मिलीग्राम (0.1 ग्राम) के दायरे में व्यवस्थित तरीके से रहीं। प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद 100 मिलीग्राम भौतिक सोने के बराबर होती है, जिसे सेबी विनियमित भंडारगृहों में सुरक्षित रखा जाता है। निवेशक अपने डीमैट खातों के



माध्यम से इन रसीदों की खरीद-बिक्री कर सकते हैं। साथ ही, निर्धारित नियमों के तहत उनके पास इन रसीदों के बदले भौतिक सोना प्राप्त करने का विकल्प भी है।

यह खंड टी प्लस1 निपटान चक्र का पालन करता है, जिससे सौदों का निपटान अगले कारोबारी दिन होता है।

बीएसएनएल और वीआईएल के बीच नेटवर्क साझा समझौता

12-13 नए सर्किलों में लागू होगी यह व्यवस्था

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के साथ 12-13 नए दूरसंचार सर्किलों में इंटर-सर्किल रोमिंग (आईसीआर) समझौता करने की योजना बनाई है। एक सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी, जिससे दोनों कंपनियों के ग्राहकों को उन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का बेहतर सिग्नल मिल पाएगा, जहां उनकी मौजूदा सेवा प्रदाता कंपनी का नेटवर्क कमजोर है। इस समझौते से दोनों कंपनियों को लाभ होगा। सूत्र के अनुसार पहले से ही दो-तीन सर्किलों में यह व्यवस्था लागू है और अब इसे विस्तार दिया जा रहा है। बीएसएनएल अपने 4जी नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके तहत उसे 26,000 नए मोबाइल टावर लगाने की मंजूरी मिली है। वहीं वोडाफोन आइडिया, जिसमें सरकार सबसे बड़ी शेयरधारक है, अपने 45,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए कर्ज जुटाने का प्रयास कर रही है। यह समझौता दोनों कंपनियों के नेटवर्क की पहुंच को बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

एनबीएफसी के सोने व उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का कर्ज 50 फीसदी बढ़ा

सोने के आभूषणों पर कर्ज 66 फीसदी से अधिक बढ़कर 3.74 लाख करोड़ पहुंचा

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा सोने के आभूषणों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए दिए गए कर्ज में सितंबर 2026 में 50 प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो इन क्षेत्रों में मजबूत ऋण वृद्धि का संकेत देती है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 में सोने के आभूषणों के बदले दिया गया बकाया कर्ज 66.1 प्रतिशत बढ़कर 3.74 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले यह 2.25 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए एनबीएफसी का कर्ज 54.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 77,896 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष सितंबर में 50,411 करोड़ रुपए था। कुल मिलाकर, सितंबर 2026 में एनबीएफसी का कुल कर्ज 15.4 प्रतिशत बढ़कर 61.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 53.46 लाख करोड़ रुपए था। विभिन्न क्षेत्रों में ऋण वृद्धि का मिलाजुला रुझान देखने को मिला। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए कर्ज में 17.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई, जो पिछले साल 5.2 प्रतिशत थी। हालांकि, उद्योग क्षेत्र की कर्ज वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत से घटकर 7.4 प्रतिशत रह गई और सेवा क्षेत्र की वृद्धि भी 23 प्रतिशत से घटकर 17.3 प्रतिशत पर आ गई, जबकि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त बनी रही।

पश्चिम बंगाल की नई निवेश नीति में उद्योगों को जमीन सीधे खरीदने की छूट

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए अपनी नई निवेश प्रोत्साहन नीति पेश की है। इसका मुख्य लक्ष्य उद्योगों को जमीन मालिकों से सीधे भूमि खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कदम राज्य में औद्योगिक भूमि की कमी और पिछले भूमि अधिग्रहण विवादों (जैसे सिंगूर-नंदीग्राम) को देखते हुए उठाया गया है। नई नीति में, 500 एकड़ जमीन सीधे खरीदने वाले उद्योगों को रणनीतिक और मेगा परियोजना का दर्जा आसानी से मिलेगा, जबकि सरकारी आवंटन पर यह सीमा 1000 एकड़ है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार किसानों से जबरन जमीन का अधिग्रहण नहीं करेगी, लेकिन उद्योगपतियों को जमीन की व्यवस्था में अकेला भी नहीं छोड़ेगी। सरकार औद्योगिक भूमि की कमी दूर करने के लिए भूमि पूलिंग (जमीन मालिक स्वेच्छा से जमीन देंगे और विकसित भूखंड वापस मिलेंगे) और अप्रयुक्त औद्योगिक भूखंडों को वापस लेने जैसे वैकल्पिक उपायों पर भी विचार कर रही है। इसके तहत, कंपनियों को आवंटित जमीन पर तीन साल के भीतर उत्पादन शुरू करना अनिवार्य होगा, विफल होने पर आवंटन रद्द हो सकता है। सीधी खरीद के लिए वित्तीय सहायता हेतु हुडको और नाबार्ड जैसे संस्थानों से भी संपर्क किया जाएगा।

दिवाली पर बंपर कारोबार, व्यापारियों को 5 लाख करोड़ का मुनाफा होने की उम्मीद

दिल्ली में 80 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान, ऑटो सेक्टर में 55 फीसदी उछाल

नई दिल्ली ।

इस साल दिवाली का त्योहार देशभर के व्यापारियों के लिए शानदार कारोबार के अवसर लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अनुमान लगाया है कि इस त्योहारी सीजन में पूरे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त व्यापार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत और अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। सीटीआई के एक अ धिकारी ने विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, कार डीलर्स और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस दिवाली सीजन में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, ऑटोमोबाइल सेक्टर में खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें थ्री-व्हीलर में 110 प्रतिशत और निजी वाहनों में 70 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़े, रेडीमेड गारमेंट्स, मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसे क्षेत्रों में भी जोरदार कारोबार की उम्मीद है। इस बार भारतीय उत्पादों, जैसे मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प को विशेष प्राथमिकता मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनुमान है कि दिवाली के दौरान लगभग 5 करोड़ उपहारों का आदान-प्रदान भी होगा। दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को हुए 14 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई भी इस बंपर खरीदारी से होने की उम्मीद है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग और लाजपत नगर जैसे प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है, जिससे त्योहारी उत्साह चरम पर है।

भारती एयरटेल ने जियो को पछाड़ा, बनी देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

शेयरों में तेजी से एयरटेल का मार्केट कैप बढ़ा, जियो फिसला

मुंबई ।



भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का मुकाम हासिल कर लिया है। यह बदलाव एयरटेल के शेयरों में उछाल और जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट के कारण हुआ। कारोबार के अंत में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर लगभग 13.08 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जियो प्लेटफॉर्म्स 12.94 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया। शुक्रवार को भारती एयरटेल के शेयर 1.66 फीसदी की बढ़त के साथ 2,096.25 रुपए पर बंद हुए, वहीं जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 0.90 फीसदी गिरकर 1,405.75 रुपए पर आ गए। यह बदलाव 28 अक्टूबर के बाद हुआ है, जब जियो प्लेटफॉर्म्स ने यह दूसरा स्थान हासिल किया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज 17.83 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष पांच में एचडीएफसी बैंक (चौथे) और आईसीआईसीआई बैंक (पांचवें) भी शामिल हैं। भारती एयरटेल की इस उपलब्धि के पीछे उसके मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को अहम माना जा रहा है। कंपनी का तिमाही मुनाफा सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़ा है और प्रति ग्राहक औसत राजस्व में भी सुधार दर्ज किया गया है, जिसने उसके शेयरों को मजबूती दी है। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट ने उसकी रैंकिंग को प्रभावित किया।

भारत में जल्द लॉन्च होगी होंडा की पहली इलेक्ट्रिक कार अल्फा

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में होंडा कंपनी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार उतारने की तैयारी कर रही है। इस बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी का वैश्विक पदार्पण 2 दिसंबर को भारत में किया जाएगा। इस कार का नाम होंडा अल्फा होगा। कंपनी की घोषणा के अनुसार, होंडा इस कार का निर्माण राजस्थान के टपूकड़ा स्थित अपने संयंत्र में करेगी, जिससे यह संयंत्र इस मॉडल के लिए एक वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकता है। होंडा अल्फा को कंपनी के 0 अल्फा कॉन्सेप्ट के आधार पर तैयार किया जा रहा है, जिसे अक्टूबर 2025 में प्रदर्शित किया गया था।

विशेषज्ञों के अनुसार, नई एसयूवी में कॉन्सेप्ट के विशिष्ट डिजाइन को काफी हद तक बरकरार रखा जाएगा, जिसमें एक लगभग सीधा खड़ा पिछला डिजाइन, मोटा सी-पिलर और एक बड़ा पिछला शीशा शामिल होगा। आगे के हिस्से में रोशनी वाला होंडा लोगो और चार्जिंग पोर्ट दिए जाने की संभावना है।

तकनीकी विवरणों का खुलासा अभी नहीं किया गया है, लेकिन जानकारों के अनुसार, इसे लगभग 65 किलोवाट-घंटे से 75 किलोवाट-घंटे की क्षमता वाले दो एलएफपी बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। शुरुआत में इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर और आगे के पहियों को शक्ति देने वाली व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। केबिन के अंदर एक बड़ी टचस्क्रीन और चालक के लिए एक डिजिटल डिस्प्ले दी जा सकती है। इसमें तीन स्पोक वाला फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और वातानुकूलन व हवादार सीटों जैसी सुविधाओं को नियंत्रित करने के लिए भौतिक बटन भी मिलेंगे।

धार्मिक ग्रंथों में दीपावली का महत्व

दीपोत्सव का वर्णन प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। दीपावली से जुड़े कुछ रोचक तथ्य हैं जो इतिहास के पन्नों में अपना विशेष स्थान बना चुके हैं। इस पर्व का अपना ऐतिहासिक महत्व भी है, जिस कारण यह त्योहार किसी खास समूह का न होकर संपूर्ण राष्ट्र का हो गया है।



धर्म की दृष्टि से दीपावली के त्योहार का ऐतिहासिक महत्व है। अनेक धर्मग्रंथ दीपावली का ऐतिहासिक महत्व हमें बतलाते हैं। आइए जानते है दीपावली से जुड़े धार्मिक तथ्य...।

* विष्णु ने तीन पग में तीनों लोकों को नाप लिया। राजा बलि की दानशीलता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक का राज्य दे दिया, साथ ही यह भी आश्वासन दिया कि उनकी याद में भू लोकवासी प्रत्येक वर्ष दीपावली मनाएंगे।

महाप्रतापी तथा दानवीर राजा बलि ने अपने बाहुबल से तीनों लोकों पर विजय प्राप्त कर ली, तब बलि से भयभीत देवताओं की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण कर प्रतापी राजा बलि से तीन पग पृथ्वी दान के रूप में मांगी। महाप्रतापी राजा बलि ने भगवान विष्णु की चालाकी को समझते हुए भी याचक को निराश नहीं किया और तीन पग पृथ्वी दान में दे दी।

* त्रेतायुग में भगवान राम जब रावण को हराकर अयोध्या वापस लौटे तब उनके आगमन पर दीप जलाकर उनका स्वागत किया गया और खुशियां मनाई गईं।

* कार्तिक अमावस्या के दिन सिखों के छठे गुरु हरगोविन्दसिंहजी बादशाह जहांगीर की कैद से मुक्त होकर अमृतसर वापस लौटे थे।

* बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध के समर्थकों एवं अनुयायियों ने 2500 वर्ष पूर्व गौतम बुद्ध के स्वागत में हजारों–लाखों दीप जलाकर दीपावली मनाई थी।

* कृष्ण ने अत्याचारी नरकासुर का वध दीपावली के एक दिन पहले चतुर्दशी को किया था। इसी खुशी में अगले दिन अमावस्या को गोकुलवासियों ने दीप जलाकर खुशियां मनाई थीं।

* 500 ईसा वर्ष पूर्व की मोहनजोदड़ो सभ्यता के प्राप्त अवशेषों में मिट्टी की एक मूर्ति के अनुसार उस समय भी दीपावली मनाई जाती थी। उस मूर्ति में मातृ–देवी के दोनों ओर दीप जलते दिखाई देते हैं।

* अमृतसर के स्वर्ण मंदिर का निर्माण भी दीपावली के ही दिन शुरू हुआ था।

* जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर ने भी दीपावली के दिन ही बिहार के पावापुरी में अपना शरीर त्याग दिया। महावीर–निर्वाण संवत? इसके दूसरे दिन से शुरू होता है। इसलिए अनेक प्रांतों में इसे वर्ष के आरंभ की शुरुआत मानते हैं।

* यह भी कथा प्रचलित है कि जब श्रीकृष्ण ने आततायी नरकासुर जैसे दुष्ट का वध किया तब ब्रजवासियों ने अपनी प्रसन्नता दीपों को जलाकर प्रकट की।

* राक्षसों का वध करने के लिए मां देवी ने महाकाली का रूप धारण किया। राक्षसों का वध करने के बाद भी जब महाकाली का क्रोध कम नहीं हुआ तब भगवान शिव स्वयं उनके चरणों में लेट गए। भगवान शिव के शरीर स्पर्श मात्र से ही देवी महाकाली का क्रोध समाप्त हो गया। इसी की याद में उनके शांत रूप लक्ष्मी की पूजा की शुरुआत हुई। इसी रात इनके रौद्ररूप काली की पूजा का भी विधान है।

* मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर दीपावली को त्योहार के रूप में मनाते थे और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेते थे।

* शाह आलम द्वितीय के समय में समूचे शाही महल को दीपों से सजाया जाता था एवं लाल किले में आयोजित कार्यक्रमों में हिन्दू–मुसलमान दोनों भाग लेते थे।

* पंजाब में जन्मे स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ। इन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय ओम कहते हुए समाधि ले ली।

* महर्षि दयानन्द ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया। इन्होंने आर्य समाज की स्थापना की।

* दीन–ए–इलाही के प्रवर्तक मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में दौलतखाने के सामने 40 गज ऊंचे बांस पर एक बड़ा आकाशदीप दीपावली के दिन लटकाया जाता था। बादशाह जहाँगीर भी दीपावली धूमधाम से मनाते थे।

* सम्राट विक्रमादित्य का राज्याभिषेक दीपावली के दिन हुआ था। इसलिए दीप जलाकर खुशियां मनाई गईं।

* ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में रचित कौटिल्य अर्थशास्त्र के अनुसार कार्तिक अमावस्या के अवसर पर मंदिरों और घाटों (नदी के किनारे) पर बड़े पैमाने पर दीप जलाए जाते थे।

परिवार संग करें देवी पूजन

कहते हैं कि माता के शरण में सच्चे मन से जो भी व्यक्ति जाता है। उसकी सारी समस्याओं का निवारण हो जाता है। वैसे भी लक्ष्मी का आशीर्वाद मनुष्य को केवल संपन्न ही नहीं बनाता, बल्कि परिवार में खुशियां भी ले कर आता है। इस बार परिवार के सभी सदस्य मिलकर कैसे मनाएं लक्ष्मी जी को आइए जानते हैं।

श्रीसूक्त में लक्ष्मीजी को 'विश्व प्रिये, विष्णु मनोनुकूले' कहकर सम्बोधित किया गया है। इसका अर्थ है कि लक्ष्मी का आशीर्वाद कौन नहीं पाना चाहता? धन वैभव किसे नहीं चाहिए? लक्ष्मी के आशीर्वाद से घर में पैसा आता है और सुख भी। लक्ष्मी का आशीर्वाद और विष्णु भगवान की अनुकूलता से घर में सुख-शांति और समृद्धि हमेशा बनी रहती है। दीपावली की रात पारिवारिक दृष्टि से सुख-समृद्धि व व्यापारियों के लिये लाभ और प्रगति के लिए अलग-अलग मुहूर्तों पर पूजा करने का प्रावधान है। पारिवारिक समृद्धि के लिये प्रदोष काल यानी शाम को दो घंटे में वृषभ लग्न में पूजा करने का प्रावधान है, जबकि व्यापारियों के लिये आधी रात में पड़ने वाला सिह लग्न का मुहूर्त उत्तम माना गया है। रात में की गई पूजा का फल सबसे अच्छा होता है।



व्यापार में सफलता दिलाती है लक्ष्मी पूजा

आज के इस आधुनिक दुनिया में हर व्यक्ति किसी ना किसी रूप से परेशान है ही। इसमें सबसे ज्यादा परेशानी होती है। कमाई की समस्या। किसी को नौकरी नहीं मिलती तो किसी का व्यावसाय नहीं चलता। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं और यदि बहुत मेहनत करने के बाद भी आप को सही फल नहीं मिल रहा है व व्यापार में लगातार लाभ नहीं हो पा रहा है, तो इस प्रयोग से आप लक्ष्मीजी को प्रसन्न करने में कामयाब रहेंगे। दीपावली की शाम को 16 गोमती चक्र गुलाब जल से धोकर लाल चन्दन वाले पानी में डुबा दें। श्रीं श्रीं श्रीं कमले कमलालये विष्णु वल्लभायै धन समृद्धि प्रदायै महालक्ष्म्यै श्रीं श्रीं श्रीं मंत्र से धूप-दीप अर्पित करें। मंत्र का जाप करें। गोमती चक्र को अपने प्रतिष्ठान में लगाएं। इससे आपको लाभ मिलेगा।

सिह लग्न में लक्ष्मीजी की पूजा

यह पूजा आधी रात को व्यापारियों द्वारा अपने प्रतिष्ठान में संपन्न कराई जाती है। गणेश पूजन के बाद कमल गट्टा और अन्य जड़ी-बूटियों के साथ लक्ष्मीजी का आह्वान किया जाता है। सबके साथ मिलकर 'कनकधारा स्त्रोत ' तथा 'श्लूह्र लृद्द' का पाठ कर लक्ष्मी जी का अभिषेक करें और आरती कर सभी कर्मियों में प्रसाद बांटें। अपने बहीखाते का सरस्वती के रूप में पूजन करें। लिखने के लिये प्रयुक्त की जाने वाली कलम या स्याही की बोतल का मां काली के रूप में पूजन करें। प्रतिष्ठान के द्वार पर गणेश जी की पूजा करें और शुभ लाभ अंकित करें।

गोवर्धन पूजा से प्रसन्न होंगे भगवान श्रीकृष्ण

गोवर्धन पूजा के दिन सुबह आम की लकड़ी के पाटे पर गाय के गोबर से छोटे पहाड़ बनाएं। दोनों पहाड़ों की धूप,दीप चन्दन आदि से पूजा करें और घर के द्वार पर लगा कर फिर से पूजा करें। इससे भगवान कृष्ण की कृपा से जीवन में स्थिरता प्राप्त होती है।

मंगल देवताया

मां लक्ष्मी का पंचामृत से श्रीसूक्त का पठन करते हुए अभिषेक करें। चंचलाये नमः, चपलाये नमः मंत्रों का उच्चारण करते हुए लक्ष्मी की पूजा करें। अष्ट लक्ष्मी का पूजन भी करें। श्रृंगार सामग्री, धूप, दीप भोग अर्पित करने के बाद आरती करें और सबको प्रसाद बांटें। दीप जलाना ना भूलें।

भाई की लम्बी उम्र की प्रार्थना

भाई दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। शास्त्रों में वर्णन है कि यम द्वितीया को मृत्यु के देवता। अपनी बहन यमुना से मिलने आते हैं। इसीलिये यमुना के तट पर पूजा का बहुत महत्ता है। इस दिन अपने भाई का चन्दन, रोली से टीका कर आरती करें। भाई की दीर्घायु हेतु प्रार्थना करें। भाई के साथ भगवान शिव के भी दर्शन करें।



दीपावली की रात कुछ ऐसे मिलते हैं संकेत



दीपावली की रात देवी लक्ष्मी धरती पर आती हैं। इस रात जिस घर पर देवी की कृपा हो जाती है उनके लिए पूरा वर्ष सुखद रहता है। धन आगमन एवं लाभ का स्रोत बना रहता है।

भौतिक सुख के साधन एवं स्थायी संपत्ति में इजाफा होता है। शकुन शास्त्र एवं प्राचीन मान्यताओं के अनुसार दीपावली की रात कुछ ऐसे संकेत मिलते हैं जिससे आप जान सकते हैं कि इस वर्ष आप पर लक्ष्मी की कृपा हुई है।

दीवारों पर दिख जाए छिपकली

दीवारों पर दौड़ती हुई छिपकली आपको यूं तो अक्सर दिख जाएगी। लेकिन दीपावली की रात छिपकली का दिखना बड़ा ही दुर्लभ होता है। इस रात अगर आपको छिपकली दिख जाए तो यह बड़ा ही अच्छा शगुन होता है। यह लक्ष्मी की कृपा का सूचक माना गया है।

परिणाम स्वरूप उत्साह और ध्यान से काम कर सकेंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा। सप्ताह के अंत में आर्थिक आयोजन में प्रारंभिक अवरोध के बाद सफलता मिलेगी। निवेशकार सावधानीपूर्वक निवेश करें, मित्रों- शुभेच्छकों के मिलने से आप को आनंद होगा। व्यवसायक्षेत्र में सहयोगभरा माहौल रहेगा। दोस्तों, भाई-बंधुओं और पड़ौसियों के साथ संबंध मनमेल भरे रहेंगे। नए कार्यों की शुरूआत कर सकते हैं।

बिल्ली घर में आए तो किस्मत खुल जाए

घर में घुसकर बिल्ली अक्सर दूध पी जाती है और आप इससे दुःखी हो जाते हैं। लेकिन दीपावली की रात अगर बिल्ली घर में आ जाए तो जश्न मनाना चाहिए। यह धन वृद्धि का सूचक होता है।

बिल्ली को नकारात्मक उर्जा का संचार करने वाला जीव माना गया है लेकिन दीपावली की रात घर की छत पर बिल्ली आकर मल त्याग करे तो इसे स्थायी लक्ष्मी की प्राप्ति का संकेत मानना चाहिए।

प्रार्थना करें उल्लू दिख जाए

देवी लक्ष्मी का वाहन उल्लू माना गया है। माना जाता है कि दीपावली की काली अमावस रात में देवी लक्ष्मी अपने वाहन पर बैठकर भ्रमण करती हैं। इसलिए इस दिन उल्लू का दिखना बहुत ही शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इस दिन उल्लू का दिखना देवी लक्ष्मी की कृपा से ही संभव होता है।

साल भर धनागमन बना रहता है

छछुंदर जमीन के अंदर बिल बनाकर रहता है। यह रात के समय घरों में घुसकर बिखरे अनाज और दूसरे खाद्य पदार्थों को खाकर पेट भरता है।

दीपावली की रात अगर छछुंदर घर में आ जाए तो इसे भी शुभ संकेत समझना चाहिए इससे साल भर धनागमन बना रहता है।

दीपावली के दिन गिरा हुआ अथवा कहीं से अटका हुआ धन का मिलना भी शुभ शगुन माना गया है। इस दिन उपहार मिलना भी शुभ शगुन माना गया है। इसलिए दीपावली के दिन एक दूसरे को उपहार देने का रिवाज है। इस खर्च के कारण जेब हल्की होने पर भी आप आनंदित रहेंगे। सप्ताह के अंत में स्थिति थोड़ी प्रतिकूल होने के कारण सरकारी मामलों में सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से उलझने से बचें। विरोधी और शत्रु सक्रिय रहेंगे। आप आध्यात्म के मार्ग से मन की शांति पा सकते हैं। गहन चिंतन से आप खुद की कमियों को दूर कर पाएंगे।

सप्ताह के मध्य में ग्रहदशा सुधरने से आपका मन हलका होगा। पड़ोसियों के साथ संबंध मिठास भरा रहेगा। घर में मित्रों और स्नेहीजनों का आगमन आनंददायी होगा। यात्रा होने की भी संभावना है। भाग्यवृद्धि के योग हैं। सप्ताह के अंत में आप के स्वभाव में भावुकता ज़्यादा रहेगी। भविष्य सुरक्षित करने के लिए दीर्घकालिक निवेश करने का उत्तम समय है। माता की ओर से ज़्यादा प्रेम का अनुभव होगा।

मखाना का भोग

लक्ष्मी मैया को मखाना प्रिय है। इसका कारण यह है कि लक्ष्मी माता जल से प्रकट हुई हैं। मखाना भी जल में पलता बढ़ता है, यानि जल से जन्म लेता है। सागर को मथने के बाद जैसे लक्ष्मी उत्पन्न हुई थीं उसी प्रकार मखाना भी जल में एक कठोर आवरण में ढ़का रहता है।

संक्षिप्त समाचार

अल्काराज की शानदार जीत सेमीफाइनल में जगह बनाई



पेरिस, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें। अल्काराज से मुकाबले से पहले एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 11वें स्थान पर रहे फ्रिट्ज को नौवें स्थान पर रहने वाले जोडार को पछाड़कर एटीपी फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने के लिए स्पेन के खिलाड़ी को हराना था, जो इटली के ट्यूरिन में इनाल्पी एरिना में होगा। जोडार पहले ही राउंड ऑफ 32 में पेरिस से बाहर हो गए थे। अब जोडार, जो इस सीजन में अपना पहला फुल-टाइम टूर-लेवल डेब्यू कर रहे हैं, क्वालिफिकेशन पाने वाले आखिरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले, फ्रांसेस टियाफो साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले सातवें खिलाड़ी बने थे, जब टॉमी पॉल पेरिस क्वार्टर में बेन शेल्टन से हारकर अपना मौका गंवा बैठे थे। इस बीच, अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। वह मैच में 36-7 (10) और 3-5 से पीछे थे और अपनी सर्व पर एक मैच पॉइंट का सामना कर रहे थे, इससे पहले कि उन्होंने एक शानदार पॉइंट जीतकर स्कोर 4-5 कर दिया।

देसिंघु ने जीता 200 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की 16 वर्षीय तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले वह 100 मीटर फ्रीस्टाइल में भी कांस्य जीत चुकी हैं। इसके साथ ही वह यूथ ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। भारत की युवा तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने शुक्रवार को लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही 16 वर्षीय धिनिधि ने इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले धिनिधि ने लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था। इस तरह उन्होंने यूथ ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस वैश्विक युवा खेल आयोजन में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एक से अधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। धिनिधि ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में 2 मिनट 2.28 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की एम चांग ने 1 मिनट 59.59 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि क्रोएशिया की एना बोबानोविच ने 2 मिनट 1.17 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया। खास बात यह है कि 200 मीटर फ्रीस्टाइल धिनिधि की मुख्य स्पर्धा है। ऐसे में उन्होंने अपनी पसंदीदा स्पर्धा में भी पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। दो कांस्य पदकों के साथ धिनिधि ने भारतीय तैराकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

शमी को टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद

मोहम्मद शमी के संन्यास पर बोले भारत के गेंदबाजी कोच

तेज गेंदबाज ने कहा था- सफेद जर्सी से विदा ले रहा हूं, उससे जुड़ी यादों से नहीं

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्नी मार्कल ने कहा कि जब वह भारतीय टीम से गेंदबाजी कोच के तौर पर जुड़े तो शुरूआती दिनों में टीम की सोच और भारतीय भाषा को समझने में मोहम्मद शमी की मौजूदगी से उन्हें काफी मदद मिली। शमी ने शुक्रवार (6 नवंबर) को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

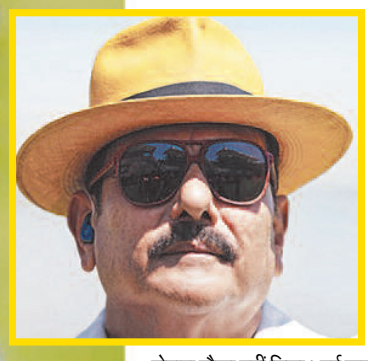
मोर्कल 2024 में भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच बने थे। उन्हें टेस्ट प्रारूप में शमी के साथ काम नहीं किया, लेकिन 2025 की शुरूआत में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान उन्हें यह मौका मिला। मोर्कल ने मैच से पूर्व इंटरव्यू में मेजबान प्रसारक सोनी स्पोर्ट्स से कहा , 'मैं खुशकिस्मत हूं कि जब मैने भारतीय टीम के साथ शुरूआत की तब शमी टीम का हिस्सा थे। काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और भारतीय भाषा को समझने में उन्होंने मेरी काफी मदद की। उन्हें टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद है।'

शमी ने सभी फॉर्मेट्स को मिलाकर कुल 462 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं, जिनमें टेस्ट में 229 और वनडे में 206 विकेट शामिल हैं। हालांकि, शमी कुछ और समय तक बंगाल के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट और आईपीएल खेलना जारी रखेंगे। मोर्केल इस बात से खुश हैं कि शमी अभी भी पूरी शिद्दत के साथ घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। मोर्केल ने कहा, 'मेरा मतलब है कि वह अभी भी घरेलू क्रिकेट में काफी ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं और यह देखना वाकई बहुत अच्छा लगता है। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर अपने 13 साल के सफर पर विराम लगा दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। मोहम्मद शमी ने 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए।



मोहम्मद शमी को मौका नहीं मिलने से निराश हूं: रवि शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने टीम इंडिया के टेस्ट सेटअप से मोहम्मद शमी को नजरअंदाज करने के फैसले पर सवाल उठाया है। शास्त्री ने कहा कि शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित की है। शास्त्री ने शमी को मौके न मिलने पर निराशा जताई, और अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के बावजूद फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनके काम के बोझ की ओर इशारा किया। शमी, जो सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत के सबसे सक्षम तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं, बंगाल के लिए नियमित तौर पर खेलते रहे हैं, और उन्होंने गेंदबाजी की बड़ी जिम्मेदारियां निभाई। शास्त्री को लगा कि इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए तेज गेंदबाज की तैयारी का अंदाजा लगाने में उन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत दी जानी चाहिए थी। भारत के पूर्व हेड कोच ने कहा कि मैचों के दौरान लंबे स्पैल तक टिके रहने की एक गेंदबाज की क्षमता ही उसकी फिटनेस का असली पैमाना होनी चाहिए। शास्त्री ने दूसरे वनडे से पहले सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर बात करते हुए कहा, 'अगर आप मैच में 10 या 12 ओवर नहीं कर सकते तो जिम में फिट रहने का क्या मतलब है? यहां, आपके पास एक मेहनती खिलाड़ी है जो आपके लिए गेंदबाजी कर रहा है। इसलिए, मैं थोड़ा निराश हूं कि उन्हें दोबारा मौका नहीं मिला। पूर्व कप्तान ने कहा, 'शमी का घरेलू काम का बोझ इस बात का काफी सबूत है कि वह कॉम्पिटिटिव क्रिकेट की फिजिकल जरूरतों को संभाल सकता है। टीमों को मुश्किल इंटरनेशनल सीजन के दौरान खास खिलाड़ियों के चोटिल होने का सामना करना पड़ता है, तो एक अनुभवी तेज गेंदबाज का होना कितना जरूरी है।'



'स्मैट' के लिए क्रुणाल की कप्तानी में बड़ौदा टीम का ऐलान



बड़ौदा, एजेंसी। बड़ौदा ने टी20 फॉर्मेट की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) के लिए क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में अपनी टीम की घोषणा कर दी। इस टीम में हार्दिक पंड्या को जगह नहीं मिली है। टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू हो रहा है। क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में घोषित बड़ौदा की टीम में जितेश शर्मा, दीपक हुड्डा और रसिख सलाम जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। हार्दिक आईपीएल 20260 के बाद से ही कई चोटों की वजह से मैदान से बाहर हैं। आईपीएल के दौरान पीठ में ऐंठन होने के बाद से हार्दिक ने अपना ज्यादातर समय बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में बिताया है। उन्होंने आखिरी बार 24 मई को आईपीएल में खेला था। ऑलराउंडर को हाल ही में अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए की टीम में चुना गया था, लेकिन पिंडली में नई चोट के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया था।

पैरालंपिक में तीन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला अवनि

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पैरा एथलीटों में अवनि लेखरा का नाम काफी सम्मान के साथ लिया जाता है। रविवार को 25 साल की हो रही अवनि ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर निशानेबाजी में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। अवनि लेखरा का जन्म 8 नवंबर 2001 को जयपुर (राजस्थान) में हुआ था। जब वह 11 साल की थीं, तो एक दुर्घटना के चलते कमर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड इंजरी हो गई। इस हादसे के बाद अवनि का जीवन पूरी तरह बदल गया। उन्हें व्हीलचेयर के सहारे आगे का जीवन जीना था। जीवन को मुश्किल बनाने वाली इस परेशानी के बावजूद अवनि ने हिम्मत नहीं हारी और कुछ बड़ा करने का सपना देखा। अवनि के पिता का मानना था कि अगर उन्हें किसी खेल से जोड़ा जाए, तो उनकी मानसिक स्थिति थोड़ी ठीक रहेगी और उनका मन बहलेगा। इसी वजह से उन्होंने बेटी को शूटिंग शुरू करने के लिए कहा। हादसे के तीन साल बाद अवनि ने शूटिंग में अपना करियर बनाने का दृढ़ संकल्प ले लिया था। वह बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले अभिनव बिंद्रा से प्रेरित थीं।



2020 टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.6 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। वह पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी पैरालंपिक में उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन एसएच 1 में ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किया। अवनि ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में भी गोल्ड मेडल जीता था। अवनि ने 2024 पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.7 अंक के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। अवनि लेखरा पैरालंपिक गेम्स में 2 गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

सीए ने ख्वाजा के सैंडपेपर गेट वाले दावों का दिया जवाब कहा- हम नतीजों से खुश हैं

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2018 के साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान सैंडपेपर गेट की घटना पर उस्मान ख्वाजा के चौंकाने वाले दावों का जवाब दिया है। इस घटना ने क्रिकेट की दुनिया को हिलाकर रख दिया था। ख्वाजा, जो अपनी आने वाली किताब 'सब्र' में इस घटना के बारे में विस्तार से बताएंगे, ने खुलासा किया है कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को केपटाउन टेस्ट में सैंडपेपर गेट के बारे में पता था और पिछले टेस्ट मैच में भी इसका इस्तेमाल किया गया था। पूर्व ओपनर के दावों का जवाब देते हुए, सीए ने कहा कि उन्हें दी गई जानकारी पर ठीक से सोचा गया था और वे अपने नतीजों से खुश हैं। बयान में कहा गया, '2018 के केपटाउन टेस्ट के बाद से आठ वर्षों में बहुत सारे अंदाजे लगाए गए हैं, जिसमें पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में हुई सीरीज के दौरान मीडिया में बहुत ज्यादा कवरेज भी शामिल है। इस दौरान कोई भी जरूरी जानकारी देने का मौका मिलता रहा है, और यह अभी भी वैसा ही है। सीए को अब तक दी गई सभी जरूरी जानकारी पर ठीक से विचार किया गया है, और हम अपनी नतीजों से खुश हैं।' ख्वाजा ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को दिए एक साक्षात्कार में बताया है कि सैंडपेपर गेट के बारे में पूरी टीम को पता था। इस मामले के बारे में माना जाता है कि तब के कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट इस घटना में शामिल थे। बैनक्रॉफ्ट ने गेंद पर वो चीज लगाई थी। इसे टेस्ट मैच के विजुअल्स में देखा जा सकता है।

घटना के बाद स्मिथ और वॉर्नर पर इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट में खेलने से एक साल का बैन लगाया गया, जबकि बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का बैन लगाया गया। इसके अलावा, स्मिथ से कहा गया कि वह दो साल तक ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी नहीं कर सकते। वॉर्नर पर इंटरनेशनल और ऑस्ट्रेलियन डोमेस्टिक क्रिकेट में लाइफटाइम लीडरशिप बैन लगा, जिसे 2024 में हटा दिया गया। ख्वाजा ने इस घटना पर बात करते हुए कहा कि वह सच सामने नहीं लाना चाहते, उन्हें लगता है कि यह अब तक सामने आ गया होगा। एक आदर्श दुनिया में, मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मैं वह नहीं बनना चाहता जो सामने आकर सच के बारे में बात करे। उन्होंने कहा, 'मुद्दा यह है कि मुझे सच में लगा था कि आठ साल बाद अब तक सच सामने आ गया होगा।' ख्वाजा ने यह भी दावा किया कि साउथ अफ्रीकी टीम गेंद के साथ काम करने में कहीं बेहतर थी और वे उनके साथ बने रहने की कोशिश कर रहे थे।





बाल-बाल बची टीम इंडिया!

भारत ने जीता दूसरा वनडे

बारिश ने न्यूजीलैंड की उम्मीदों पर फेरा पानी, सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में डकवर्थ लुईस नियम के हिसाब से चार रन से जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, 135 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की हालत खराब हो गई थी। टीम ने 26 ओवर में सात विकेट गंवाकर 113 रन बनाए थे और उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। तभी बारिश ने मुकाबले में खलल डाल दिया। काफी इंतजार के बावजूद खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका। ऐसे में डकवर्थ लुईस नियम के तहत भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया। एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की उम्मीद करने लगी थी, लेकिन बारिश ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। काइल जेमीसन और जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट लेकर भारतीय पारी को झकझोर दिया। मैट फिशर को एक सफलता मिली। जेमीसन ने खास तौर पर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने श्रेयस अय्यर को शॉर्ट गेंद पर कैच आउट कराया।

DLS के तहत चार रन आगे था भारत

बारिश के कारण जब मुकाबला रोका गया, तब भारत को 126 गेंद में 22 रन बनाने थे। हालांकि, डकवर्थ लुईस नियम के तहत उस समय भारत का पार स्कोर 109 रन था, जबकि टीम इंडिया सात विकेट के नुकसान पर 113 रन बना चुकी थी। यानी भारत निर्धारित मानक से चार रन आगे था। इसका मतलब था कि अगर बारिश के कारण आगे खेल नहीं हो पाता है तो भारत चार रन से मुकाबला जीत जाएगा। आखिरकार ऐसा ही हुआ। स्थानीय समय के हिसाब से रात 11 बजे मैच दोबारा शुरू कराने की अंतिम समय सीमा थी, लेकिन बारिश नहीं रुकी और मुकाबला आगे नहीं खेला जा सका।

गुरनूर की घातक गेंदबाजी, 134 रन पर सिमटा न्यूजीलैंड

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम को 134 रन पर समेट दिया था। डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए, जबकि कप्तान मिचेल सैंटनर ने 31 रन का योगदान दिया। हेनरी निकोल्स 11 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। भारत की ओर से गुरनूर बराड़ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। आकिब नबी, अंशुल कंबोज और अक्षर पटेल को दो-दो विकेट मिले। न्यूजीलैंड की टीम पहला वनडे भी गंवा चुकी थी। दूसरे मुकाबले में बारिश के कारण भारत को मिली जीत के साथ ही टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

लड़खड़ाई टीम इंडिया, 7 विकेट गंवाए

दरअसल, बारिश के कारण वेलिंग्टन में खेला गया यह दूसरा वनडे एक घंटे की देरी से शुरू हुआ था। सुबह साढ़े सात बजे की जगह मैच सुबह साढ़े आठ बजे शुरू हुआ था। अंपायर्स ने ओवर्स में कटौती भी की थी और मैच 47-47 ओवर का कर दिया गया था। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई थी। भारतीय टीम को जीत के लिए 135 रन का लक्ष्य मिला था। छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने

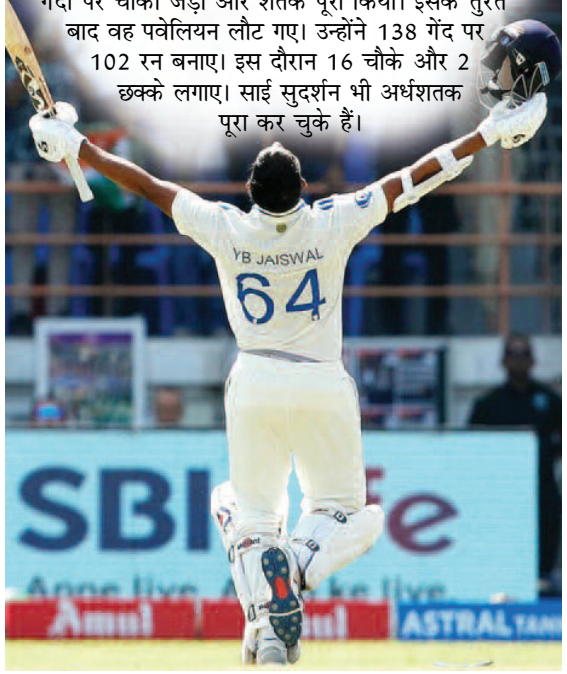
निराश किया और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। कप्तान शुभमन गिल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जबकि विराट कोहली सात रन ही बना सके। रोहित शर्मा ने 23 रन की पारी खेली, लेकिन वह भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। अक्षर पटेल सात रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी हुई। श्रेयस 46 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। नमन धीर ने 12 रन बनाए, जबकि अंशुल कंबोज एक रन बनाकर आउट हुए। बारिश के कारण खेल रुकने तक केएल राहुल 26 और आकिब नबी एक रन बनाकर नाबाद थे। भारत का स्कोर 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन था।

यशस्वी ने लगातार दूसरी पारी में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शनिवार से लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में यशस्वी जायसवाल ने शानदार शतक ठोका। यशस्वी जायसवाल का यह लगातार दूसी पारी में शतक है। इससे पहले दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक जड़ा था। उन्होंने 162 गेंद पर 15 चौके और 5 छक्के की मदद से नाबाद 155 रन बनाए थे।लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में न्यूजीलैंड ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर इंडिया ए को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के 46.3 ओवर में 175 रनों की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल शतक ठोकने के बाद आउट हो गए।

जायसवाल ने 138 गेंद पर 102 रन बनाए

यशस्वी जायसवाल ने डीन फॉक्सक्रॉफ्ट की गेंद पर चौका जड़कर शतक पूरा किया। उन्होंने 44वें ओवर में लगातार दो गेंदों पर चौका जड़ा और शतक पूरा किया। इसके तुरंत बाद वह पवेलियन लौट गए। उन्होंने 138 गेंद पर 102 रन बनाए। इस दौरान 16 चौके और 2 छक्के लगाए। साई सुदर्शन भी अर्धशतक पूरा कर चुके हैं।





एक्शन के साथ रिश्तों की कहानी भी कहेगी सनी स्टारर 'जाट 2'

सनी देओल की फिल्मों में एक्शन, डायलॉग और अन्याय के खिलाफ खड़े होने वाले किरदारों की खास पहचान रही है। अब 'जाट 2' को लेकर चर्चा है कि इस बार कहानी में उनके किरदार की निजी जिंदगी और परिवार को ज्यादा जगह मिल सकती है। इससे दर्शकों को उसके अतीत और रिश्तों के बारे में जानने का मौका मिल सकता है। फिल्म से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखने वाले सूत्र के मुताबिक, सीक्वल में मुख्य किरदार की पारिवारिक पृष्ठभूमि को विस्तार देने पर चर्चा है। हालांकि, मेकर्स ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। सफल एक्शन फिल्म का सीक्वल बनाते समय फिल्ममेकर्स के सामने चुनौती होती है कि पहले भाग का आकर्षण भी बना रहे और कहानी में कुछ नया भी हो। सिर्फ एक्शन बढ़ाने या पुराने फॉर्मूले को दोहराने से दर्शकों की उम्मीदें पूरी नहीं होतीं। 'जाट' में सनी देओल का अन्याय के खिलाफ खड़ा होना और विरोधियों से टकराना कहानी का अहम हिस्सा था। दूसरे भाग में भी यही अंदाज देखने को मिल सकता है, लेकिन कहानी को आगे बढ़ाने के लिए नया संघर्ष जरूरी होगा। अगर किरदार के अतीत, परिवार और निजी रिश्तों को जगह मिलती है, तो दर्शक उसके फैसलों की वजह भी बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। इससे फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक पहलू भी जुड़ सकता है।

सूत्र के संकेतों के मुताबिक...' दूसरे पार्ट में सनी देओल के किरदार की पारिवारिक पृष्ठभूमि को दिखाने के लिए पंजाब और हरियाणा जैसे इलाकों को कहानी में शामिल किया जा सकता है। इससे फिल्म का दायरा पहले भाग से अलग हो सकता है। परिवार और निजी जिम्मेदारियों को जगह मिलने पर किरदार के सामने आने वाले संघर्ष की वजहें भी सामने आ सकती हैं। नए भाग में किसी नए विलेन या प्रतिद्वंद्वी की जरूरत भी हो सकती है। हालांकि, अभी किसी नए विलेन के नाम या किरदार को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में यह देखना होगा कि फिल्म की कहानी किस तरह आगे बढ़ती है।'

'जाट 2' के निर्देशन को लेकर भी चर्चा रही है। निर्देशक राजकुमार संतोषी पहले ही साफ कर चुके हैं कि वह इस सीक्वल का निर्देशन नहीं कर रहे हैं। वहीं, सनी देओल चाहते हैं कि पहले पार्ट के निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी ही दूसरे भाग की कमान संभालें। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। सनी अब दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार्स की तरह अलग-अलग निर्देशकों के साथ काम करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। उनकी फिल्म 'एंटनी' इसी सिलसिले में चर्चा में है। इसमें विजय वर्मा उनके सामने विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सनी अपने पुराने सहयोगियों के साथ काम करना छोड़ रहे हैं। उत्तर भारत की कहानियों में वह अपने पुराने साथियों के साथ भी काम जारी रखेंगे।

सनी की पूरी हो चुकी फिल्मों में 'बाप' भी शामिल है। इसमें उनके साथ मिथुन चक्रवर्ती, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ नजर आएंगे। फिल्म की मुख्य शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिल्म को नए साल की शुरुआत में रिलीज करने की तैयारी है। हालांकि, इसकी अंतिम रिलीज तारीख की आधिकारिक पुष्टि जरूरी है। सनी देओल अपने पुराने सहयोगियों के साथ भी काम कर रहे हैं। 'गदर' में उनके साथ काम कर चुके निर्देशक अनिल शर्मा के साथ वह 'कोल किंग' शुरू करने वाले हैं।





सीता मां का किरदार निभाते हुए मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया

अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'रामायण' में मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने जैसा नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। साई पल्लवी ने बताया कि इस सम्मानित किरदार को पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतारने के लिए उन्होंने मेडिटेशन का सहारा लिया। उनका मानना है कि यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई अनुभव नहीं होगी बल्कि इतिहास का हिस्सा बनेगी, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी देखेंगी। साई पल्लवी हाल ही में लोकप्रिय क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में पहुंचीं। यहां उन्होंने शो के होस्ट और मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत के दौरान सीता मां का किरदार निभाने की अपनी तैयारी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस भूमिका को लेकर उनके मन में काफी सम्मान और जिम्मेदारी का भाव था। वह चाहती थीं कि इस किरदार को निभाते समय किसी तरह की बाधा न आए और वह इसे पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतार सकें।

साई ने कहा, ''इस किरदार के लिए मैंने सिर्फ प्रार्थना की। मैंने भगवान से यही मांगा कि इसे निभाने के दौरान मेरे सामने जितनी भी मुश्किलें आएं, वे दूर हो जाएं। हम जो फिल्म बना रहे हैं, वह सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि इतिहास का हिस्सा भी बनेगी। आने वाली पीढ़ियां और भविष्य के लोग भी इसे देखेंगे। उस समय हममें से कोई यहां नहीं होगा लेकिन फिल्म रहेगी। इसलिए उस किरदार में गरिमा होनी चाहिए। इसी वजह से मैं इस भूमिका के लिए सिर्फ प्रार्थना कर रही थी।''

अभिनेत्री ने बताया कि सीता मां का किरदार निभाते हुए उन्होंने मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया। इससे उन्हें अपने विचारों को शांत रखने और मुश्किल परिस्थितियों में खुद को संभालने में मदद मिली। साई ने कहा, ''असल में मेडिटेशन न करने पर मेरे मन में और ज्यादा विचार आने लगते हैं। इसलिए सीता मां का किरदार निभाते समय भी मैं ज्यादातर मेडिटेशन करती थी। इस भूमिका से मैंने सीखा कि जब भी आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों, तो उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय उसे सिर्फ देखना और समझना चाहिए। जब भी मेरे सामने कोई मुश्किल या तनावपूर्ण स्थिति आती थी, तो मैं सोचती थी कि सीता मां ऐसी परिस्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देतीं। मुझे लगता है कि उनके किरदार से मैंने यही सबसे बड़ी बात सीखी है।''



'डेयर डेविल' में अजित कुमार के साथ नजर आएंगी श्रीलीला

अजित कुमार अपनी नई फिल्म 'डेयर डेविल' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन अधिक रविचंद्रन कर रहे हैं। अब फिल्म की एक्ट्रेस और शूटिंग शुरू होने की डेट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। निर्देशक ने पुष्टि की है कि फिल्म में श्रीलीला भी नजर आएंगी। फिल्म में उनके किरदार के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। यह भी साफ नहीं हुआ है कि उनकी भूमिका किस तरह की होगी और कहानी में उनका कितना महत्व होगा। उनके साथ पार्थिबन, प्रभु और सुनील जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग 12 नवंबर से शुरू करने की तैयारी है।

अजित के साथ दूसरी बार काम करेंगे रविचंद्रन

'डेयर डेविल' में अजित कुमार और अधिक रविचंद्रन दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने फिल्म 'गुड बैड अग्ली' में साथ काम किया था। इस फिल्म में अजित कुमार के अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया था। अब दोनों एक नई फिल्म के लिए फिर साथ आए हैं। बताया जा रहा है कि इस बार फिल्म की कहानी पहले की तुलना में अलग होगी। निर्देशक इसे ऐसी मनोरंजक फिल्म बनाना चाहते हैं, जिसे परिवार के सभी लोग देख सकें।



'करियर में एक नई भूमिका को लेकर उत्साहित हैं जॉर्जिया

जॉर्जिया एंड्रियानी जल्द ही हिंदी थ्रिलर वेब सीरीज 'डाइस' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक इटैलियन किरदार निभाएंगी। प्रोजेक्ट की शूटिंग नवंबर 2026 से शुरू होने वाली है। इसकी खास बात यह है कि सीरीज की शूटिंग इटली में होगी, जहां पोटेंजा और बिंडिसी सहित कई लोकेशंस को चुना गया है। 'डाइस' का निर्माण और निर्देशन चंद्रकांत सिंह कर रहे हैं, जबकि एंजेलो विगिनो भी इसके निर्माता के तौर पर जुड़े हैं। सीरीज हिंदी में बनाई जाएगी और इसमें जॉर्जिया अपने सांस्कृतिक परिवेश से जुड़े किरदार को परदे पर उतारेंगी।

सीरीज को लेकर जॉर्जिया ने कहा कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर उत्साहित हैं और शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रही हैं। उनके मुताबिक, एक एक्टर के तौर पर नए किरदार को एक्सप्लोर करना और अलग कहानी में खुद को ढालना हमेशा रोमांचक होता है साथ ही अपने किरदार को जीवंत करना एक खास अनुभव होगा।



'3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर आमिर खान ने दिया अपडेट

आमिर खान ने अपनी चर्चित फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि निर्देशक राजकुमार हिरानी फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं और जल्द ही इसका फाइनल ड्राफ्ट उन्हें सुना सकते हैं। हालांकि, आमिर ने अभी फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सिंगापुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बातचीत के दौरान आमिर ने कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों में भारत लौटने के बाद राजकुमार हिरानी उन्हें स्क्रिप्ट का फाइनल वर्जन सुनाएंगे। इसके बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इससे पहले राजकुमार हिरानी ने भी एक इंटरव्यू में सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम जारी होने की बात कही थी। आमिर ने संतोषी के एक अन्य प्रोजेक्ट पर काम करने की जानकारी भी दी। फेस्टिवल में 'अंदाज अपना अपना' के पार्ट 2 को लेकर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि संतोषी एक प्रोजेक्ट पर काम तो कर रहे हैं। हालांकि, आमिर ने इसकी पुष्टि नहीं की कि यह 'अंदाज अपना अपना 2' ही है।





वर्टिकल में टाइमिंग है सबसे बड़ी चुनौती, यही एक्टर को बनाती है बेहतर

टेलीविजन अभिनेता प्रतीक चौधरी इन दिनों बालाजी टेलीफिल्म्स की वर्टिकल सीरीज 'साइलेंट शिकारी' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का कहना है कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करने का मौका मिला है। बातचीत के दौरान अभिनेता ने कहा, 'बालाजी के साथ इस सीरीज में मैंने दो दिन का काम किया था और मेरा अनुभव बहुत शानदार रहा है। मुझे लगता है कि हर वो एक्टर अपने आपको खुशकिस्मत समझेगा, जिसे बालाजी के साथ काम करने का मौका मिला है क्योंकि उनके कंटेंट बहुत शानदार रहते हैं और उनके शूट करने का तरीका दूसरों से काफी अलग है। ऐसा नहीं है कि दूसरे प्रोडक्शन हाउस या डायरेक्टर्स का काम अच्छा नहीं है। सभी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं लेकिन बालाजी के साथ कुछ ऐसी चुनौतियां हैं जो बहुत मुश्किल होती हैं।' अभिनेता ने आगे वर्टिकल सीरीज और वेब सीरीज के की तुलना पर बात करते हुए कहा, 'यह दोनों ही अपने आप में अलग हैं। सबसे पहले तो हमें वर्टिकल फॉर्मेट में टेलीविजन को ही पूरा करना होता है। जैसा कि आप जानते हैं, टेलीविजन सालों से चल रहा है। पहले मैं सोचता था कि टेलीविजन बहुत मुश्किल है लेकिन वर्टिकल करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि शायद वर्टिकल फॉर्मेट से ज्यादा मुश्किल कुछ भी नहीं है। हो सकता है भविष्य में कुछ ऐसा आए जो वर्टिकल को भी आसान बना दे। सबसे बड़ी समस्या टाइमिंग की है। हमें चीजों को ठीक से करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता लेकिन मुझे लगता है कि यही चुनौती एक एक्टर को उसके काम में बेहतर बनाती है।

उन्होंने आगे कहा, 'पहले मुझे लगता था कि टेलीविजन से ही मैंने अभिनय सीखा है लेकिन वर्टिकल में काम करने के बाद मुझे एहसास हुआ है कि इस फॉर्मेट ने भी मुझे बहुत कुछ सिखाया है। हमें कुछ ही दिनों में अपने रोज के काम को पूरा करना होता है और उन कुछ दिनों में हम बहुत सारे एपिसोड शूट कर लेते हैं। मुझे पता है कि पांच से दस मिनट के छोटे क्लिप्स होते हैं, लेकिन सीन खुद बहुत लंबे होते हैं। एक एक्टर के तौर पर इतने कम समय में इतने सारे सीन करना आपको बहुत अनुभव देता है और यह आपको बहुत कुछ सिखाता है। तो मुझे लगता है कि मैंने वर्टिकल फॉर्मेट से बहुत कुछ सीखा है।

उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा, 'मैं वर्टिकल के बारे में एक बात और कहना चाहूंगा। टेलीविजन में आप आमतौर पर एक समय पर दो या तीन डायरेक्टर्स के साथ काम करते हैं, जब तक उन्हें बदला न जाए। वर्टिकल में आपको नए डायरेक्टर्स और नए कंटेंट के साथ काम करने का मौका मिलता है। हमेशा एक फिक्स टीम नहीं होती तो एक एक्टर के तौर पर आप बहुत कुछ एक्सप्लोर कर सकते हैं और बहुत कुछ सीख सकते हैं।

इंदौर में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट पर प्रशासन की सख्ती, 4 गानों पर रोक के निर्देश; 5 साल से बड़े बच्चे भी ले सकेंगे प्रवेश

15 नवंबर को सी-21 मॉल में होगा लाइव शो, चंडीगढ़ के प्रोफेसर की शिकायत पर कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मशहूर पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के लाइव कॉन्सर्ट को लेकर मध्य प्रदेश के इंदौर में विवाद गहरा गया है। 15 नवंबर को सी-21 मॉल में होने वाले उनके कार्यक्रम में अब चार लोकप्रिय गाने गाने पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने 6 नवंबर को मॉल प्रबंधन को पत्र जारी कर इन गानों को कार्यक्रम में शामिल नहीं करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। विभाग का मानना है कि इन गानों के बोल छोटे बच्चों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। खास बात यह है कि कार्यक्रम में पांच साल से अधिक उम्र के बच्चों को भी प्रवेश की अनुमति है। जिन चार गानों पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं, उनमें 'पटियाला पैग', '5 तारा ठेके', 'जेब विचों अफीम लब्भी आ' और 'जट्ट उत्थे फायर करदा जित्थे पाबंदी हथियार दी' शामिल हैं। यह कार्रवाई चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. पंडितराव धारेनावर की शिकायत के बाद की गई है। उन्होंने इन गानों को मूल बोल के साथ ही नहीं, बल्कि उनके बोल बदलकर भी गाने की अनुमति नहीं देने की मांग की थी। जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने अपने पत्र में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के 22 जुलाई 2019 के आदेश का हवाला दिया है। निर्देश की प्रतिलिपि इंदौर कलेक्टर, संबंधित राजस्व अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक और विजय नगर थाना प्रभारी को भी भेजी गई है।

बच्चों को मंच पर बुलाने पर भी आपत्ति

प्रोफेसर ने शिकायत में कॉन्सर्ट के दौरान बच्चों को मंच पर आमंत्रित नहीं करने की मांग भी की है। उनका तर्क है कि तेज ध्वनि बच्चों की सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए लाइव कॉन्सर्ट में ध्वनि का स्तर 120 डेसीबल से अधिक होने की आशंका जताई है। इसके अलावा तेजी से जलने-बुझने वाली रोशनी से कुछ बच्चों में दौरे पड़ने का खतरा भी बताया है।

कारतूस वाली बेल्ट पहनने पर भी रोक की मांग

शिकायतकर्ता ने दिलजीत के मंच पर सीने पर क्रॉस के आकार में चांदी के रंग की कारतूस वाली बेल्ट या नकली धातु के कारतूस पहनने पर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इस तरह का प्रदर्शन बंदूक संस्कृति और हिंसा को बढ़ावा देने वाला प्रतीक बन सकता है। दिलजीत दोसांझ इन दिनों 'ऑरा इंडिया' कार्यक्रम के तहत देश में लाइव शो कर रहे हैं। इससे पहले हुए कार्यक्रम को लेकर भी शिकायत सामने आई थी। अब



इंदौर के शो से पहले प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों ने संगीत कार्यक्रमों में बच्चों की मौजूदगी, गानों के बोल और मंच पर कलाकारों की वेशभूषा को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

रांची में सचिवालय के पीछे सज रहा जुए का अवैध बाजार, छह बोर्डों पर 100 से अधिक लोग लगा रहे दांव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार के नेपाल हाउस सचिवालय के पीछे सिद्धार्थ नगर में जुए का अवैध कारोबार खुलेआम संचालित होने का मामला सामने आया है। अस्पताल मार्ग के पास हर शाम जुआरियों की भीड़ जुटती है और कथित तौर पर शाम 5 बजे से सुबह 4 बजे तक जुए का खेल चलता है। मौके पर की गई पड़ताल के दौरान सड़क किनारे करीब आधा दर्जन जुए के बोर्ड लगे मिले, जहां 100 से अधिक लोग पैसे लगाते दिखाई दिए। झंडी-मुंडी और मुकुट जैसे खेलों के माध्यम से लोगों को दांव लगाने के लिए आकर्षित किया जा रहा था। संचालक 100 रुपये लगाने पर 300 रुपये मिलने का लालच देते हैं। मौके पर युवकों के साथ युवतियां भी जुआ खेलती नजर आईं। एक जुआरी ने दावा किया कि रात के समय इस खेल में करीब 10 लाख रुपये तक का दांव लगता है। उसके अनुसार, यह गतिविधि दुर्गा पूजा से शुरू हुई है और छठ तक जारी रहने की बात कही गई है। इस अवैध कारोबार में नकद के साथ ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध बताई गई। एक व्यक्ति ने संचालन के पीछे संजय नाम के व्यक्ति का हाथ होने का दावा किया। उसके मुताबिक, प्रत्येक बोर्ड पर उसके तीन से चार लोग तैनात रहते हैं। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का कहर, इंडिया गेट पर एक्यूआई 380; ग्रैप-3 लागू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को इंडिया गेट के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 380 दर्ज किया गया। हवा की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 लागू कर दिया गया है। इसके तहत पांचवीं कक्षा तक के स्कूलों में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पढ़ाई कराने के निर्देश दिए गए हैं। मध्य प्रदेश में दिवाली के साथ ही सर्दी ने भी दस्तक दे दी है। शुक्रवार रात इंदौर में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहडोल और दमोह में तापमान 12.2 डिग्री, जबकि भोपाल और पचमढ़ी में 12.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की और गिरावट आने की संभावना है। राजस्थान में भी प्रदूषण की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। शनिवार सुबह खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी में वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार पहुंच गया। इससे क्षेत्र में प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव सामने आया है। वहीं हिमाचल प्रदेश में अगले तीन दिनों तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 10 नवंबर से मौसम में बदलाव होगा। प्रदेश के अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है।



दिवाली से पहले दिल्ली में मिलावटखोरों पर शिकंजा, खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी में 100 किलो दूषित सामग्री नष्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। त्योहारी मौसम में मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली सरकार ने मिलावटखोरों के खिलाफ जांच अभियान तेज कर दिया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने राजधानी के विभिन्न इलाकों में मिठाई की दुकानों, डेयरियों और खाद्य निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान 40 खाद्य नमूने लिए गए, जबकि स्वच्छता संबंधी कमियां मिलने पर आठ प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए। जांच के दौरान मंडोली एक्सटेंशन स्थित एक डेयरी में बड़ी लापरवाही सामने आई। यहां दुर्गंधयुक्त खोया, रसगुल्ले और मक्खियों-मच्छरों से दूषित दूध मिला। विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए करीब 100 किलोग्राम दूषित खाद्य सामग्री नष्ट करवा दी। उत्तर-पूर्वी, पूर्वी और शाहदरा दिल्ली में की गई जांच के दौरान खोया, पनीर, घी, कलाकंद, लड्डू और गुलाब जामुन सहित 22 नमूने एकत्र किए गए। वहीं दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में 12 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 18 नमूने लिए गए। निहाल विहार में शिकायत के आधार पर एक मिठाई निर्माण इकाई की जांच की गई, जहां खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण का पंजीकरण नहीं मिला। यहां से तीन नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।



मोहाली में आप पार्षद के पति से 2 करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला, लॉरेंस गैंग के नाम पर जान से मारने की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोहाली। पंजाब के मोहाली में आम आदमी पार्टी (आप) की मौजूदा पार्षद के पति से 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और रकम नहीं देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि लॉरेंस गैंग से जुड़े आरजू ने उन्हें धमकाकर रंगदारी मांगी है। घटना के बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। बलौंगी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरजू समेत तीन लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(4) और 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की पहचान और उनकी भूमिका के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पीड़ित के मुताबिक, 4 अक्टूबर को वह फेज-9 स्थित हॉकी स्टेडियम में मैच देख रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से वॉट्सऐप कॉल आई। उन्होंने पहली कॉल काट दी, लेकिन दोबारा कॉल आने पर उसे उठा लिया। हालांकि दूसरी तरफ से कोई बातचीत नहीं हुई। उसी शाम करीब साढ़े छह बजे एक अन्य नंबर से कॉल आई, जिसे उन्होंने रिसीव नहीं किया।



कांग्रेस ने वीडियो बनाकर थाने में की शिकायत, कार्यपालन अभियंता से पूछताछ; अधिकारी ने आरोपों से किया इनकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कांकेर (छत्तीसगढ़)। दिवाली पर कर्मचारियों को मिठाई और उपहार देने की परंपरा के बीच छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बिजली विभाग का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां धनतेरस के दिन कर्मचारियों को दिवाली उपहार के नाम पर शराब की बोतलें बांटे जाने का आरोप लगा है। मामला सामने आने के बाद कांग्रेस ने कार्यालय में पहुंचकर वीडियो बनाया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शराब की बोतलें जब्त कर लीं और कार्यपालन अभियंता को पूछताछ के लिए कोतवाली थाने ले गई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कांकेर ग्रामीण के अध्यक्ष ब्लोमेंद्र यादव के मुताबिक, उन्हें सूचना मिली थी कि बिजली विभाग के कार्यालय में दीपावली के उपहार के नाम पर शराब बांटी जा रही है। इसके बाद वे कार्यालय पहुंचे, जहां महिला कर्मचारियों की मौजूदगी में कार्यालयीन समय के दौरान





कर्मचारियों की टेबल के ऊपर और नीचे एक जैसे पैकेटों में शराब की बोतलें रखी मिलीं। यादव ने इसका वीडियो भी बनाया और कार्यपालन अभियंता से सवाल किए, लेकिन उनका आरोप है कि उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। शिकायत मिलने पर पुलिस टीम विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंची और वहां से शराब की बोतलें जांच के लिए जब्त कर लीं। कार्यपालन अभियंता को पूछताछ के लिए कोतवाली थाना ले जाने के बाद विभाग के कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी थाने पहुंच गए। दूसरी ओर, विभाग के अधिकारी एसके किंडो ने शराब बांटने के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि कार्यालय में बोतलें कहां से आईं, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। उन्होंने पुलिस पर थाने ले जाते समय अभद्र व्यवहार करने का आरोप भी लगाया। सरकारी कार्यालय के भीतर शराब की बोतलें मिलने और दीपावली उपहार के रूप में वितरण के आरोपों से शहर में चर्चा तेज हो गई है। फिलहाल पुलिस ने बोतलें जब्त कर जांच शुरू कर दी है। अब जांच में यह स्पष्ट होगा कि शराब किसने कार्यालय में रखी थी, क्या वास्तव में कर्मचारियों को उपहार के रूप में बांटी जा रही थी और इस पूरे मामले में किसकी भूमिका थी।

वाराणसी के अपार्टमेंट में तड़के भीषण आग, तीसरी मंजिल से पांचवीं तक पहुंचीं लपटें



महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। शहर के भेलूपुर क्षेत्र स्थित जवाहर नगर कॉलोनी के कृष्णा अपार्टमेंट में शनिवार सुबह करीब 5 बजे भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई। अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर स्थित एक बंद फ्लैट से उठी आग की लपटें डक्ट के रास्ते चौथी और पांचवीं मंजिल तक पहुंच गईं। हादसे में पांचवीं मंजिल पर रहने वाली एक महिला झुलस गईं, जबकि उनके दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। महिला को उपचार के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, चेतमणि चौराहे के पास स्थित अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर एक फ्लैट बंद था और उसके मालिक घर पर मौजूद नहीं थे। शनिवार तड़के अचानक फ्लैट से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। धुआं देखकर आसपास के लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। कुछ ही देर में अपार्टमेंट के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। तीसरी मंजिल से उठी लपटें अपार्टमेंट के डक्ट के रास्ते चौथी और पांचवीं मंजिल तक पहुंच गईं। देखते ही देखते पूरी इमारत में धुआं भर गया। इससे ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। पांचवीं मंजिल पर रहने वाली एक महिला आग की चपेट में आकर हाथ झुलसा बैठीं। उस समय उनके बेटा और बेटी भी फ्लैट में मौजूद थे। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घायल महिला को एंबुलेंस से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। सूचना मिलने पर दमकल और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं। दोनों टीमों ने करीब एक घंटे तक अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। इसके बाद इमारत में ठंडा करने का काम शुरू किया गया। सुरक्षा के मद्देनजर इलाके की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई थी। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें जांच कर रही हैं।

कार्तिक अमावस्या पर रजरप्पा के मां छिन्नमस्तिका मंदिर में विशेष पूजा की तैयारी, दीपावली पर रातभर होगी आराधना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रजरप्पा। देश के प्रसिद्ध सिद्धपीठ रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर में कार्तिक अमावस्या और दीपावली को लेकर विशेष धार्मिक तैयारियां की गई हैं। रविवार को कार्तिक अमावस्या के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होगी। इस पावन अवसर पर तंत्र-मंत्र की साधना और सिद्धि के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से तांत्रिक और साधकों के पहुंचने की परंपरा है। काली पूजा से एक दिन पहले ही मां छिन्नमस्तिका मंदिर और दक्षिणेश्वरी काली मंदिर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है। रंग-बिरंगी रोशनी से पूरा मंदिर परिसर जगमगा उठा है। कार्तिक अमावस्या की रात दोनों मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना होगी और श्रद्धालु रातभर माता की आराधना करेंगे। दामोदर और भैरवी नदियों के संगम तट पर स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर को तंत्र साधना का प्रमुख सिद्धपीठ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहां की भूमि साधना और सिद्धि के लिए विशेष महत्व रखती है। पूरे वर्ष यहां साधना होती है, लेकिन दीपावली, दशहरा और कार्तिक अमावस्या जैसे अवसरों पर इसका महत्व और बढ़ जाता है। मान्यता है कि अमावस्या की मध्यरात्रि में साधक एकांत स्थानों और जंगलों में विशेष साधना करते हैं। साधक असीम पंडा के अनुसार, वर्षभर में आने वाली 12 अमावस्याओं में कार्तिक अमावस्या को श्रेष्ठ माना गया है। इसे दीपान्विता अमावस्या भी कहते हैं। उन्होंने बताया कि महा निशाकाल में एकांत स्थान पर साधना का विशेष महत्व है। मां काली की पूजा में गुड़हल के फूल अर्पित करना भी विशेष फलदायी माना जाता है।



रेखा आर्या के फर्जी हस्ताक्षर कर चार कंपनियों से निदेशक पद से हटाने का आरोप, एसआईटी जांच में भतीजे की भूमिका भी उजागर

झांसी और बरेली से हुई गिरफ्तारी; जातिसूचक टिप्पणी के आरोप में एससी-एसटी एक्ट की धाराएं भी जुड़ीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में मंत्री रेखा आर्या से जुड़े कथित फर्जीवाड़े के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरधारी लाल साहू ने अपने भतीजे सतेंद्र राठौर के साथ मिलकर रेखा आर्या के कथित फर्जी हस्ताक्षर किए और कूटरचित दस्तावेज तैयार किए। इन दस्तावेजों के आधार पर चार कंपनियों में रेखा आर्या को निदेशक पद से हटाकर सतेंद्र राठौर को निदेशक बनाया गया। पुलिस के मुताबिक, जिन कंपनियों में यह बदलाव किया गया, उनमें देवों के देव महादेव, बनखंडो रुद्राक्ष धाम, श्री अंबे ऑटो डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड और श्री बनखंडो धाम डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। जांच में सतेंद्र की



भूमिका सामने आने के बाद उसे भी मुकदमे में आरोपी बनाया गया। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और अन्य माध्यमों से उनकी गतिविधियों पर नजर रखी। इसके बाद 6 नवंबर को मुखबिर की सूचना पर गिरधारी लाल साहू (61) को झांसी से गिरफ्तार किया गया, जबकि सतेंद्र राठौर (40) को बरेली के जोगी नवादा से पकड़ा गया। एसआईटी ने जांच के दौरान संबंधित ध्वनि रिकॉर्डिंग अपने कब्जे में ली हैं और कई गवाहों के बयान भी दर्ज किए हैं। पुलिस का दावा है कि दस्तावेजों और गवाहों के बयानों से आरोपियों की भूमिका सामने आई है। जांच में रेखा आर्या के खिलाफ कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल की बात भी सामने आई, जिसके आधार पर अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराएं जोड़ी गई हैं। पुलिस के अनुसार, गिरधारी लाल के खिलाफ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में हत्या, हत्या के प्रयास, बलवा और गैंगस्टर अधिनियम सहित 11 मुकदमे दर्ज होने की जानकारी मिली है। मामले में आगे की जांच जारी है।

गोरा बनाने वाली क्रीम बन सकती है किडनी की दुश्मन, 18 महिलाओं में बीमारी के मामले सामने आने से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इस्लामाबाद/दिल्ली। गोरा दिखने की चाह में चेहरे पर लगाई जाने वाली क्रीम सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। किशोरियों से लेकर महिलाओं तक में गोरी त्वचा पाने की चाह आम है। खासकर रूप चौदस और दीपावली के दौरान फेशियल और गोरा बनाने वाली क्रीम का इस्तेमाल बढ़ जाता है। लेकिन जिस क्रीम को सुंदरता बढ़ाने के लिए लगाया जा रहा है, वही किडनी को नुकसान पहुंचाने लगे तो चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। पाकिस्तान में बनी 'गोरी ब्यूटी क्रीम' को लेकर ऐसा ही मामला सामने आया है। महाराष्ट्र के नागपुर में इस क्रीम का इस्तेमाल करने वाली करीब 18 महिलाओं में किडनी संबंधी बीमारी के मामले सामने आए हैं। इसके बाद क्रीम की गुणवत्ता और उसमें मौजूद रासायनिक तत्वों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। डॉक्टरों ने क्रीम के एक नमूने की जांच कराई तो उसमें 5700 पीपीएम तक पारा (मरकरी) पाया गया। जबकि सौंदर्य प्रसाधनों में पारे की अधिकतम निर्धारित सीमा महज 1 पीपीएम बताई गई है। यानी नमूने में पारे की मात्रा तय सीमा से कई हजार गुना अधिक मिली। मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने राज्य में इस क्रीम की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, चिंता की बात यह है कि मध्य प्रदेश में अब भी इसकी बिक्री होने की जानकारी सामने आई है। ऑनलाइन खरीदारी के मंचों पर भी क्रीम की सूची उपलब्ध मिली है। यह मामला सौंदर्य प्रसाधनों की गुणवत्ता जांच और बाजार में बिकने वाले उत्पादों की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े करता है।



23 साल पुराने जेनी प्रकरण से उत्तराखंड की राजनीति में भूचाल, पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत पर दुष्कर्म का आरोप

दोबारा जांच और बेटे को पिता का नाम दिलाने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में करीब 23 साल पुराना जेनी प्रकरण एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। शनिवार को देहरादून में पत्रकार वार्ता कर जेनी ने पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत पर वर्ष 2003 में दुष्कर्म करने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने मामले की नए सिरे से जांच कराने, बेटे की पितृत्व पहचान सुनिश्चित करने और उसे पिता का नाम दिलाने की मांग की। दूसरी ओर



हरक सिंह रावत ने इन आरोपों को भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक साजिश करार दिया है। जेनी ने दावा किया कि घटना के समय उनकी उम्र महज 16 वर्ष थी। वह देहरादून में एक एसटीडी बूथ पर काम करती थीं, जहां एक राजनीतिक कार्यकर्ता ने उनकी मुलाकात हरक सिंह रावत से कराई थी। उनके मुताबिक, वह करीब डेढ़ से दो महीने तक यमुना कॉलोनी में रहीं। इस दौरान उन्हें घर, होटलों और पार्टियों में ले जाकर उनके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। जेनी का आरोप है कि गर्भवती होने के बाद उन्हें प्रताड़ित किया गया और मानसिक रूप से बीमार बताकर पागलखाने में रख दिया गया। उन्होंने तत्कालीन कानूनी प्रक्रिया और केंद्रीय जांच ब्यूरो की जांच पर भी सवाल उठाए। उनका दावा है कि बेटे के डीएनए नमूने की जांच नहीं कराई गई। वर्ष 2016 में दिल्ली में मुकदमा दर्ज कराने के प्रयास के दौरान भी उनके साथ जबरदस्ती हुई। जेनी ने कहा कि उनका बेटा पिछले 23 वर्षों से पिता के नाम के बिना जीवन बिता रहा है। अब वह न्याय और दोबारा जांच चाहती हैं। उन्होंने पुलिस महानिदेशक से भी शिकायत करने की बात कही। वहीं हरक सिंह रावत ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो की जांच में अलग तथ्य सामने आए थे। उन्होंने कहा कि जिस समय का यह मामला है, तब केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार थी। ऐसे में तत्कालीन जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंकिता भंडारी प्रकरण से ध्यान हटाने के लिए पुराने मामले को राजनीतिक रूप से उछाला जा रहा है। 23 साल बाद फिर सामने आए इस प्रकरण ने उत्तराखंड की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। अब मामले की निष्पक्ष जांच और सामने आने वाले तथ्यों पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.